जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 47 संख्याः 341 प्रभात कोटा, शुक्रवार 23 सितम्बर, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

एक नए डेटा के अनुसार गत 30 वर्षों में 11 लाख से अधिक सी टर्टल्स को अवैध रुप से मारा गया है। एरिज़ोना स्टेट युनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों का अनुमान है कि, संरक्षण कानून होने के बावजूद गत एक दशक में 655 देशों में हर वर्ष 44000 कछुओं मारे गए हैं। एरिज़ोना स्टेट युनिवर्सिटी में असिस्टेंट रिसर्च प्रोफेसर तथा शोध की एक प्रमुख लेखक जैस्सी सैंको ने कहा, ''यह संख्या बहुत ही अधिक है लेकिन फिर भी वास्तविक संख्या से कम ही है। क्योंकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि का आकलन कर पाना आसान नहीं होता।'' संयुक्त राष्ट्रसंघ के अनुसार सी टर्टल का भोजन के लिए शिकार किया जाता है। इसके अलावा कलाकृतियां, घरेलू सज्जा और आभूषणों के लिए भी इन्हें पकड़ा जाता है। अवैध वाइल्डलाइफ मार्केट में टर्टल के अवैध व्यापार की हिस्सेदारी 23 अरब डॉलर है। टर्टल का अवैध शिकार कितना है इसे जानने के लिए शोधकर्ताओं ने विभिन्न जर्नल्स में छपे 209 आर्टिकल्स, मीडिया रिपोर्ट्स, संरक्षण संगठनों की रिपोर्ट्स आदि का अध्ययन किया तथा सभी साबुत टर्टल एवं टर्टल के बायप्रॉडक्ट्स, जैसे सिर, पूँछ, शैल आदि को भी देखा। शोध से पता चला कि 1990 से 2010 के बीच लगभग 43,000 टर्टल्स की तस्करी हुई, लेकिन यह अनुमान संभवतया मूल संख्या से फिर भी बहुत कम है। साउथ ईस्ट एशिया और मैडागास्कर सी टर्टल शिकार के ''हॉटस्पॉट'' हैं और सी टर्टल की लगभग सारी तस्करी वियतनाम से शुरु होती है। चीन व जापान सी टर्टल उत्पादों का सबसे लोकप्रिय बाजार हैं। सैंको कहते हैं, जब तक अमीर देशों में टर्टल के उत्पादों की मांग रहेगी तब तक विकासशील देश टर्टल की आपूर्ति करते रहेंगे। कई देशों में तो घरों में ''स्टफ्ड टर्टल'' रखना स्टेटस सिम्बल माना जाता है। जिन टर्टल्स का शिकार होता है उनमें 95 प्रतिशत संख्या ग्रीन टर्टल और हॉक्सबिल टर्टल की है। ओशनिक सोसायटी के अध्यक्ष रॉडरिक मास्ट ने बताया कि, ग्रीन टर्टल का मांस बेहद स्वादिष्ट माना जाता, इनका जो पल्प या मीट होता है उसे लोग बहुत पसंद करते हैं। वहीं, हॉक्सविल का उसके खूबसूरत शैल के लिए शिकार किया जाता है। ये प्रजातियां क्रमशः संकटग्रस्त व गंभीर रुप से संकटग्रस्त श्रेणी में सूचीबद्ध हैं। तथापि, रिपोर्ट से यह भी सामने आया है कि गत दस वर्षों में सी टर्टल का अवैध शिकार 28 प्रतिशत घटा है और इसका कारण है इस जीव को लगातार मिल रहा कानूनी संरक्षण।

आखिर ऊंट पहाड़ के नीचे आ ही गया

राहुल गांधी के सख्त रवैये के कारण गहलोत होश में आये और कांग्रेस अध्यक्ष के साथ-साथ राजस्थान का मु.मंत्री बने रहने की अपनी मांग को ''ड्रॉप'' किया

- गहलोत, जो गुरूवार की सुबह मुम्बई से कोच्चि पहुंचे थे, देर रात को राहुल गांधी के साथ दिल्ली लौटेंगे तथा गांधी परिवार के तीनों सदस्यों, सोनिया गांधी, राहुल गांधी व प्रियंका गांधी से बात करेंगे तथा सचिन पायलट को मु.मंत्री बनने से रोकने का अंतिम प्रयास करेंगे।
- राजस्थान के मु.मंत्री पद के लिये चल रहे संघर्ष में फिलहाल पायलट, गहलोत से कुछ कदम आगे हैं।
- गहलोत सोनिया गांधी से मिले, उससे एक दिन पहले पायलट सोनिया गांधी से मिलकर राजस्थान की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करके अपना पक्ष पूरी तरह समझा कर केरल चले गये थे।
- राहुल गांधी से मिलने जब गहलोत कोच्चि पहुंचे, उससे पहले पायलट को, पदयात्रा में चलते-चलते राहुल को अपनी बात समझाने का पूरा अवसर मिला।
- बसपा नेता राजेन्द्र सिंह गुढ़ा ने भी पाला बदलते हुए, साफ कहा, जिस व्यक्ति को कांग्रेस हाई कमान मु.मंत्री बनाना उचित समझता है, बसपा से कांग्रेस में आये विधायक उसी का साथ देंगे।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। आखिर ऊँट पहाड़ के नीचे आ ही गया!!

राहुल गांधी द्वारा अपनाये गये कड़े रुख के बाद, अशोक गहलोत अपने होशो-हवास में आ गये तथा उन्होंने अपनी यह माँग छोड़ दी कि उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष बनने के साथ-साथ, मुख्यमंत्री भी बना रहने दिया जाये।

गहलोत ने आखिरकार यह कह ही दिया कि वे दोनों पदों के साथ न्याय नहीं कर सकते तथा मुख्यमंत्री पद से हट जायेंगे।

गहलोत के रुख में यह परिवर्तन उस समय आया, जब राहुल गांधी ने केरल में अपनी प्रैस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पार्टी उदयपुर चिन्तन शिविर में पारित ''एक व्यक्ति, एक पद'' के प्रस्ताव पर अमल करेगी। इसके बाद गहलोत ने हार मान ली तथा त्याग पत्र देने के लिए राजी हो गये।

लेकिन सचिन पायलट को मुख्यमंत्री की कुर्सी से दूर रखने की कोशिश अभी भी नहीं छोड़ी है।

गहलोत चाहते थे कि वे गांधी परिवार के तीनों सदस्यों से मिलकर, स्थिति पर चर्चा करें।

इसलिये, गहलोत, जो राहुल गांधी से मिलने आज सुबह मुम्बई से केरल पहुँचे थे, आज देर रात गये राहुल को दिल्ली ला रहे हैं। दिल्ली आने के बाद, आज देर रात गये तीनों गांधियों के साथ गहलोत की मीटिंग होगी।

यह सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनने से रोकने का गहलोत का अंतिम प्रयास होगा।

लेकिन वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह जो राहुल गांधी के पक्ष में पूरी तरह मुखर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक और भारत जोड़ो यात्रा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। भारत जोडो यात्रा, जो अभी केरल से गुजर रही है, को मिले जन समर्थन से उत्साहित कांग्रेस ने तय किया है कि अगले वर्ष

- भारत जोड़ो यात्रा को मिले भारी समर्थन से उत्साहित कांग्रेस अगले वर्ष एक और भारत जोड़ो यात्रा का आयोजन करेगी। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता, जयराम रमेश ने कहा कि, यह यात्रा पूर्व से पश्चिम तक निकाली जाएगी।

पूर्व से पश्चिम तक इसी तरह की यात्रा आयोजित की जाएगी।

कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने केरल के न्जलकम जमात कान्वैंशन सैंटर में हुई एक प्रैस कॉन्फैस में कहा कि ऐसी ही एक और भारत जोड़ो यात्रा होगी जिसमें बिहार झारखंड और उत्तर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक हिजाब पर दो अलग-अलग कहानियां क्यों, कर्नाटक व तमिलनाडू में

- कर्नाटक सरकार ने स्कूल युनिफॉर्म के साथ हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया है।
- पर, तमिलनाडू में एक हैडमिस्ट्रेस ने दो मुस्लिम छात्राओं को अपना हिजाब उतार कर, अपने बैग में रखने के आदेश दिये तो, शिक्षा विभाग ने तुरंत स्कूल व हैडमिस्ट्रेस को साफ कहा कि, छात्राएं अपने आप निर्णय ले सकती हैं, उन्हें हिजाब पहनना है या नहीं तथा स्कूल प्रशासन की इस मुद्दे पर कोई भूमिका नहीं है।
- कर्नाटक सही है या तमिलनाडू, यह तो हिजाब के मसले पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही लम्बी सुनवायी के बाद, आने वाला सुप्रीम कोर्ट का फैसला ही निर्धारित करेगा।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। यह कहानी हिजाब और दो राज्यों-कर्नाटक एवं तमिलनाडू की है, जहां अल्पसंख्यक समुदाय की बालिकाएं दुपट्टा या स्कार्फ पहनती हैं। हिजाब का मुद्दा इन दोनों राज्यों की सरकारों की प्राथमिकताओं की और भी संकेत करता है। कर्नाटक में स्कूलों में हिजाब पर रोक लगाने को महत्व दिया गया है, जो एक ऐसा मुद्दा बन गया है जिसमें दो समुदायों के बीच की शांति को गड़बड़ा देने की क्षमता है। वहीं इस मुद्दे पर पड़ोसी राज्य तमिलनाडू का सोच ठीक इसके विपरीत है। तमिलनाडू ने हिजाब पहनने के मामले में बालिकाओं की पसंद-नापसंद में किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप से इंकार कर दिया है।

कर्नाटक में हिजाब को लेकर काफी कुछ हुआ है। राज्य सरकार ने इस परम्परा पर सख्त रूख दिखाते हुए, इसके स्कूलों-कॉलेजों में पहने जाने पर पाबंदी लगा दी है तथा ऐसा करने के औचित्य के लिये स्कूल-कॉलेजों की यूनिफॉर्मों (जहां ये लागू हैं) से संबंधित नियमों-कानूनों का हवाला दिया है तथा अल्पसंख्यक समुदाय की तरफ से इसकी अपेक्षित प्रतिक्रिया सामने आई है। कर्नाटक के शहर और कस्बे जमीनी तनाव के साक्षी हैं तथा इसे लेकर अशोभनीय घटनाओं को रोकने के लिये सरकार को सुरक्षा व्यवस्था सख्त करनी पड़ी थी। हिजाब विवाद सर्वोच्च न्यायालय में भी पहुंच गया है।

प्रसंगवश बता दें, सर्वोच्च न्यायालय में हिजाब के विवाद लम्बी कानूनी कार्यवाही चली है तथा सभी पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद, अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'द तिरूमला गाइड'

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। इसमें कोई अचरज नहीं है कि आंध्र प्रदेश के चितूर जिले के तिरुपति बालाजी मंदिर ने भी समस्याओं से निजात पाने के लिए

- तिरूपति बालाजी मंदिर ट्रस्ट अब मंदिर में आने वाले भक्तों की आम समस्याओं को दूर करने के लिए सॉफ्टवेयर तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। ट्रस्ट ने ''तिरूमला गाइड'' नाम का एक मोबाइल एप बनाया है, जिससे अलग-अलग भाषाओं वाले श्रद्धालुओं को मदद मिल सकती है।

सॉफ्टवेयर तकनीक का सहारा लिया है। आंध्र प्रदेश सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में विकास के लिए जाना जाता है। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम् ट्रस्ट जो कि वैटिकन के बाद विश्व के दूसरे सबसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'निर्धन सवर्णों को दिया गया 10 प्रतिशत आरक्षण हर प्रदेश में अगल-अलग होगा'

- एटॉर्नी जनरल व सॉलिसिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि, सरकारी नौकरी व उच्च शिक्षा में दिया गया यह आरक्षण स्थायी नहीं है, क्योंकि राज्य की आर्थिक परिस्थिति देखते हुए लागू होगा और माली हालत ठीक होने पर आरक्षण वापस भी लिया जा सकता है।
- यह भी तर्क दिया गया कि, इस आरक्षण की सुविधा में केवल निर्धन सवर्ण ही शामिल हैं और एस.सी., एस.टी. व ओ.बी.सी. नहीं, क्योंकि इन तीनों वर्गों को पहले ही 50 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है और ढाई-ढाई प्रतिशत आरक्षण जोड़ा गया तो, सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन होगा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। केन्द्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सवर्ण जातियों के इकोनॉमिकली वीकर सैक्शन्स (ई.डब्ल्यु.एस.) के लिए आरक्षण 10 प्रतिशत तक है, जिसका मतलब है कि यह उनकी आर्थिक स्थिति के आधार पर राज्य दर राज्य अलग-अलग हो सकता है।

ई.डब्ल्यु.एस. को आरक्षण उपलब्ध करवाने वाले संविधान के 103वें संशोधन का पक्ष लेते हुए अटॉर्नी जनरल के.के. वेगुगोपाल के चीफ जस्टिस उदय उमेश ललित, जस्टिस दिनेश महेश्वरी, जस्टिस एस. रविन्द्र भट, जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी और जे.बी. पारदीवाला से युक्त पांच जजों की संविधान बैंच को बताया कि ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण उन आर्थिक कठिनाईयों का समाधान करने के लिए है जो जनरल कैटेगरी की आबादी के 18.2 करोड़ गरीब लोगों को उच्च शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षा प्राप्त करने और सरकारी नौकरियां लेने से रोकती हैं। उन्होंने कहा कि एस.सी. और एस.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जो फैसला हाई कमान करेगा हम उसके साथ हैं'

जयपुर, 22 सितम्बर (का.प्र.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने तथा उनके स्थान पर नया मुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चाओं के बीच राजस्थान के विधायकों के सुर बदलने लगे हैं।

अब तक मुख्यमंत्री खेमे के साथ

- बसपा नेता राजेन्द्र गुढ़ा ने राजस्थान में सरकार का तख्ता पलटने पर अपना ''स्टैण्ड'' स्पष्ट किया।

रहे और अपने बयानों को लेकर चर्चित बसपा से जीतकर कांग्रेस में शामिल होने वाले विधायकों ने भी अपना पुराना स्टैंड बदलने के संकेत दे दिए हैं और कहा है कि सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, राहुल गांधी जिसे भी मुख्यमंत्री बनाएंगे, वह उसके साथ हैं।

सचिन पायलट या किसी दूसरे चेहरे को मुख्यमंत्री बनाने के सवाल पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैं किसी के नाम की न चर्चा करता हूँ न कर रहा हूँ, देखना यह है कि, कौन आए, जिससे पार्टी एकजुट रहे और सरकार रिपीट हो'

गहलोत ने यह भी कहा कि, अध्यक्ष का पद, एक व्यक्ति एक पद के दायरे में नहीं आता, लेकिन इतिहास में कोई कांग्रेस अध्यक्ष मुख्यमंत्री नहीं रहा, इसलिए फैसला करना पड़ा

- पायलट को मुख्यमंत्री बनाने के सवाल पर अशोक गहलोत ने कहा, जो हालात राजस्थान के अंदर हैं, हाई कमान स्टडी करेगा और देखेगा कि, विधायकों की क्या भावना है।
- इस बीच उप मुख्यमंत्री पद के लिए गोविंद डोटासरा और शांति धारीवाल के नाम की चर्चा शुरू हुई, वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर ब्राह्मण चेहरा लाने की बात हो रही है।

जयपुर, 22 सितम्बर (का.प्र.)। राहुल गांधी ने गुरुवार को कोच्चि में पार्टी अध्यक्ष पद के दावेदार और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की, पार्टी अध्यक्ष पद और मुख्यमंत्री पद, दोनों अपने पास रखने की इच्छा के विपरीत कहा कि, उदयपुर अधिवेशन में एक व्यक्ति एक पद पर हमने जो फैसला किया था, वह कायम रहेगा। दूसरी ओर सचिन पायलट के नाम पर ऐतराज होने के सवाल पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, ''मैं किसी के नाम की न चर्चा करता हूं और न कर रहा हूं। हमें यह देखना है कि कौन आए, जिससे मैसेज जाए कि पार्टी एकजुट है और हम किसी भी कीमत पर सरकार रिपीट करें। जिससे अन्य राज्यों में भी पार्टी फिर से खड़ी हो। यह बहुत बड़ा फैसला होगा और यह सोच-समझकर लेना पड़ेगा।''

दरअसल यह सवाल इसलिए आया क्योंकि कयास लगाए जा रहे हैं कि, अशोक गहलोत के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर राजस्थान के मुख्यमंत्री पद पर ब्राह्मण चेहरे के तौर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी को लाया जा सकता है। इसका कारण यह बताया जा रहा है कि, जोशी राहुल गांधी के साथ काम कर चुके हैं और उनके रहते अशोक गहलोत खेमा किसी तरह की नाराजगी नहीं जताएगा।

मुख्यमंत्री गहलोत ने एक दिन पहले ही दिल्ली पहुंचने पर कहा था कि, एक व्यक्ति एक पद वाला नियम नॉमिनेटेड पोस्ट पर लागू होता है। लेकिन पहले दिग्विजय सिंह ने कहा, फिर, गुरुवार को राहुल गांधी ने उदयपुर डैक्लरेशन के अनुसार एक व्यक्ति एक पद का फार्मूला लागू होने पर मोहर लगा दी, जिसके बाद गहलोत ने गुरुवार को कह दिया कि, अध्यक्ष का पद, एक व्यक्ति एक पद के दायरे में नहीं आता, लेकिन इतिहास में कोई कांग्रेस अध्यक्ष मुख्यमंत्री नहीं रहा, इसलिए फैसला करना पड़ेगा। इतना ही नहीं, अशोक गहलोत ने यह भी कहा कि, मुख्यमंत्री को लेकर फैसला, विधायकों की मर्जी जैसी होगी वैसे होगा। हालांकि यह बात लागू इसलिए नहीं होती है, क्योंकि कांग्रेस में हमेशा विधायक दल की बैठक में फैसला आलाकमान पर छोड़ा जाता है और आलाकमान जिस नाम पर मुहर लगाता है वही मुख्यमंत्री बनता है। खुद अशोक गहलोत मुख्यमंत्री बने तब भी हमेशा इसी तरह से फैसला होता रहा है। ऐसे में विधायक दल की बैठक होना मात्र औपचारिकता ही रहेगी और फैसला, जैसा गांधी परिवार चाहेगा वैसा ही होगा।

इधर कोच्चि पहुंचे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की राहुल गांधी से चर्चा हुई। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी कोच्चि पहुंचे और राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए। राजस्थान में मुख्यमंत्री पद पर बदलाव होना तो निश्चित है, लेकिन अब राजस्थान में दो उप मुख्यमंत्री बनाए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हिंसा के मुकाबले में लाचारी का भाव आना अहिंसा नहीं कायरता है। अहिंसा को कायरता के साथ नहीं मिलाना चाहिए। –महात्मा गाँधी

क्या हिजाब के विवाद के निराकरण का कोर्ट के अतिरिक्त अन्य विकल्प भी हो सकता है?

ऐसा प्रतीत हो रहा है कि हम हिन्दू-मुसलमान हमारी गंगा जमुनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। हमें गर्व था कि संविधान ने जहाँ देश को धर्मनिरपेक्ष राज्य का दर्जा दिया, साथ ही देश के प्रत्येक नागरिक को धर्म की स्वतंत्रतता का मूल अधिकार भी दे दिया, किन्तु उसे लोक व्यवस्था, सदाचार व स्वास्थ्य के अधीन रहने दिया साथ ही धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण करने का अधिकार भी सभी व्यक्तियों को दे दिया और धार्मिक आचरण (Religious Practice) को रेगूलेट करने के बाबत राज्य को अधिकार दिया। इस प्रकार धर्म की स्वतंत्रता का मूल अधिकार सुरक्षित कर दिया। धार्मिक आचरण के बाबत सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने सन 1954 ही में यह निर्णय दिया कि ऐसी धार्मिक प्रेक्टिस धर्म का मुख्य भाग होना आवश्यक है। संविधान के अनुच्छेद 25 में यही संदेश दिया है तथा अनुच्छेद 29 में यह घोषणा की कि कोई धार्मिक अल्पसंख्यक जिसकी अपनी विशिष्ट संस्कृति, भाषा है उसे उनकी संरक्षण का मूल अधिकार होगा।

प्रस्तुत विवाद कर्नाटक राज्य से है और हिजाब पहनने से संबंध रखता है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने यह निर्णय दिया कि मुसलमान कन्या विद्यार्थियों पर हिजाब पहनने पर निषेध आदेश उचित है। राज्य ने हिजाब पर प्रतिबंध कुछ स्कूलों पर लगाया था। कर्नाटक राज्य की ओर से दलील दी गई है कि हिजाब का प्रश्न स्कूल यूनिफार्म के लिये नहीं है। सन 2021 से पूर्व हिजाब पर कोई विवाद ही नहीं था।

सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ जिसके माननीय सदस्य जस्टिस हेमन्त गुप्ता व जस्टिस धूलिया हैं। इस पीठ के समक्ष 23 पिटीशन्स के बेच पर सुनवाई हो रही है इस खण्डपीठ के समक्ष दो प्रकार के केसेज हैं। एक वे हैं जो रिट पिटीशन से संबंध रखता है जिनमें मुस्लिम बालिका स्टूडेन्टस ने हिजाब पहनने के अपने अधिकार के हेतु कोर्ट से गुहार की है। दूसरे वे केसेज हैं जो एसएलपी के हैं, इनमें कर्नाटक हाईकोर्ट के 15.03.2022 के निर्णय को चुनौती दी है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने सरकार के आदेश दिनांक 05.02.2022 को सही माना है, जिससे पिटीशनर्स जो प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज के मुस्लिम स्टूडेन्ट्स हैं उन्हें हिजाब पहनने से निषेधित किया है। कर्नाटक हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ ने यह करार दिया है कि हिजाब पहनना इस्लाम में Essential Religious Practice नहीं है। पूर्ण पीठ ने यह निर्णय दिया कि शिक्षण संस्थाओं में यूनिफार्म पहनना पिटीशनर्स के मूल अधिकार का अतिरेक नहीं करता। इन केसेज में सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल, सीनियर एडवोकेट प्रशान्त भूषण, सीनियर एडवोकेट आदित्य सोंधी, राजीव धवन, हुजेफा अहमदी आदि ने पक्षकारों की ओर से बहस की है। सरकार की ओर से श्री तुषार मेहता, सोलिसीटर जनरल ने बहस की है। कर्नाटक के एडवोकेट जनरल प्रभुलिंग नवादगी व एएसजी नटराजन ने राज्य की ओर से तथा कॉलेज टीचर्स की ओर से शेशाद्री नायडू व वी. मोहन ने भी बहस में भाग लिया। इनका कहना था कि यूनिफार्म के बाबत विवाद नहीं होना चाहिये। यूनिफार्म का संबंध विद्यार्थियों में समानता की भावना पैदा करना है। यहाँ अनुच्छेद 14 भी मददगार है। सीनियर एडवोकेट आर. वेंकटरमानी ने बहस में कहा कि स्कूल सभी धार्मिक तत्वों से परे होने चाहिये।

सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने यह सुझाव दिया है कि केस को संविधान पीठ को निर्णय हेतु भेजा जाना चाहिये। यह बहस भी की है कि इस केस में केवल अनुच्छेद 19 पर ही बहस सीमित नहीं है अपितु वह (Concept of qualified public space) का केस है। इसके अलावा हिजाब पहनना एक Cultural Right है जो अनुच्छेद 29 के तहत् अधिकार की सुरक्षा प्रदान करता है। सीनियर एडवोकेट प्रशान्त भूषण की बहस है कि पिटीशनर्स के लिये यह बताना आवश्यक नहीं है कि यह केस Essential Religious Practice का है, अपितु उन्हें केवल यह बतलाना है कि महिलाओं का हिजाब पहनना सदभाविक प्रेक्टिस है तथा साथ ही उनकी बहस यह भी है कि पब्लिक शिक्षण संस्थाओं द्वारा ड्रेस कोड लागू नहीं किया जा सकता। उनका यह भी कहना है कि हिजाब पर प्रतिबंध उसी समय लगाया जा सकता है जब 'पगड़ी' पर भी यह लागू हो, अन्यथा प्रतिबंध संवैधानिक नहीं है। हिजाब पहनना अनुच्छेद 25 के तहत मूल अधिकार है।

2021 से पूर्व तक हिजाब कोई विवाद था ही नहीं। ऐसी स्थिति (यदि यह सच है तो) उसे अपनाया जा सकता है तथा इस विवादास्पद प्रश्न को बिना फैसला किये आपसी सदभाव से सुलझाया जाना चाहिये। आपसी सहमति से पिटीशन विद्ड्रो की जा सकती है।

सीनियर एडवोकेट आदित्य सोंधी, अनिल धवन (Intervenor) व हुजैफा अहमदी की बहस थी कि राज्य की आज्ञा दिनांक 05.02.2022 जिससे हिजाब पर प्रतिबंध लगाया है वह संविधान में जो Fraternity का Concept दिया है उसके विरूद्ध है। अहमदी की बहस थी कि स्कूल में हिजाब की मनाई, वास्तव में मुस्लिम गर्ल विद्यार्थियों को स्कूल छोडने पर बाध्य करने वाला है। एडवोकेट अहमदी ने यह भी बहस की कि केस संविधान पीठ को भेजा जाना चाहिये। उनका यह भी सुझाव था कि Essential Religious Practice मानने का क्या टेस्ट है, यह कहीं परिभाषित नहीं है अत: संविधान पीठ को भेजा जाना चाहिये जैसे सबरीमाला वाले केस में किया गया था। जस्टिस धूलिया के पूछने पर अहमदी ने कहा सबरीमाला के केस में कोर्ट को यह निर्धारित करना था कि Essential Religious Practice के मापदण्ड क्या होने चहिये? अत: माननीय पीठ को केस के निर्णय तक इस केस की सुनवाई रोक देना अपेक्षित है।

केस में दोनों पक्षों की ओर से बहस का स्तर ऊँचा है, किन्तु मूल प्रश्न तो यही माना जावेगा कि Essential Religious Practice क्या है और क्या हिजाब की प्रेक्टिस Essential Religious Practice है। कई प्रश्न माननीय खण्डपीठ के दोनों न्यायाधीशों ने उठाये हैं।

दिनांक 20 सितम्बर 2022 को बहस का आठवां दिन था, उस दिन जस्टिस सुधांशु धूलिया ने वकीलों के समक्ष प्रश्न किया कि क्या कर्नाटक हाईकोर्ट को Essential Religious Practice धर्म का अभिन्न अंग पर सुनवाई करनी चाहिये थी? ऐसा प्रतीत होता है माननीय जस्टिस धूलिया संभवत: इस धारणा के हैं कि कर्नाटक हाईकोर्ट को इस पर सुनाई नहीं करनी चाहिये थी। सोलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट के समक्ष स्वीकार किया कि उक्त प्रश्न पर हाईकोर्ट को विचार नहीं करना चाहिये। एडवोकेट धूलिया ने कहा कि पुस्तक Veild Women Hijab, Religious, AND Cultural Practice 2013 में हिजाब को एक Cultural Practice माना जा सकता है। पिटीशनर की ओर से कुरान पढकर यह भी समझाने का प्रयास किया गया कि कुरान में हिजाब का उल्लेख करने मात्र से Essential Religious Practice नहीं हो सकती। तुषार मेहता ने कहा कि हिजाब का मुद्दा (विवाद) एकाएक उठाया गया विवाद नहीं है अपितु प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के एक षडयंत्र का परिणाम है। उन्होंने कनार्टक सरकार की पैरवी करते हुये कहा कि 2021 से पूर्व लडकियां हिजाब नहीं पहन रही थीं। उन्होंने दिनांक 05.02.2022 की राज्य की आज्ञा को उचित माना है। कई पुस्तकों में यह समझाया गया है कि सिर ढकना एक अच्छी परम्परा मात्र है जिसका महिला के लाज से संबंध है। कर्नाटक के ए.जी. ने कहा कि Essential Religious Practice का निर्णय उस धर्म की Doctrine पर आधारित होता है। मि. पाशा ने इस्लाम के पांच आवश्यक पार्ट माने हैं, किन्तु उनमें हिजाब नहीं है। सीनियर एडवोकेट दवे ने मुस्लिम पक्ष का समर्थन करते हुये कहा कि यह राज्य का मुसलमानों को अलग करने का प्रयास है। हिजाब पहनना गरिमा का प्रतीक है।

दिनांक 20.09.2022 की टीवी की न्यूज में समाचार थे "ईरान में हिजाब के विरुद्ध हिंसक प्रदर्शन"। वस्तुत: जस्टिस धूलिया ने पूछा था क्या कोई ऐसा देश है जहां मुस्लिम महिलायें हिजाब के विरूद्ध हैं इसका उत्तर था ईरान में मुस्लिम महिलायें हिजाब पर प्रदर्शन कर रही हैं।

उपरोक्त विचारों के मंथन से यह माना जा सकता है कि हिजाब धर्म का विशिष्ट व अभिन्न अंग नहीं है न इसका संबंध धर्म के आचरण से है। यह भी बहस से स्पष्ट समझ में नहीं आता है कि ड्रेस कोड से हटकर इसे पहनना क्यों कर आवश्यक है? सरकार की आज्ञा दिनांक 5.2.2022 से पूर्व कुछ एक स्कूलों में जो स्थिति थी उसके अनुसार केवल कुछ मुस्लिम कन्या विद्यार्थी स्कूल में पहुंचने तक हिजाब पहिनकर आती थीं। ड्रेस रूप में उसे हटाकर स्कूल की ड्रेस में क्लास में जाती थीं और जाते समय फिर हिजाब धारण कर लेती थीं। 2021 से पूर्व तक हिजाब कोई विवाद था ही नहीं। ऐसी स्थिति (यदि यह सच है तो) उसे अपनाया जा सकता है तथा इस विवादास्पद प्रश्न को बिना फैसला किये आपसी सदभाव से सुलझाया जाना चाहिये। आपसी सहमति से पिटीशन विद्ड्रो की जा सकती है।

दूसरा मार्ग यह होना चाहिये कि हमेशा के लिये इस प्रश्न को संविधान पीठ को भेजकर, निर्णय करा लिया जावे। राष्ट्रगान का मामला, सबरीमाला का तीन तलाक जैसे केस पुन: नहीं होने चाहिये। यह तयशुदा है कि प्रत्येक धार्मिक प्रेक्टिस धर्म का अभिन्न अंग नहीं है।

तीसरा मार्ग है, यह मान लिया जावे कि हिजाब पहिनना धर्म के आचरण का अभिन्न अंग नहीं है और अनुच्छेद 29 व 25 में यद्यपि कोई अपवाद नहीं है किन्तु दोनों धर्मों के मानने वाले धर्म गुरू व नेतागण कोई रास्ता निकालकर समस्या का हल निकाल लें। एक दूसरे को Accommodate या Adjust करना ही प्रियम्बल की FRATERNITY की भावना है और भारत की एकता व अखण्डता को बनाये रखने की सफलता की कुंजी है तथा देश के समस्त नागरिकों का पावन कर्त्तव्य है कि वे धर्म, जाति के बंधन को तोडकर संविधान के अनुच्छेद 51ए (सी) (ई) में दर्शाये मूल कर्त्तव्यों की पालना करेंगे।

उपरोक्त कथन कोर्ट में चल रही बहस पर आधारित है, अत: कोई भी यह नहीं बता सकता निर्णय क्या होगा? हमें प्रतीक्षा करनी होगी निर्णय की। निर्णय आपसी सहमति से हो वह सुबह कब आयेगी?

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

अंतर्राष्ट्रीय कैलीग्राफी शिविर में देश विदेश से कई नामचीन कलाकार भाग ले रहे

- शिविर में बांग्लादेश, ईरान, इजिप्ट तथा भारत के 42 कलाकार भाग ले रहे हैं
- म्यूरल आर्ट कला प्रदर्शनी का शुभारंभ आज

उदयपुर, (कासं)। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की ओर से ग्रामीण कला परिसर शिल्पग्राम में गुरूवार को 'अंतर्राष्ट्रीय कैलीग्राफी कैम्प' का दीप प्रज्ज्वलन से शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर.के. तिवारी, चेयरमेन उत्तरप्रदेश रोडवेज एवं शिव सिंह सारंगदेवोत, कुलपति, विद्यापीठ उपस्थित थे। शिविर में बांग्लादेश, ईरान, इजिप्ट तथा भारत के 42 कलाकार भाग ले रहे हैं।

इस अवसर पर मुरलीधर अरोड़ा द्वारा रचित पुस्तक नमन का विमोचन भी किया गया। यह 'अंतर्राष्ट्रीय कैलीग्राफी कैम्प' 26 सितम्बर तक चलेगा, जिसमें देश विदेश से कई नामचीन कलाकार भाग ले रहे हैं। इसके साथ ही शिल्पग्राम में ही 23 सितम्बर से लोगों के लिये कैलीग्राफी वर्कशॉप का भी आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को कैलीग्राफी में कार्य व सृजन की जानकारी दिये जाने के साथ सृजनात्मक कार्य करवाया जायेगा। 23 सितम्बर को म्यूरल आर्ट कला प्रदर्शनी का बागोर की हवेली में शुभारंभ होगा।

केन्द्र निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने बताया कि दृश्य कला में कैलीग्राफी एक ऐसी अनूठी विधा है जिसमें आज कई देश के कलाकार काम कर रहे हैं। कैलीग्राफी एक प्राचीन विधा है जिसे अक्षरांकन, चित्रण अथवा सुलेख एक अक्षर कला है।

इसकी सहायता से ब्रश क्रोकिल विभिन्न तरीके व स्ट्रोक के फाउण्टेन पेन व निब की सहायता से एक विशिष्ट शैली की स्वयं की लिखाई की डिजाइन प्रक्रिया को सीखा व अपनाया जाता है। आजकल का अक्षरांकन हस्तनिर्मित से लेकर कंप्यूटर के द्वारा निर्मित किया जाता है।

समकालीन कैलीग्राफी को कुछ इस तरह परिभाषित किया जा सकता है– 'संकेतों को एक अर्थपूर्ण, सुव्यवस्थित और कौशलपूर्ण तरीके से आकार प्रदान करने की कला है।' आधुनिक कैलीग्राफी के विविध परिक्षेत्र मे क्रियात्मक अभिलेखों और डिजाइन से लेकर ललित कला के वे नमूने भी शामिल है। उन्होंने बताया कि यह विधा आज भी विश्व के कई देशों में प्रचलित है किन्तु तकनीकी विकास के साथ-साथ इस कला को भुला सा दिया गया। केन्द्र द्वारा इस कला को आम जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से शिल्पग्राम में अंतर्राष्ट्रीय कैम्प का आयोजन किया जा रहा है।

उदयपुर के शिल्पग्राम में 'अंतर्राष्ट्रीय कैलीग्राफी कैम्प' की शुरूआत आर.के. तिवारी चेयरमैन उत्तरप्रदेश रोडवेज व एस.एस. सारंगदेवोत कुलपति विद्यापीठ ने की।

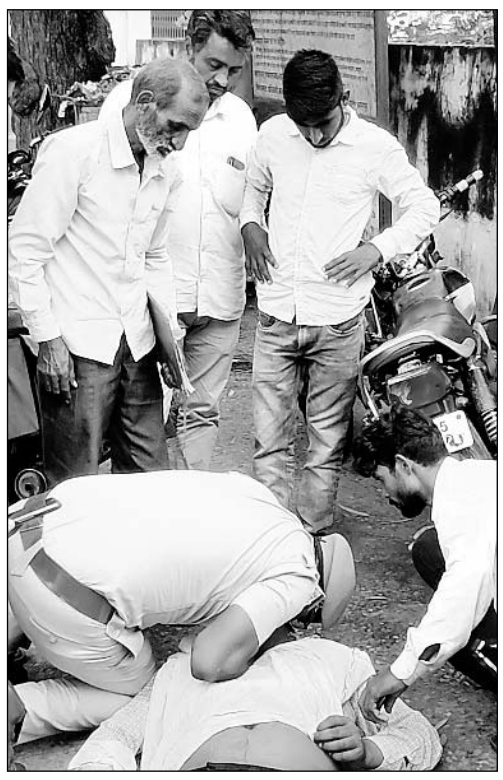

एएसआई ने सीआरपी थैरेपी देकर बचाई युवक की जान

नदबई, (निसं)। तहसील परिसर में लखनपुर पुलिस थाने पर कार्यरत एएसआई मुंशीलाल मीणा का मानवीय चेहरा नजर आया। जब, एएसआई ने अपने कार्यो को छोड़ जमीन पर गिरे बेहोश युवक की स्थिति को देखते हुए सीआरपी थैरेपी देकर युवक की जान बचाई। इतना ही नही होश आने पर एएसआई ने ई-रिक्शा की सहायता से युवक को सीएचसी पर भर्ती कराया।

एएसआई के मानवीय चेहरे की तहसील परिसर में जमकर तारीफ हो रही। नदबई क्षेत्र के गांव नगला मई निवासी जीतेन्द्र उर्फ झण्डू तहसील परिसर में घूम रहा था। इसी दौरान अचानक अचेत होकर जमीन पर गिर गया। अचानक युवक को गिरने से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान तहसील परिसर में मौजूद लखनपुर पुलिस थाने पर कार्यरत एएसआई मुंशीलाल मीणा ने मौके पर पहुंच युवक को होश में लाने का प्रयास किया। बाद में अपने बेहोश युवक को सीआरपी थेरेपी दी। करीब दस मिनिट की मशक्कत के बाद युवक को होश आया।

रेलवे ने मनाया स्वच्छ नीर दिवस, स्टेशनों पर पानी के सैंपल लिए

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर रेल मंडल द्वारा 16 सितंबर से 02 अक्टूबर तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत गुरुवार को स्वच्छ नीर दिवस मनाया गया। भारतीय रेल के विभिन्न स्टेशनों पर और भिन्न-भिन्न प्रतिष्ठानों में स्वच्छता विषय पर सेमिनार आदि प्रचार कर स्वच्छता के प्रति लोगों को जागृत किया जा रहा है।

मंडल रेल प्रबंधक गीतिका पांडेय ने बताया कि गुरुवार को स्वच्छ नीर दिवस के तहत जोधपुर मंडल पर स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों, कार्यालयों और स्कूलों में मेडिकल टीम द्वारा पानी के नमूने लिये गये एवं क्लोरिन टेस्ट किया। स्वच्छ जागरूकता के तहत जल बचाओ जीवन बचाओ और पृथ्वी बचाओ का संदेश दिया गया। साथ ही रेलवे परिसरों, कॉलोनियों, यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्टेशनों में जल न फैलाने के लिए जागरूक किया गया। रेलवे कार्यालयों एवं स्टेशनो पर वाटर लिकेज चैक कर उनको ठीक किया गया।

स्वच्छ नीर दिवस के क्रम में जोधपुर, मेडतारोड, नागौर, बाड़मेर, पाली मारवाड़ आदि स्टेशनो पर पानी को चैक किया गया ओर पानी के सैम्पल लिये गये। स्टेशनो पर स्थित वाटर बूथ के पानी मे क्लोरिन एवं स्वचछता जांची गई। पानी का टी.डी.एस. चैक किया गया। स्टेशन पर स्थित वाटर कूलर, वाटर बूथ, प्याऊ की गहनता से साफ सफाई की गई तथा मंडल के कर्मचारियो द्वारा श्रमदान कर गहन सफाई की गई।

''जैंडर रैस्पाँसिव गवर्नेंस'' विषय पर कार्यशाला आयोजित

- पांच राज्यों से 25 महिला विधायक पहुंचीं उदयपुर

उदयपुर, (कासं)। महिला जनप्रतिनिधि भी अपनी पूरी क्षमता और आत्मविश्वास के साथ आमजन के लिए कार्य कर सके इसलिए नेशनल जेंडर एवं चाइल्ड सेंटर (एनजीसीसी) लाबासना द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग के समन्वय से देश के विभिन्न राज्यों की महिला विधायकों की तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रेडिसन ब्लू में किया जा रहा है।

यह कार्यशाला 'शी इज चेंजमेकर' प्रोजेक्ट के अंतर्गत 'जेंडर रेस्पोंसिव गवर्नेंस' विषय पर आयोजित की जा रही है जहां महिला जनप्रतिनिधियों का कौशल बढ ाने हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यशाला में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ , उडीसा, महाराष्ट्र राज्यों की 25 महिला विधायक शामिल हैं। इस कार्यशाला का उद्देश्य महिला विधायकों की क्षमता संवर्धन करना और उन्हें जागरूक करना है जिससे वे प्रभावी तौर पर अपना कर्तव्य निर्वहन कर सके।

तेलंगाना की राज्यपाल डॉ तमिलिसै सौंदरराजन द्वारा उदघाटन सत्र को संबोधित किया गया। उद्घाटन सत्र में तेलंगाना राज्यपाल सौंदरराजन ने महिला जनप्रतिनिधियों की देश निर्माण में भूमिका पर प्रकाश डाला और उन्हें महत्वपूर्ण स्तम्भ बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सभी क्षेत्रों में अब आगे आना चाहिए और समाज को उन्हें सहयोग देना चाहिए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष रेखा शर्मा, दिशा पन्नू कार्यकारी निदेशक एनजीसीसी, उप निदेशक लबासना, एसोसिएट प्रोफेसर लबासना अंजली चौहान एवं संगीता बिष्ट आदि उपस्थित रहे। लबासना के निदेशक श्रीनिवास कतिकिथाला वर्चुअल तौर पर कार्यक्रम से जुड़े।

राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कार्यशाला की महत्ता पर प्रकाश डाला एवं कहा कि हर महिला एक लीडर है बस उनमें निर्णय लेने की क्षमता, संवाद करने की क्षमता का विकास करना है। आयोग अध्यक्ष रेखा शर्मा ने महिला जनप्रतिनिधियों में लीडरशिप क्वालिटी की अहमियत पर प्रकाश डाला और महिला विधायकों से आत्मविश्वास से भरपूर रहने की बात कही।

उदयपुर में ''शी इज चेंजमेकर'' प्रोजेक्ट के अंतर्गत ''जैंडर रैस्पाँसिव गवर्नेंस'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

राशिफल शुक्रवार 23 सितम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आश्विनी मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, मघा नक्षत्र रात्रि 3:50 तक, सिद्ध योग प्रात: 9:55 तक, गर करण दिन 1:54 तक, चन्द्रमा सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-सिंह, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्ध योग रात्रि 3:50 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा रात्रि 2:31 से शनिवार दिन 2:52 तक है। आज सायन तुला में सूर्य प्रवेश प्रात: 6:34 पर होगा। आज सूर्य दक्षिण गोल में प्रवेश करेगा। आज विषुव दिन है। आज प्रदोष व्रत वालियुगादि-तिथि है और युगाब्द 5:24 आरम्भ होगा। आज शरद संपात, तेरस और मघा का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:49 तक, लाभ-अमृत 7:49 से 10:49 तक, शुभ 12:19 से 1: 49 तक, चर 4:49 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:19, सूर्यास्त 6:19

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आज व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता से मनोबल बढ़ेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज मन में असंतोष और भय बना रहेगा।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटके हुए व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कुंभ
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता और योजनानुसार बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कोटा कर्मचारी सहकारी समिति की आम सभा 25 को

- 20 प्रतिशत प्रतिवर्ष के हिसाब से मिलेगा लाभांश व प्रोत्साहन राशि
- एक रुपये का एनपीए नहीं संस्था के नाम : मीनू बिरला

कोटा, (निसं)। कर्मचारी नेता सहकारी पुरूष महान सहकारिता मनीषी स्व. श्रीकृष्ण बिरला ने अपना जीवन कर्मचारी सहकारी समिति को दिया वह सदैव कर्मचारियों के हितों व संघर्ष के लिए प्रत्यनशील रहे और उनके प्रयासों से कोटा कर्मचारी सहकारी समिति वटवृक्ष बन पाई।

यह उद्गार समिति की अध्यक्ष डॉ.मीनू बिरला ने गुरूवार को समिति के भवन में आयोजित बोर्ड बैठक में कही। गुरूवार आयोजित बैठक में 11 सदस्यो को 87 लाख रूपये के ऋण वितरित किये गये। सचिव विमल चन्द जैन ने बैठक में आम सभा की जानकारी देते हुय बताया कि 25 सितम्बर रविवार को प्रात 11 बजे बालाजी मार्केट रंगबाड़ी रोड़ स्थित नगर विकास न्यास ओडिटोरियम में समिति की आमसभा का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान सभा का 100वां, 101वां एवं 102वां वार्षिक अधिवेशन आयोजित होगा।

कोटा कर्मचारी सहकारी समिति की बोर्ड बैठक आयोजित हुई है।

इस शताब्दी वर्ष समारोह में मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि ओमकृष्ण बिरला, अध्यक्ष लोकसभा, कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वायत शासन मंत्री शांति कुमार धारीवाल वशिष्ठ अतिथि विधायक रामगंजमण्डी मदन दिलावर, विधायक बून्दी अशोक डोगरा, विधायक के.पाटन चन्द्रकांता मेघवाल, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, लाड़पुरा विधायक कल्पना देवी, कोटा दक्षिण महापौर राजीव अग्रवाल भारती, पुलिस महानिरीक्षक कोटा रेंज प्रसन्न कुमार खमेसरा, कोटा जिला कलेक्टर ओमप्रकाश बुनकार, कोटा नागरिक सहकारी बैंक व रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष राजेशकृष्ण बिरला रहेंगे। कार्यक्रम में कोटा जिला सहकारी उपभोक्ता भण्डार के अध्यक्ष हरिकृष्ण बिरला व श्री हितकारी विद्यालय सहकारी समिति की अध्यक्ष सूरज बिरला, कोटा महिला नागरिक सहकारी बैंक की अध्यक्ष मंजू बिरला विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करेगी।

उपाध्यक्ष रासबिहारी पारीक ने बताया कि रविवार को आयोजित आमसभा 2 सत्रों में आयोजित की जावेगी। प्रथम सत्र में सम्मान समारोह आयोजित किया जावेगा एवं द्वितीय सत्र में समिति की गतिविधियों को सदस्यों के सामने पेश किया जावेगा। आमसभा में गत अधिवेशन की कार्यवाही का वाचन एवं पुष्टि, अंकेक्षक रिपोर्ट का अनुमोदन भी किया जावेगा।

कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती वंदना से होगा जिसमें मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि झंडारोहण करेगें व बालिकाओं द्वारा सहकार गान व स्वागत गान का वाचन भी किया जावेगा। आयोजित आमसभा में समिति की ओर से वरिष्ठ 101 सदस्यों को प्रशस्ति पत्र, शॉल, माला पहनाकर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया जावेगा।

बोर्ड बैठक में समिति की प्रगति को बताते हुए अध्यक्ष डॉ मीनू बिरला ने बताया कि 102 वर्ष पुरानी संस्था निरन्तर उन्नति के ओर है समिति के वर्तमान में 5080 सदस्य हैं, कार्यशील पूंजी 178.85 करोड़ रूपये है, कोष 5.07 करोड़ रूपये एवं जमा हिस्सा 7.39 करोड़ रूपये तथा अमानतें 160.53 करोड़ रूपये है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में समिति की ओर से 15.06 करोड़ रूपये के ऋण वितरित किये गये हैं।

उन्होंने कहा कि संस्था सदैव सदस्यों की सुख दुख की साथी रही हैं। उनके सपनों को सकार करने के लिए उनके साथ खड़ी रहती है। समिति ने मकान निर्माण हेतु 6 हजार सदस्यों को ऋण वितरित कर उनके आशियाने के सपने को साकार किया है। समिति वरिष्टतम सदस्यों को भी ऋण वितरित करती है। गुरूवार को आयोजित बोर्ड बैठक में सदस्यों को ऋण वितरित किये गये जिसमें 11 सदस्यों को 87 लाख रूपये के ऋण भवन निर्माण एवं अन्य कार्यों हेतु स्वीकृत किये गये।

उन्होने बताया कि वर्ष 1920 से स्थापित संस्था में आज तक 1 रूपये का एनपीए नहीं है। बोर्ड बैठक में अध्यक्ष डॉ0 मीनू बिरला, उपाध्यक्ष रासबिहारी पारीक, सचिव विमलचन्द जैन, महिला संचालक हंसा त्यागी, निदेशक सूर्यकान्त शर्मा, कर्ण सिंह हाडा, दिनेश पनवाड, डॉ. विनोद पंकज, मुकुट बिहारी, ओमप्रकाश शर्मा सहित समिति कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

'हमारा स्वास्थ्य हमारी जिम्मेदारी' अभियान की बैठक आज

कोटा, (निसं)। 'हमारा स्वास्थ्य हमारी जिम्मेदारी' अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए अतिरिक्त कलेक्टर शहर की अध्यक्षता में आज बैठक होगी।

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 2577 — जाहिर आम सूचना — दिनांक-22.9.2022

आवास संख्या 2-एस-11 महावीर नगर तृतीय कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्रीमती द्वारिका पत्नी श्री नन्द किशोर को किया गया था। श्रीमती द्वारिका की मृत्यु हो जाने के पश्चात उनके पति श्री नन्द किशोर पुत्र श्री हीरा लाल द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये इकरारनामा, मुख्तारनामा आम एवं वसीयतनामा आलेखित कर दिनांक 15.11.1995 को श्री राधेश्याम पुत्र श्री रतन लाल को किया गया। श्री राधेश्याम पुत्र श्री रतन लाल द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये इकरारनामा मुख्तारनामा आम एवं वसीयतनामा आलेखित कर दिनांक 09.06.2022 को श्री हर्षित यादव पुत्र श्री राधेश्याम यादव को किया गया।

अन्तिम क्रेता श्री हर्षित यादव पुत्र श्री राधेश्याम यादव द्वारा दिनांक 15.06.2022 को उक्त आवास के समस्त मूल प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का नियमितिकरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अत: इस आवास का नियमितिकरण श्री हर्षित यादव पुत्र श्री राधेश्याम यादव के नाम करने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि इस आवास का श्री हर्षित यादव पुत्र श्री राधेश्याम यादव के नाम किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नही है। उक्त आवास का नियमितिकरण श्री हर्षित यादव पुत्र श्री राधेश्याम यादव के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त कोटा

क्रमांक 2590 — जाहिर आम सूचना — दिनांक-22.9.2022

आवास संख्या 3/485 स्वामी विवेकानन्द नगर योजना कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा विशिष्ठ पंजीकरण योजना चालान संख्या 414/2002 के अन्तर्गत श्री किशन लाल बागडी पुत्र श्री देवकरण को लॉटरी दिनांक 16.05.2022 को किया गया है। श्री किशन लाल बागडी की मृत्यु दिनांक 14.03.2019 को हो जाने पर हस्तान्तरण किये जाने हेतु इस कार्यालय में दिनांक 13.09.2022 को श्री भूपेन्द्र सिंह पुत्र श्री नानक चन्द द्वारा आवेदन किया गया है। श्री किशन लाल बागडी द्वारा की गई वसीयत में नोमिनी का प्रभाव निरस्त माना जायेगा, अंकित करते हुए वसीयत की गई है। मण्डल द्वारा विधिक राय प्राप्त करते हुए उक्त आवास का हस्तान्तरण मृत्यु प्रकरण के अन्तर्गत श्री भूपेन्द्र सिंह पुत्र श्री नानक चन्द के नाम किये जाने के किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोंई आपत्ति हो तो 07 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि उक्त आवास का हस्तान्तरण मृत्यु प्रकरण का निस्तारण करते हुए वसीयत के आधार पर श्री भूपेन्द्र सिंह पुत्र श्री नानक चन्द के नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नही है। उक्त आवास का हस्तान्तरण श्री भूपेन्द्र सिंह पुत्र श्री नानक चन्द के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त कोटा

बैठक आज

कोटा, (निसं)। जिला पैरोल सलाहकार समिति की बैठक जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में आज सांय 5 बजे होगी।

खोया-पाया

मेरे आवास संख्या 3-D-5 विकास नगर बून्दी के मूल प्रपत्र, आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, इन्वेन्ट्री, भौतिक कब्जा पत्र कही गुम हो गए है। कृपया जिस किसी को मिले तो सूचित करें।

पता-लक्ष्मण लाल पुत्र श्री लटूर लाल आवास संख्या 3-D-5 विकास नगर बून्दी मो. 7891237827

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय सी.जे.एम. कोटा स्थान कोटा

मैसर्स चम्बल मोटर्स प्रा. लि.

विरुद्ध

दीपक कुमार

वाद बाबत् प्राप्त करने रूपये 2,61,977/-

वाद स. 22 सन् 2016

बनाम दीपक कुमार पुत्र गोपीचन्द जाति .... स्थान मकान नं. 4-एफ-28, विज्ञान नगर, कोटा (राज.)................ ने आपके विरूद्ध .... के लिए वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 28.09.2022 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश हो गये और जो इस वाद में सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकेगा जिसके साथ कोई ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन आपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह अपने कब्जे या शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते तो आप ऐसी दस्तावेजों की उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। नकल सलग्न नहीं है।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा। यह वाद तारीख 13 माह 9 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

सेरिश्तेदार

मोहर

वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोटा (राज.)

ज्योतिषियों का महाकुंभ 24-25 को

कोटा, (निसं)। शिक्षा नगरी कोटा में 24 सितंबर से शनिवार और रविवार 2 दिन ज्योतिषियों का महाकुंभ आयोजित होने जा रहा है जिसमें देशभर के विख्यात ज्योतिष और विद्वान शामिल होंगे। समाज में विघटन के बढ़ते कारण उसके निवारण वास्तु दोष, जन्मदिन मनाने की वास्तविक पद्धति सहित अन्य विषयों पर मंथन के साथ देश भर से आए ज्योतिष और विद्वान देश के राजनीतिक, आर्थिक सहित अन्य विषयों पर चर्चा भविष्यवाणियां करेंगे। अथर्वा आदित्य सेवा संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष आदित्यकुमार शास्त्री ने बताया कि दो दिवसीय अखिल भारतीय ज्योतिष वास्तु सम्मेलन एवं सम्मान समारोह दधिमती गार्डन, नाग नागिन मन्दिर के पास आयोजित होगा जिसकी सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कार्यक्रम में राजस्थान मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश बिहार उत्तराखंड सहित देश के कई प्रांतों से विख्यात ज्योतिष एवं विद्वान शामिल हो रहे हैं 250 से ज्यादा ज्योतिषियों एवं विद्वानों की कार्यक्रम में शामिल होने की स्वीकृति भी प्राप्त हो गई है। कार्यक्रम में पहले दिन उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ताओं का उद्बोधन होगा जी डी वशिष्ठ लाल किताब विशेषज्ञ, अजय भमि, तांत्रिक गोपाल राजू रुड़की, संत कमल किशोर सहित देश के विख्यात ज्योतिष और विद्वान दांपत्य जीवन में बढ़ते विघटन, वास्तु दोष के कारण व निवारण एवं जन्मदिन कैसे मनाया जाए।

दीगोद छात्रावास का निरीक्षण किया

कोटा, (निसं)। जिला कलेक्टर ओपी बुनकर ने गुरूवार को दीगोद में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के छात्रावास का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं एवं आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी सरकार द्वारा छात्रावास में दी जा रही सुविधाओं का लाभ लेकर शैक्षणिक उत्थान के लिए निरंतर प्रयास करें। जिला कलक्टर ने हॉस्टल में विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं, ड्रेस, पाठ्य सामग्री, भोजन की गुणवत्ता का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों से रूबरू होकर सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं से उच्च अध्ययन कर परिवार का नाम रोशन करें।

जिला कलेक्टर एवं अधिकारियों ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के छात्रावास दीगोद का निरीक्षण किया।

उन्होंने विद्यार्थियों से सामान्य ज्ञान की परख करते हुए देश की राष्ट्रपति का नाम पूछा तो सभी विद्यार्थियों द्वारा सही जवाब दिया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को छात्रावास में अतिरिक्त अध्यापन के लिए आ रहे शिक्षक से अंग्रेजी, गणित में सभी शंकाओं का समाधान करने, बोलते समय झिझक मिटाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हॉस्टल में रहकर नियमित अध्ययन करें। यह प्रयास करें कि कक्षा में प्रथम पायदान पर हॉस्टल में रहने वाले बच्चे ही रहें।

उन्होंने नियमित रूप से सामान्य जानकारी, अंग्रेजी, गणित विषय का अध्ययन करने की सलाह भी दी। निरीक्षण के समय सभी व्यवस्थाएं सही पाए गई, उप निदेशक सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग ने विभागीय सुविधाओ की जानकारी दी। जिला कलक्टर ने सभी व्यवस्थाओं के लिए विभाग की सराहना की। मौके पर 30 विद्यार्थी उपस्थित पाए गए। उन्होंने परिसर में पौधा भी लगाया।

निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी दीगोद हरविंदर सिंह द्वारा विद्यार्थियों को खेल सामग्री एवं बिस्किट मिठाई आदि का वितरण भी किया। निरीक्षण के दौरान उप निदेशक समाज कल्याण ओम प्रकाश तोषनीवाल, विकास अधिकारी सुल्तानपुर मजहर इमाम सहित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक उ.आ.आ/को.वृ.को/2022-23/2574 — जाहिर आम सूचना — दिनांक-22.9.2022

आवास संख्या 8 बी 2 विज्ञान नगर विस्तार योजना कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री सुमेर सिंह आत्मज श्री चन्द्र सिंह को किया गया था। श्री सुमेर सिंह द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये इकरारनामा, मुख्तारनामा एवं वसीयतनामा आलेखित कर दिनांक 15.05.1986 को श्री मुश्ताक अली पुत्र श्री वजीर मोहम्मद को किया गया। श्री मुश्ताक अली द्वारा इस कार्यालय में दिनांक 30.08.2022 को आवेदन किया गया।

अत: इस आवास का नियमितिकरण श्री मुश्ताक अली पुत्र श्री वजीर मोहम्मद के नाम करने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि इस आवास का नियमितिकरण श्री मुश्ताक अली पुत्र श्री वजीर मोहम्मद के नाम किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नही है। उक्त आवास का नियमितिकरण श्री मुश्ताक अली पुत्र श्री वजीर मोहम्मद के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक उ.आ.आ/को.वृ.को/2022-23/2573 — जाहिर आम सूचना — दिनांक-22.9.2022

आवास संख्या 8 बी 1 विज्ञान नगर विस्तार योजना कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री बाबूलाल को किया गया था। श्री नरेन्द्र कुमार द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये इकरारनामा, मुख्तारनामा एवं वसीयतनामा आलेखित कर दिनांक 04.02.1986 को श्री मुश्ताक अली पुत्र श्री वजीर मोहम्मद को किया गया। श्री मुश्ताक अली द्वारा इस कार्यालय में दिनांक 30.08.2022 को आवेदन किया गया।

अत: इस आवास का नियमितिकरण श्री मुश्ताक अली पुत्र श्री वजीर मोहम्मद के नाम करने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि इस आवास का नियमितिकरण श्री मुश्ताक अली पुत्र श्री वजीर मोहम्मद के नाम किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नही है। उक्त आवास का नियमितिकरण श्री मुश्ताक अली पुत्र श्री वजीर मोहम्मद के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त कोटा

रामलीला 26 सितंबर से शुरू होगी

कोटा, (निसं)। एक तरफ नगर निगम की तरफ से राष्ट्रीय मेला दशहरा को लेकर तैयारियां की जा रही है और विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन मेले के दौरान 1 महीने तक होगा। वही दशहरे के साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन शहर के कई इलाकों में भी होता है। नए कोटा क्षेत्र के आरकेपुरम इलाके में रामलीला का आयोजन किया जाएगा।

26 सितंबर से यहां रामलीला का आयोजन होगा उससे पहले भव्य आतिशबाजी की जाएगी। 26 सितंबर से 6 अक्टूबर तक यह कार्यक्रमों का आयोजन होगा जिसमें प्रमुख रुप से रामलीला मंचन है। 5 अक्टूबर को रावण दहन होगा। इसके बाद 6 अक्टूबर को राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन करवाया जा रहा है। इस कवि सम्मेलन में प्रताप फौजदार, सुरेश अलबेला समेत कई प्रसिद्ध कवि अपनी प्रस्तुतियां देंगे। गुरुवार को कार्यक्रम से जुड़े पोस्टर का विमोचन किया गया जिसमें रामलीला आयोजन समिति के साथ कोटा दक्षिण के महापौर राजीव अग्रवाल, नगर निगम कमिश्नर राजपाल सिंह, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव राखी गौतम ने पोस्टर का विमोचन किया। महापौर राजीव अग्रवाल ने कहा कि नए कोटा क्षेत्र में आयोजित होने वाली यह रामलीला भव्य स्तर पर आयोजित की जाती है और नए कोटा क्षेत्र के अधिकतर जनता यही रामलीला देखने के लिए आती है।

इस बार इसे और भव्य बनाया जा रहा है साथ ही कवि सम्मेलन का भी आयोजन होना है। नगर निगम की तरफ से शहर में आयोजित होने वाली रामलीला के लिए आर्थिक मदद दी जाती है। आयोजन समिति से जुड़े सदस्यों ने इस बार बजट बढ़ाने की अपील की है। मेयर राजीव अग्रवाल ने कहा कि इस संबंध में नगर निगम की बैठक में चर्चा की जाएगी और कोशिश की जाएगी कि बजट बढ़ाया जा सके। उन्होंने आयोजन समिति से हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

पुख्ता सबूत जुटाने के बाद एनआईए ने छापे मारे

कोटा, (निसं)। देशभर में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के दफ्तरों और पदाधिकारियों के निवास पर नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) छापेमारी की। इसमें 100 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी हुई है। कोटा के सांगोद निवासी पीएफआई के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष आसिफ मिर्जा को केरल के कोझीकोड से गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा सांगोद स्थित उनके घर पर भी दबिश दी गई है। कोटा के विज्ञान नगर स्थित एक मकान पर भी एनआईए ने दबिश दी है, जहां पर 10 साल पहले आसिफ मिर्जा रहा करता था। इसके साथ ही बारां में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडियान के प्रदेश सचिव सादिक सर्राफ को भी टीम ने गिरफ्तार किया है। हालांकि इसी साल 17 फरवरी को कोटा में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया का एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया गया था जिसे लेकर विवाद भी हुआ था। इस सम्मेलन के दौरान ही कोटा में एक यूनिटी मार्च निकाला गा था। इसमें पीएफआई से जुड़ें सैकड़ों लोग शामिल हुए। इस दौरान पीएफआई संगठन के पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार पर कई आरोप भी लगाए। रैली के आयोजन में लाखों रुपए भी खर्च हुए थे। जिसमें पूर्व राज्यसभा सांसद उबैदुल्लाह आजमी, अजमेर दरगाह के खादिम सैयद सरवर चिश्ती गद्दीनशीन और नेशनल वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद शफी थे। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया को कोटा में रैली की अनुमति दिए जाने के मामले में सियासत भड़क गई थी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने इस मामले में प्रदेश सरकार पर वोट बैंक की राजनीति करने और तुष्टीकरण का आरोप लगाते हुए पीएफआई जैसी संस्थाओं को प्रतिबंधित करने की मांग की थी। पूनिया ने कहा था कि आज देश में हिजाब के अलावा और भी कई मुद्दे हैं लेकिन पीएफआई का मकसद ही अशांति फैलाना है। एनआईए ने एसडीपीआई और पीएफआई से जुडे लोगों के खिलाफ पूरी जानकारी और तथ्य जुटा लिए थे।

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक उ.आ.आ/को.वृ.को/2022-23/2572 — जाहिर आम सूचना — दिनांक-22.9.2022

आवास संख्या 7 सी 61 विज्ञान नगर विस्तार योजना कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री निमाई चन्द्र मयरा पुत्र स्व. श्री सतीश चन्द को किया गया था। श्री निमाई चन्द्र मयरा द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये इकरारनामा, मुख्तारनामा एवं वसीयतनामा आलेखित कर दिनांक 16.06.1995 को श्रीमती राजकुमारी पत्नी श्री कोतुराम को किया गया। श्रीमती राजकुमारी द्वारा इस कार्यालय में दिनांक 29.08.2022 को आवेदन किया गया।

अत: इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती राजकुमारी पत्नि श्री कोतुराम के नाम करने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती राजकुमारी पत्नि श्री कोतुराम के नाम किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नही है। उक्त आवास का नियमितिकरण श्रीमती राजकुमारी पत्नि श्री कोतुराम के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-एफ11 विक्रय/1262 — विज्ञप्ति — दिनांक:-21.9.22

न्यास कार्यालय की केशवपुरा सेक्टर-6 थड़ी होल्डर व्यावसायिक योजना में भूखंड संख्या 39 का आवंटन पत्र क्रमांक 261 दिनांक 06.03.1992 के द्वारा श्री जय भगवान पुत्र श्री मोहन लाल को किया गया था। श्री जय भगवान पुत्र श्री मोहन लाल द्वारा नियुक्त मुख्तारआम श्री भीमराज पुत्र श्री नन्द किशोर ने उक्त भूखंड/आवास का विक्रय जर्ये विक्रय पत्र दिनांक 18.05.2022 से श्री गौरव मेहरा पुत्र श्री लटूरलाल मेहरा को कर दिया गया है। श्री गौरव मेहरा पुत्र श्री लटूरलाल मेहरा ने उक्त भूखंड/आवास का हस्तानांतरण स्वयं के नाम करवाने हेतु आवेदन किया है। अत: जिस किसी को भी उक्त भूखंड/आवास का हस्तानांतरण किए जाने में कोई ऐतराज हो तो अन्दर 7 दिवस में अपनी आपत्ति दर्ज करावे अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखंड/आवास का स्वामित्व हस्तानांतरण श्री गौरव मेहरा पुत्र श्री लटूरलाल मेहरा के नाम स्वीकृति जारी कर दी जायेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2022/1292 — विज्ञप्ति — दिनांक:-22.9.2022

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम खेडली पुरोहित में स्थित कृषि भूमि योजना बालाजी टाउन खसरा नं. 3/301 में स्थित भूखंड संख्या 5-बी/1 आवेदक श्री जोधरराज नागर पुत्र श्री पन्नालाल नागर निवासी बालाजी टाउन खेडली फाटक कोटा द्वारा पट्टा जारी करने हेतु पत्रावली प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत पत्रावली में संलग्न दस्तावेज के अनुसार खातेदार कृष्णा भार्गव पुत्र श्री प्यारे लाल भार्गव द्वारा इकरारनामा दिनांक 21.01.1981 से श्री अब्दुल अजीज पुत्र श्री चौधरी रहीम बक्श एवं राज गोपाल पुत्र श्री राम गोपाल को बैचान किया गया। श्री अब्दुल अजीज पुत्र श्री चौधरी रहीम बक्श एवं राज गोपाल पुत्र श्री राम गोपाल द्वारा श्रीमती अमलावर्ती देवी पत्नी श्री धनेश नन्दन सिंह को बैचान किया गया। वह इकरारनामा आवेदक के पास उपलब्ध नहीं होना बताया गया है। जिसके संबंध में अण्डरटेकिंग शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: मूल इकरारनामा के अभाव में श्री जोधराज नागर पुत्र श्री पन्नालाल नागर के पक्ष में पट्टा जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी तथा आवेदक के पक्ष में पट्टा जारी कर दिया जावेगा।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-एफ11/विक्रय/2022/10095 — दिनांक:-21.9.22

नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा आरोग्य नगर आवासीय योजना के भूखंड संख्या 93 का आवंटन 12.08.1996 को श्री नरेन्द्र कुमार नागर पुत्र श्री रामल्याण नागर के नाम आवंटन किया गया था। श्री नरेन्द्र कुमार नागर पुत्र श्री रामल्याण नागर द्वारा उक्त भूखंड जर्ये मुख्तारआम श्री रामकल्याण नागर पुत्र श्री कन्हैया लाल नागर द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड उपहार पत्र दिनांक 17.10.2014 को श्री हेमराज नागर एवं पुष्पेन्द्र कुमार नागर पुत्र श्री रामल्याण नागर को विक्रय कर दिया गया है। अत: श्री हेमराज नागर एवं पुष्पेन्द्र कुमार नागर पुत्र श्री रामल्याण नागर द्वारा उक्त भूखंड का स्वामित्व अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: जरीये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखंड संख्या 93 आरोग्य नगर आवासीय योजना का नामहस्तान्तरण श्री हेमराज नागर एवं पुष्पेन्द्र कुमार नागर पुत्र श्री रामल्याण नागर के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

रोजगार हेतु प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

कोटा, (निसं)। राजकीय महाविद्यालय, कोटा में शुक्रवार को छात्र छात्राओं को रोजगार हेतु कंपनी एन.आई.आई.टी. गुड़गांव द्वारा प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के 56 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्लेसमेंट की संयोजक डॉ सुमन शर्मा ने बताया कि इनमें से 10 विद्यार्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया।

रामानुजन सभागार में इस अवसर पर कार्यवाहक प्राचार्य डॉ अरुण कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्लेसमेंट सेल द्वारा समय-समय पर बी.एस.सी.पास आउट एवं अध्ययनरत छात्र छात्राओं के कैंपस से ही रोजगार प्राप्त करने के लिए विभिन्न कंपनियों को आमंत्रित किया जाता है। इसी क्रम में एन.आई.आई.टी. लिमिटेड द्वारा आयोजित प्लेसमेंट शिविर में विद्यार्थी अपनी अभिरुचि के अनुसार भाग लेवें एवं सफलता प्राप्त करें।

रोजगार हेतु प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में कॉलेज शिक्षा के सहायक निदेशक डॉ रघुराज परिहार ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया उन्होंने बताया कि विद्यार्थी एवं अध्यापक एक दूसरे के पूरक होते हैं। विद्यार्थियों को समय का प्रबंधन करते हुए महाविद्यालय में होने वाली प्लेसमेंट सेल की गतिविधियों में अधिकाधिक संख्या में भाग लेना चाहिए। संयोजक डॉ सुमन शर्मा ने छात्र छात्राओं को रोजगार हेतु प्राइवेट सेक्टर में रोजगार तलाशने हेतु जोड़ दिया क्योंकि सभी का सरकारी सेवा में जाना संभव नहीं है।

प्लेसमेंट शिविर में कंपनी प्रतिनिधि हेमंत शर्मा ने उपस्थित छात्र छात्राओं को सर्वप्रथम प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्लेसमेंट एवं साक्षात्कार की प्रक्रिया से अवगत कराया। कंपनी ने कैंपस प्लेसमेंट में बैंकिंग एवं फाइनेंस सेक्टर (एक्सिस बैंक एवं एडलविस) आदि के लिए 10 छात्र छात्राओं का चयन किया जिन्हें ट्रेनिंग देकर विभिन्न सेक्टर्स में चार से छह लाख के पैकेज का ऑफर प्रस्ताव दिया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ आरपी सोमानी, डॉ बी.बी.जैमिनी, प्लेसमेंट सेल के डॉ सीमा अग्रवाल, डॉ श्वेता आचार्य, डॉ मंजू मीणा, डॉ राजेंद्र सिंह राजावत, डॉ नरेश नायक एवं अनुशासन समिति संयोजक डॉक्टर कुसुम ढग द्वारा छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया कार्यक्रम में लाखन सिंह ने तकनीकी सहयोग दिया। अंत में डॉक्टर जितेंद्र वर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त कोटा

क्रमांक 2547 — जाहिर आम सूचना — दिनांक - 21.9.22

आवास संख्या 5-जी-25 महावीर नगर विस्तार कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री विमल जैन पुत्र श्री प्रेम चन्द जैन को किया गया था। इस आवास का नियमितिकरण श्री अमरनाथ मिश्रा पुत्र श्री अनोखे लाल मिश्रा के नाम दिनांक 27.05.2000 को किया गया। श्री अमरनाथ मिश्रा पुत्र श्री अनोखे लाल मिश्रा द्वारा इस आवास का पंजीयन दिनांक 20.06.2000 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। पंजीयन उपरांत श्री अमरनाथ मिश्रा पुत्र श्री अनोखे लाल मिश्रा द्वारा इस आवास से संबंधित समस्त कार्य करने हेतु श्री विरेन्द्र किशोर सक्सेना पुत्र श्री नवल किशोर सक्सेना को दिनांक 23.01.2007 को मुख्तारनामा आम आलेखित कर अपना मुख्तार आम नियुक्त किया गया। श्री विरेन्द्र कुमार किशोर सक्सेना पुत्र श्री नवल किशोर सक्सेना द्वारा मुख्तार आम धारक की हैसियत से इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 23.08.2022 को श्री राहुल शर्मा पुत्र श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा को किया गया। श्री राहुल शर्मा पुत्र श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त आवास के मंडल अभिलेख में अपना नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अत: इस आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री राहुल शर्मा पुत्र श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा का नाम दर्ज करने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि इस आवास के मंडल अभिलेख में श्री राहुल शर्मा पुत्र श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में श्री राहुल शर्मा पुत्र श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा का नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 2587 — जाहिर आम सूचना — दिनांक - 22.9.22

आवास संख्या 1-ग-27 दादाबाड़ी कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री भजन लाल स्वामी पुत्र श्री रामदयाल स्वामी को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री भजन लाल स्वामी पुत्र श्री रामदयाल स्वामी के नाम दिनांक 14.06.1990 को किया गया। पंजीयन उपरांत श्री भजन लाल स्वामी पुत्र श्री रामदयाल स्वामी द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 02.01.2004 को श्री राकेश गडोक पुत्र श्री पुरुषोत्तम लाल एवं श्रीमती संगीता गडोक पत्नी श्री राकेश गडोक को संयुक्त रुप से किया गया। श्री राकेश गडोक पुत्र श्री पुरुषोत्तम लाल एवं श्रीमती संगीता गडोक पत्नी श्री राकेश गडोक द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में संयुक्त रुप से दर्ज करने हेतु आवेदन दिनांक 19.09.2022 को पुन: प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री राकेश गडोक पुत्र श्री पुरुषोत्तम लाल एवं श्रीमती संगीता गडोक पत्नी श्री राकेश गडोक के नाम संयुक्त रुप से दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री राकेश गडोक पुत्र श्री पुरुषोत्तम लाल एवं श्रीमती संगीता गडोक पत्नी श्री राकेश गडोक का नाम संयुक्त रुप से दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री राकेश गडोक पुत्र श्री पुरुषोत्तम लाल एवं श्रीमती संगीता गडोक पत्नी श्री राकेश गडोक के नाम संयुक्त रुप से दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 2586 — जाहिर आम सूचना — दिनांक - 22.9.22

आवास संख्या 1-च-4 विज्ञान नगर कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री रामनारायण श्रीवास्तव पुत्र श्री उमाशंकर श्रीवास्तव को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री रामनारायण श्रीवास्तव पुत्र श्री उमाशंकर श्रीवास्तव द्वारा दिनांक 27.01.1977 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। श्री रामनारायण श्रीवास्तव पुत्र श्री उमाशंकर श्रीवास्तव की मृत्यु दिनांक 01.01.2009 को हो चुकी है। श्री रामनारायण श्रीवास्तव पुत्र श्री उमाशंकर श्रीवास्तव द्वारा अपने जीवनकाल में एक वसीयतनामा आलेखित कर दिनांक 28.03.2008 को अपने पुत्र श्री दिनकर श्रीवास्तव पुत्र श्री रामनारायण श्रीवास्तव के पक्ष में वसीयत की गई है। श्री रामनारायण श्रीवास्तव पुत्र स्व. श्री उमाशंकर श्रीवास्तव द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन वसीयतनामा, क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, शपथ पत्र व मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर अपने नाम किए जाने का निवेदन किया है।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन वसीयतनामा, क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, शपथ पत्र व मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री रामनारायण श्रीवास्तव पुत्र स्व. श्री उमाशंकर श्रीवास्तव के नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन वसीयतनामा, क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, शपथ पत्र व मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री रामनारायण श्रीवास्तव पुत्र स्व. श्री उमाशंकर श्रीवास्तव का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन वसीयतनामा, क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, शपथ पत्र व मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री रामनारायण श्रीवास्तव पुत्र स्व. श्री उमाशंकर श्रीवास्तव के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 2585 — जाहिर आम सूचना — दिनांक - 22.9.22

आवास संख्या 1-के-8 तलवण्डी कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्रीमती गुलाब बाई पत्नी स्व. श्री सूरज मल को किया गया था। श्रीमती गुलाब बाई पत्नी स्व. श्री सूरज मल की मृत्यु दिनांक 23.12.2000 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरान्त उक्त आवास का हस्तान्तरण श्री रघुराज शर्मा पुत्र स्व. श्री सूरज मल के नाम दिनांक 01.06.2006 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री रघुराज शर्मा पुत्र स्व. श्री सूरज मल के नाम दिनांक 06.12.2006 को किया गया। पंजीयन उपरान्त श्री रघुराज शर्मा पुत्र स्व. श्री सूरज मल द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 12.03.2021 को श्री जगदीश शर्मा पुत्र श्री रघुराज शर्मा को किया गया। श्री जगदीश शर्मा पुत्र श्री रघुराज शर्मा द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अत: उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री जगदीश शर्मा पुत्र श्री रघुराज शर्मा के नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री जगदीश शर्मा पुत्र श्री रघुराज शर्मा का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री जगदीश शर्मा पुत्र श्री रघुराज शर्मा के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजगढ़ एवं आस-पास के क्षेत्रों में दिन भर चली मूसलाधार बारिश

जनजीवन अस्त व्यस्त, सड़कें बनी दरिया

अलवर के राजगढ़ कस्बे में बरसात के बाद भरा पानी।

राजगढ़, (निसं)। अलवर राजगढ़ कस्बे सहित आस-पास के क्षेत्रों में गुरुवार को दिनभर चली मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त रहा। तेज बारिश के कारण सड़कें दरिया बन गई वहीं ना लें और नाले ओवर फ्लो होने लगे। इससे पूर्व गुरुवार को सुबह से ही चालू हुआ वर्षा का दौर दिनभर चलता रहा जिसके चलते आम जनजीवन प्रभावित रहा। कस्बे में साईं काल 5:से 6:बजे तक आई तेज बारिश से पानी सड़कों पर बहने लगा वही नाले भी ओवरफ्लो होगे। इधर लगातार 3 दिन से हो रही बारिश के चलते मौसमी बीमारियों एवं वर्षा जनित रोगों के फैलने की संभावना बन गई है। कस्बे के बस स्टैंड एवं विद्युत वितरण निगम परिसर सहित अनेक जगह में पानी भर गया।

हिमाचल में बर्फबारी से बदला मौसमः शहर में बारिश हुई

- जोधपुर शहर में कई स्थानों पर हल्के मध्यम दर्जे की बारिश
- दक्षिणी राजस्थान के कुछ जिलों में मानसून अभी सक्रिय

जोधपुर, (कासं)। दक्षिण पश्चिमी मानसून लगभग विदा हो चुका है। जोधपुर और बीकानेर संभाग में मानसून की विदाई हो चुकी है। मगर प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों में अब भी मानसून सक्रिय है। जिससे बारिश का दौर बना हुआ है। जोधपुर शहर में आज दोपहर में अचानक से घिरी घटाओ ने मौसम में बदलाव ला दिया। कई स्थानों पर हल्के मध्यम दर्जे की बारिश हुई।

इधर हिमाचल प्रदेश में बुधवार को ताजा बर्फबारी के बाद अब मौसम में बदलाव देखने का मिलेगा। सर्दी के जल्द आने के आसार बन पडे है। ताजा बर्फबारी से संकेत है हवाएं सर्द होने वाली है। दीपावली तक गुलाबी ठंड का असर शुरू हो जएगी। इस बार सर्दी भी कड़ाके की होने की संभावना बनी है। लंबे समय तक चला मानसून का दौर इस बार सर्दी में बढोतरी लाएगा।

जोधपुर शहर में आज दोपहर में घिर आई काली घटाओं से बारिश हुई। शहर के कुछेक स्थानों पर हल्की मध्यम दर्जे की बूंदाबांदी हुई। शहर की सडकें गीली हो गई। आसमां में फिलहाल बादल छाए हुए है और उमस भी बनी है। ऐसे में बारिश की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। मौसम विभाग की मानें तो दक्षिण पश्चिम मानसून पश्चिमी राजस्थान से विदा ले चुका है। दक्षिणी राजस्थान के कुछ जिलों में यह अभी सक्रिय है।

मुथूट फाइनेंस कंपनी के ऑफिस में लगी आग

फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस सहित डॉक्युमेंट जले

मुथूट गोल्ड फाइनेंस कंपनी के ऑफिस में प्रातः अचानक लगी आग पर काबू पाते दमकमल।

डूंगरपुर, (निसं)। शहर में कॉलेज रोड पर स्थित मुथूट गोल्ड फाइनेंस कंपनी के ऑफिस में गुरुवार सुबह अचानक आग लग गई। आग लगने से ऑफिस के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, फर्नीचर और कुछ डॉक्युमेंट जल गए। हालांकि समय पर आग बुझा देने से बड़ा हादसा टल गया।

नगर परिषद के फायर ऑफिसर बाबूलाल चौधरी ने बताया कि कॉलेज रोड पर एक कॉम्प्लेक्स की दूसरी मंजिल पर संचालित मुथूट फाइनेंस कंपनी के ऑफिस से धुआं निकलने की सूचना मिली। इस पर फायर ब्रिगेड की 2 गाडिया, कोतवाली थाना पुलिस ओर फाइनेंस ऑफिस के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे। ऑफिस से धुआं उठता देख मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

- दो फायर ब्रिगेड ने पाया काबू
- कॉम्प्लेक्स के ग्राउंड फ्लोर पर बैंक और उपभोक्ता बाजार होने से हो सकता था बड़ा हादसा

फायर कर्मचारियों ने ऑफिस का दरवाजा तोड़ा और पानी की सहायता से आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया लेकिन तब तक ऑफिस का फर्नीचर कुछ दस्तावेज और पंखे समेत कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जल गए थे।

बाबूलाल चौधरी ने बताया कि कॉम्प्लेक्स के ग्राउंड फ्लोर पर एक बैंक और एक उपभोक्ता बाजार है। वहीं पडौस में कपडे की दुकान है। ऐसे में अगर आग बुझाने में थोडी भी देरी हो जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। फिलहाल मुथूट फाइनेंस की ओर से आग से हुए नुकसान का आंकलन करवाया जा रहा है।

ओटीपी पूछ महिला के खाते से एक लाख उड़ाये

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले के रावतसर थाना इलाके में कोरियर की डिलीवरी के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने कोरियर की डिलीवरी के नाम पर ओटीपी पूछकर एक महिला के बैंक खाते से एक लाख रुपये की ठगी कर ली। मामले में रावतसर थाने में ठगी का मामला दर्ज किया गया है।

रावतसर थाना प्रभारी रविन्द्र सिंह नरुका ने बताया कि निर्मला देवी (41) पत्नी कैलाश चन्द्र मेघवाल निवासी वार्ड 26, रामपुरा रोड रावतसर ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि रावतसर के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में उसका बचत खाता है। उसके मोबाइल नम्बर पर 3 अगस्त को सुबह एक नम्बर से किसी का फोन आया। फोन उसकी बेटी ने उठाया। फोन करने वाले ने कहा कि आपका कोरियर एसबीआई से आना है वह रास्ते में अटका हुआ है। साथ ही कहा कि वह उन्हें एक लिंक भेज रहा है। वे उस पर 5 रुपए भेजे ताकि उनका कोरियर उन तक पहुंच सकें। उसकी बेटी ने लिंक पर पांच रुपये भेज दिए।

इसके कुछ देर बाद अन्य मोबाइल नम्बर से एक और लिंक आया। यह लिंक अन्य मोबाइल नम्बर पर भेजने को कहा। जब उसकी बेटी ने यह लिंक भेजा तो इसके अगले दिन 4 अगस्त को सुबह कुल एक लाख रुपए उसके खाते से निकाल लिए गए। बैंक से पता लगा कि यह राशि आईसीआईसीआई बैंक के खाता संख्या 309017991704 में जमा हुई है।

युवक की हत्या को लेकर दिन भर अस्पताल में माहौल रहा गरम

- युवक के भाई ने गांव बाझोट की किशनगढ़बास में रह रही महिला पर जताई शंका

किशनगढ़बास, (निसं)। अलवर-भिवाड़ी हाईवे पर किशनगढ बास से करीब 4 किलोमीटर दूर गांव माचा के 35 वर्षीय ड्राइवर युवक का शव नजदीक के गांव ओदरा मोड़ पर मिला ।अस्पताल में एकत्रित परिजनों व घटना की खबर से पहुंचे दलित समाज के लोगों के इकट्ठा होने की सूचना पर एसडीएम गंगाधर मीणा डी एसपी अतुल अग्रे थाना अधिकारी अमित चौधरी भी अस्पताल पहुंचे। पुलिस प्रशासन की समझाइश व आश्वासन के बाद भी परिजन और समाज के लोग मुआवजे की मांग को लेकर देर शाम 7 बजे तक अडे रहे।

युवक के पिता बुधराम ने किशनगढ बास में रह रही एक महिला पर शंका जाहिर करते हुए नामजद लिखित में शिकायत दी गई है। मर्डर से पहले युवक अशोक के फोन पर महिला का फोन आया है। युवक के पिता का कहना था कि मुझे भी फोन पर कुछ दिन पहले धमकी दी गई थी कि लडके को समझा ले वरना ठीक नहीं होगा। मृतक युवक अशोक के भाई सुनील ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया है कि 21 सितंबर साय 5 बजे अशोक के फोन पर दो तीन बार फोन आने पर अशोक मोटरसाइकिल लेकर घर से जाने लगा तो मेरे चचेरे भाई मोनू ने कहा जा रहा है तो उसने महिला का नाम लिया और कहां फोन आया है कोई जरूरी काम है। इसके बाद करीब 7:30 बजे खुर्शीद एडवोकेट वह इलियास पूर्व सरपंच का मेरे पास फोन आया कि जल्दी आ ओदरा मोड पर तेरा भाई लहूलुहान हालत में पडा है। परिवार के लोग पहुंचे तो देखा की अशोक मृत पडा है।

एसडीएम गंगाधर मीणा ने कहा परिजनों की ओर से की गई मुआवजे, नौकरी एवं एसआईटी टीम से जांच कराए जाने व परिवार को सुरक्षा दिलाए जाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को पत्र भेजा है। युवक का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से कराया गया है तथा परिवार को सुरक्षा दिलाए जाने वे एसआईटी टीम से जांच कराए जाने के लिए डीएसपी को कहा गया है। डीएसपी अतुल अग्रे ने बताया कि एसआईटी टीम गठित किए जाने की मांग को लेकर अधिकारियों को अवगत करा दिया है नामजद आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

युवक ने की लिव इन रिलेशन में रहने वाली युवती की हत्या

सुजानगढ़, (निसं)। क्षेत्र के सांडवा में लिव इन रिलेशन में रहने वाली युवती की साथ रहने वाले युवक ने हत्या कर दी। सांडवा थानाधिकारी हंसराज लूणा ने बताया कि मृतका नंदिनी की मां बेबी कंवर की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आरोपी राजेश स्वामी पुत्र जेठदास स्वामी उम्र 30 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी से वारदात के कारणों के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही है।

थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी राजेश स्वामी पहले से शादीशुदा है, जिसका एक साल पहले तलाक हो चुका है। मृतका नंदिनी (18) आरोपी के साथ विगत सात महीनों से लिव इन में रह रही थी। आरोपी मृतका को बुधवार को सुजानगढ से लेकर आया था। रात में बीयर की बोतल फोड कर उसके टुकडे से आरोपी राजेश ने गला काट कर व तार से गला घोंटकर कर नंदिनी की हत्या कर दी। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से मृतका का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

सुजानगढ़ पुलिस की गिरफ्त में हत्या का आरोपी।

थाना प्रभारी हंसराज ने बताया कि चूरू से आई एफएसएल टीम ने वारदात स्थल का बारीकी से मुआयना कर साक्ष्य जुटाए हैं।

12वीं कक्षा की छात्रा से दुष्कर्म

- आरोपी के पीड़िता के भाई के मोबाइल पर लडकी के साथ के फोटो भेजने से खुला मामला

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना इलाके में 12 वीं कक्षा की नाबालिग स्टूडेंट से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। नाबालिग स्कूल पढ़ने गई थी। वहीं, से आरोपी उसे भगाकर ले गया और दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। धमकियों से डरकर पीड़िता ने किसी को नहीं बताया, लेकिन आरोपी ने पीडिता के भाई के मोबाइल पर लडकी के साथ के फोटो भेजे तो मामला खुल गया। इसके बाद परिजनों ने मामला दर्ज कराया।

धंबोला थानाधिकारी ने बताया की घटना को लेकर नाबालिग पीड़िता के पिता की ओर से रिपोर्ट दी गई है। पिता ने बताया की उसकी नाबालिग बेटी गांव के एक सरकारी स्कूल में 12 वीं क्लास में पढ़ाई करती है। 3 सितंबर को वह स्कूल पढने के लिए गई थी, आरोपी लालसिंह पुत्र रायचंद डामोर निवासी कंकोडी थाना धंबोला बाइक लेकर आया। उसकी बेटी को बहला-फुसला कर जबरन बाइक पर बैठाकर ले गया। आरोपी उसे सुनसान जगह ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी लालसिंह उसे वापस स्कूल के सामने छोड़कर फरार हो गया। आरोपी की धमकियों की वजह से बेटी ने घर आकर किसी को घटना के बारे में नहीं बताया। लेकिन 17 सितंबर को आरोपी जितेंद्र ने लडकी के साथ के फोटो उसके भाई के मोबाइल पर पोस्ट कर दिए। इसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। पीड़िता ने इसके बाद घटना के बारे में अपने परिजनों को बताया। पिता की रिपोर्ट पर धंबोला थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। वहीं, नाबालिग पीड़िता की गुरुवार को डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मेडिकल जांच करवाई गई। आरोपी जितेंद्र फरार चल रहा है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

जिले का एक और बेटा शहीद

झुंझुनूं, (निसं)। जिला कलेक्टर लक्ष्मण सिंह कुडी ने बताया कि जिले के बगड निवासी शहीद हवलदार नरेश नंबर 13627560छ गुरुवार 22 सितम्बर को चौकीबल (जम्मू कश्मीर) में ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए हैं। शहीद का पार्थिव देह 24 सितंबर को सुबह 10:30 बजे बगड पहुंचेगा। शहीद का दाह संस्कार पैतृक गांव बगड में पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।

बीए पार्ट तृतीय का परिणाम घोषित

अजमेर, (कासं)। महर्षि दयानंद सरस्वती विवि. अजमेर ने 2021-22 का बीए पार्ट तृतीय का परिणाम का जारी कर दिया है। परिक्षा नियंत्रक प्रो सुब्रतो दत्ता ने बताया कि बीए पार्ट तृतीय परीक्षा में कुल 62407 विद्यार्थी उपस्थित हुए थे, जिनमें से 44447 विधार्थी पास हुए है। परीक्षा परिणाम 71.22 प्रतिशत रहा। जिसमें प्रथम श्रेणी में 8367, द्वितीय श्रेणी में 29812, एवं तृतीय श्रेणी में 6282 विद्यार्थी पास हुए एवं 5170 विद्यार्थी सप्लीमेंट्री रहे।

युवक के अपहरण के बाद मारपीट कर चलती गाड़ी से फेंका

- अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला हुआ दर्ज

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय स्थित बस स्टैंड से खुद के गांव डॉब हरिपुरा जाने के लिए एक गाड़ी में लिफ्ट लेकर बैठे युवक विमल सैनी को उस गाड़ी में सवार अज्ञात बदमाशों द्वारा अपहरण कर युवक के साथ जमकर मारपीट करने व लूटपाट के बाद चलती गाड़ी से फेंक कर फरार हो गए।

घटना बुधवार शाम की है जब पीड़ित युवक विमल सैनी खुद की दुकान को बंद कर खुद के गांव रोज की तरह डॉब हरिपुरा थाना क्षेत्र रामगढ़ पचवारा के लिए बस स्टैंड पर युवक वाहन का इंतजार कर रहा था इसी दौरान वहां गुजर रही एक मारुति ओमनी वैन में उसके द्वारा लिफ्ट ली गई । जहां डूंगरपुर युवकों तथा लेकिन गाड़ी को नहीं रोकने के बाद युवक द्वारा विरोध किया गया । जहां उस गाड़ी में पहले से ही सवार तीन चार अज्ञात बदमाशों द्वारा गाड़ी के अंदर ही युवक विमल से जमकर मारपीट की गई। बदमाश युवकों द्वारा युवक के पास से नगदी भरा पर्स छीन लिया गया। इस दौरान मौका पाकर पीड़ित युवक द्वारा खुद के मोबाइल से उसके साथ घटित घटना की जानकारी तुरंत दी गई।

इस घटना का पता परिजनों को पड़ने के बाद परिजनों द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम सहित आसपास इलाके में इसकी सूचना देने के बाद पुलिस के बढ़ते दबाव को देखकर बदमाशों द्वारा पीड़ित युवक के मोबाइल से सिम निकाल कर युवक को दोसा स्थित कृष्णा हॉस्पिटल के पीछे कच्चे रास्ते में पटक कर वहां से रफूचक्कर हो गए। इस मामले को लेकर पीड़ित युवक विमल सैनी द्वारा लालसोट थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ अपहरण व मारपीट कर लूटपाट का मुकदमा दर्ज कराया गया है।

पिता और दो मासूम बच्चों की संदिग्ध हालात में मौत

- पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाने के साथ एफएसएल व एमओबी टीम को भी बुलाया
- झंवर के परिहारों की ढाणी की घटना

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती झंवर स्थित धवा गांव में परिहारों की ढाणी में बुधवार की देर रात पिता और दो मासूम बच्चों की संदिग्ध हालात में मौत पर आज पुलिस ने तीनों शवों का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया। प्रथम दृष्टया मामला हत्या के बाद आत्महत्या किए जाने का लगा।

एक बच्चे का रस्सी से गला घोंटने और दूसरे का मुंह दबाने की आशंका जताई जा रही है। मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही साफ हो पाएगी। पुलिस ने आज सुबह मौके पर पहुंच फिर से साक्ष्य जुटाने के साथ एफएसएल टीम के साथ एमओबी टीम को भी बुलाया। बच्चों के बडे पिता की तरफ से मर्ग की रिपोर्ट पुलिस में दी गई है। बडे पिता ने किसी पर कोई शकसुबह जाहिर नहीं किया है। मृतक की पत्नी अभी बदहवाश स्थिति में है इस लिए पुलिस उससे ज्यादा कुछ पूछताछ नहीं कर पाई।

झंवर थानाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि आरंभिक पड़ताल में सामने आया कि रूपाराम की पत्नी खेत पर गई हुई थी। शाम को वह खेत से लौटी तब उसके दो बच्चें दस साल का रामाराम एवं आठ साल का कृष्णा अचेतावस्था में खाट पर पड़े मिले। उनके मुंह से खून रिस रहा था। तब वह चिल्लाते हुए बाहर आई आस -पास के लोगों की मदद से दोनों बच्चों को तत्काल एम्स अस्पताल ले जाया गया। यहां पर डॉक्टर ने बच्चों के पिता के बारे में पूछा तो घरवाले उसकी तलाश में लगे। बाद में पता लगा कि रूपाराम का शव पशुओं के बाडे में छपरे में फंदे पर लटका मिला। तब उसे भी फंदे से उतारा गया।

थानाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि शवों का आज दोपहर में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया है। प्रथम दृष्टया बच्चों की हत्या के बाद पिता द्वारा फंदा लगाने की संभावना ज्यादा है। बच्चों की मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही साफ हो पाएगी। घटना में अब मृतक रूपाराम पटेल के बडे भाई कोजाराम की तरफ से मर्ग की रिपोर्ट दी गई है।

तीन ट्रेन में बढ़ाये अतिरिक्त कोच

जोधपुर, (कासं)। रेलों में प्रतीक्षा सूची को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने तीन जोड़ी रेलसेवाओं में डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है। मंडल रेल प्रबंधक, जोधपुर सुश्री गीतिका पांडेय के अनुसार गाडी संख्या 20943/20944, बान्द्रा टर्मिनस-भगत की कोठी-बान्द्रा टर्मिनस हमसफर एक्सप्रेस रेलसेवा में बान्द्रा टर्मिनस से 06 से 27 अक्टूबर तक एवं भगत की कोठी से 07 से 28 अक्टूबर तक 01 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 14646/14645, जम्मूतवी-जैसलमेर-जम्मूतवी रेलसेवा में जम्मूतवी से 26 सितंबर से 10 नवम्बर तक एवं 17 अक्टूबर से 10 नवम्बर तक तथा जैसलमेर से 28 सितंबर से 12 नवम्बर तक एवं 19 अक्टूबर से 12 नवम्बर तक 01 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है। दूसरी तरफ गाड़ी संख्या 14662/14661, जम्मूतवी-बाड़मेर-जम्मूतवी रेलसेवा में जम्मूतवी से 28 सितंबर से 11 नवम्बर एवं 19 अक्टूबर से 11 नवम्बर तक तथा बाड़मेर से 30 सितंबर से 13 नवम्बर एवं 21 अक्टूबर से 13 नवम्बर तक 01 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

मोक्षधाम जाने के लिए भी रास्ता नहीं

- रास्ते में 4 फिट तक भरे पानी से शव को ले जाने की मजबूरी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के जहाजपुर उपखंड क्षेत्र भंडारिया ग्राम में मोक्षधाम जाने के लिए रास्ता सुगम न होने के कारण अंतिम संस्कार के लिए भी ग्रामीणों को परेशान होना पड़ रहा है। गुरूवार को भी महिला के अंतिम संस्कार में जाने के लिए लोगों को शव को पानी से होकर गुजरना पड़ा। लोगों का कहना है कि ग्रामीणों को आये दिन इस समस्या से सामना करना पड़ रहा है पर पंचायत व उपखंड प्रशासन ने अब तक सुनवाई नहीं की है।

आजादी के 75 वर्ष होने के बाद भी भंडारिया ग्राम में मोक्षधाम का रास्ता सही न होने तथा क्षतिग्रस्त पुलिया के कारण रास्ते में 4 फीट तक भरे पानी से शव को लेकर नहीं गुजर पाने से लोगों में आक्रोश व्याप्त है। इन लोगों ने कहा है कि चुनाव में वोट के लिए सभी प्रयास किये जाते हैं पर ऐसे मामले में सुनवाई नहीं हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षतिग्रत पुलिया एवं बीच रास्ते में भरे पानी की निकासी की मांग की है।

महिला को अंतिम संस्कार के लिए ले जाते ग्रामीण।

किसानों को छह घंटे बिजली दो, अन्यथा इस सरकार का सर्वनाश होगा : रामप्रताप कासनियां

'गांवों में 15 पावर के ट्रांसफार्मर पर 100 कनेक्शन कर रखे हैं, बल्ब भी दीये की तरह जलता है'

-विधानसभा संवाददाता-

- कासनियां ने कहा ''सरकार विधानसभा में कहती तो है कि 72 घंटे में ट्रांसफार्मर बदल देंगे, लेकिन 15-15 दिन तक ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाते। काश्तकार खुद जला हुआ ट्रांसफार्मर लेकर निजी खर्चे पर बदलवाता फिरता है।''
- बूंदी के केशोरायपाटन में बाढ़ से 15 दिन तक बिजली बंद रही। बारिश आने पर इलाके में 8-8 घंटे बिजली कटौती होती है, कौन जिम्मेदार है : चंद्रकांता मेघवाल

जयपुर। प्रदेश में बिजली संकट के मुद्दे पर विधानसभा में चर्चा के दौरान बीजेपी विधायकों ने गहलोत सरकार को जमकर घेरा। सूरतगढ़ विधायक रामप्रताप कासनियां ने कहा "4 साल में सब लोग लाइट की स्थिति को लेकर रो रहे हैं। चाहे सारे कारखानों की लाइट बंद कर दो, कुछ भी करो। लेकिन किसानों की पूरी 6 घंटे लाइट देने का काम सरकार करेगी, तो बचेगी, वरना इस सरकार का सर्वनाश होगा। बिजली के मामले में ध्यान नहीं दिया, तो चेतावनी देता हूं कि बिजाई का समय है, लोग आंदोलित हो उठेंगे।"

विधायक कासनियां ने कहा कि राज्य सरकार के पास बिजली सरप्लस है तो गई कहां, उसको कौन खा गया? कहां चोरी हो रही है पकड़ो। चोरी तो हो रही है ये बात आप दबी जबान से मानते हो, लेकिन उसे पकड़ों तो सही। हर गांव में एक ट्रांसफार्मर 15 पावर का है, उस पर कनेक्शन 100 हैं। 100 से ज्यादा लोड होते ही वो ट्रांसफार्मर काम करना बंद कर देता है। दीये की तरह बल्ब जलता है। क्योंकि 150 आदमियों ने कुंडी डाल ली। कुंडी डालने की बात डिपार्टमेंट से छिपी हुई नहीं है।

कासनियां बोले मुझे किसानों के बारे में ज्यादा बोलना नहीं चाहिए। पर हम भी बख्शते नहीं है। मौका लगे 2 फेस मिल जाए तो पुर्जा लगाकर फिर ट्यूबवेल चला लेते हैं। इस तरह की घटनाएं भी होती है। इस पर रोकथाम लगानी चाहिए। बार-बार कहने के बावजूद ठेकेदारी प्रथा चल रही है। गांव के अंदर बड़ा फाल्ट हो जाए तो सरकारी फॉरमेन तो सुधार करते नहीं है। लाइनमैन ठेके वालों के आने की बात कहते हैं। वो 10-10 दिन तक नहीं आते हैं। सरकार यहां कहती तो है कि 72 घंटे में ट्रांसफार्मर बदल देंगे। लेकिन 15-15 दिन तक ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाते हैं। काश्तकार खुद जला हुआ ट्रांसफार्मर लेकर शहर में जाता है, नया आने पर भी खुद के खर्चे से ट्रांसफार्मर खेत पर लाता है। सरकार इसका पैसा वसूल करती है। काश्तकार पर डबल मार हो रही है। उसे निजी वाहन से ट्रांसफार्मर पहुंचाना पडता है। बाद में नया ट्रांसफॉर्मर आने पर ले जाने में भी खर्चा करना पडता है, काश्तकार से दोहरी लूट हो रही है। बूंदी के केशोरायपाटन से बीजेपी विधायक चन्द्रकांता मेघवाल ने कहा मेरे विधानसभा क्षेत्र में डिस्कॉम के पास 132 केवी जीएसएस के 5 प्रस्ताव आए हुए हैं। बाढ़ की वजह से मेरे क्षेत्र में 15 दिन बिजली बंद रही। 132 केवी के सारे जीएसएस सेंक्शन किए जाएं। 33 केवीए की लाइन डालने के प्रस्ताव भी सेंक्शन किए जाएं। पिछले 3 साल से बिजली की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। बारिश आने पर इलाके में 8-8 घंटे बिजली बंद रहती है।

मेघवाल ने सदन में कहा प्रदेश में बिजली की कुल उत्पादन क्षमता 8880 मेगावाट है, लेकिन केवल 4545 मेगावाट बिजली पैदा कर पा रहे हैं। सूरतगढ़ ओ एंड एम की 1 यूनिट बंद है। सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल की 660 मेगावाट की 1 यूनिट बंद है। कोटा में 3 नम्बर यूनिट बंद है। छबड़ा में 4 नम्बर यूनिट 6 महीने से बंद है। उत्पादन निगम 50 प्रतिशत ही बिजली प्रोडक्शन कर पा रही है। अघोषित बिजली कटौती और लोड शेडिंग के नाम पर जनता को रात-दिन भरी बारिश में भी परेशानी हो रही है। जालौर से बीजेपी विधायक जोगेश्वर गर्ग बोले- 20 साल से ज्यादा वक्त हो गया, जब इसी पवित्र सदन में राजस्थान स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड को भंग करके 5 कंपनियां बनाईं। यह तय किया कि 20 साल बाद फिर से विचार करेंगे कि यह प्रयोग सफल हुआ या नहीं। अब फिर से विचार करने का वक्त आ गया है। जिस समय का विघटन हुआ, उस वक्त तीनों डिस्कॉम कंपनियों का घाटा 600 करोड़ रुपए घाटा था। बाद में घाटा बढ़ता गया। जिसमें ट्रांसमिशन लॉस बड़ा कारण था। 5 साल पहले इन बिजली कंपनियों का घाटा 80 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया था। तब बीजेपी की सरकार थी और वसुंधरा सरकार सीएम थी। वसुंधरा राजे ने 60 हजार करोड़ रुपए सरकारी खजाने से देकर कंपनी को घाटे से उबारने की कोशिश की थी। अब 5 साल बाद वापस 80 हजार करोड़ से ज्यादा घाटा हो गया है। अब आपका वक्त आ गया है सरकारी खजाने से राजस्थान सरकार 80 हजार करोड़ के घाटे की भरपाई करे। चुनावी साल आने वाला है कई लॉलीपॉप देने होंगे। ये फ्री, वो फ्री, तो सरकार अभी से व्यवस्था करे।

स्थानीय लोगों को जोड़ कर पर्यटन को विकसित करें : राज्यपाल

- मिश्र ने इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन के 9वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन किया

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने पर्यटन में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ाते हुए इसे जन उद्योग के रूप में विकसित किए जाने का आव्हान किया है। उन्होंने पर्यटन को अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण घटक बताते हुए इससे रोजगार के अधिकाधिक सृजन की संभावनाओं पर कार्य किए जाने की आवश्यकता जताई।

राज्यपाल मिश्र गुरुवार दोपहर जयपुर जिले के बिशनगढ़ स्थित अलीला फोर्ट में इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) के 9वें वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यटकों के आने से होटल उद्योग को ही लाभ नहीं होता बल्कि दूसरे उद्योगों, हस्तशिल्प और परिवहन से जुड़े स्थानीय लोगों को भी आजीविका मिलती है। इसके महत्व को देखते हुए ही विकसित राष्ट्र भी पर्यटन को अपनी अर्थव्यवस्था में प्राथमिकता से स्थान देते हैं। उन्होंने कहा कि कोविड के दौर में पर्यटन उद्योग को सबसे अधिक नुकसान झेलना पड़ा था, ऐसे में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए और अधिक प्रभावी प्रयास किये जाने चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान में पर्यटकों के स्वागत और आवभगत की अनूठी संस्कृति है। प्राचीन धरोहर, स्मारकों, किले-महलों के रूप में जो पर्यटन सम्पदा राजस्थान में है, उतनी किसी और प्रदेश में नहीं है। उन्होंने कहा कि यहां की समृद्ध पर्यटन विरासत और विविधता के प्रचार- प्रसार के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकप्रिय पर्यटन केन्द्रों के साथ ही कम प्रचलित पर्यटन स्थलों, हेरिटेज से जुड़े स्मारकों, किले-महलों को पर्यटन मानचित्र में पहचान दिलाई जाए। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि हेरिटेज होटल्स पर्यटकों के आकर्षण का बड़ा केन्द्र होते हैं। इन हेरिटेज होटल्स के साथ उस स्थान-विशेष की संस्कृति से भी यहां आने वाले पर्यटकों को जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अलग-अलग कलाओं से जुड़े लोक कलाकारों को भी हेरिटेज होटल्स द्वारा कला प्रदर्शन के अधिकाधिक अवसर प्रदान किए जाने चाहिए।

पंजाब के पूर्व राज्यपाल वी.पी. सिंह बदनौर ने राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की चर्चा करते हुए इसके संरक्षण की दिशा में समन्वित प्रयास किए जाने पर बल दिया।

राजस्थान विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि राजस्थान की विश्व में पर्यटन को लेकर एक अलग पहचान है। भारत में आने वाला हर तीसरा पर्यटक राजस्थान जरूर आता है।

आईएचएचए के अध्यक्ष रणधीर विक्रम सिंह मंडावा ने कहा कि देश में हेरिटेज पर्यटन को प्रोत्साहन देने के साथ ही भारतीय विरासत को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया है। आईएचएचए के अध्यक्ष (एमेरिटस) और जोधपुर के पूर्व महाराजा गज सिंह ने विरासत पर्यटन के विकास, संभावनाओं और चुनौतियों के बारे में विचार व्यक्त किए।

लम्पी रोग से हिंगोनिया में गौवंश की हालत बेहद दयनीय

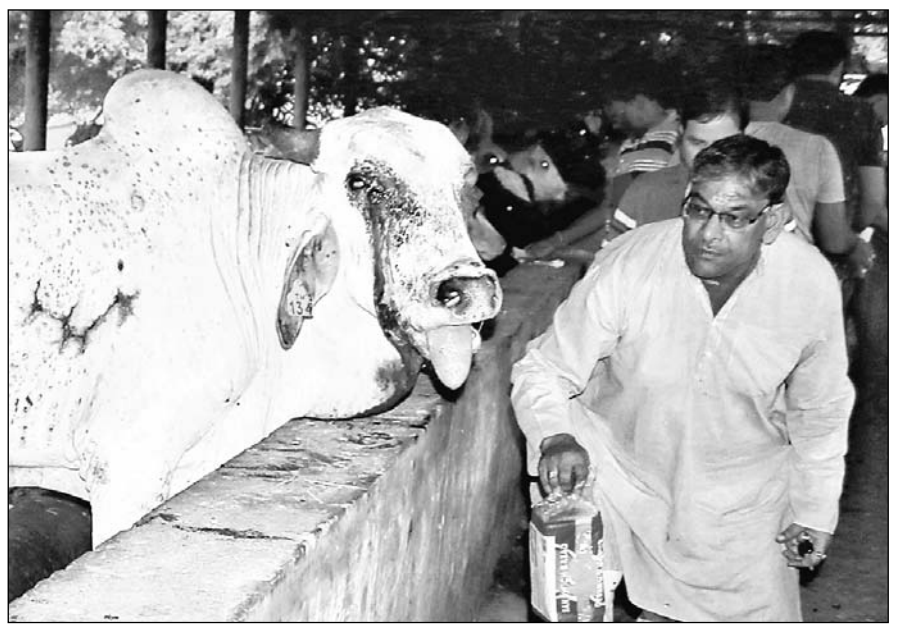

लम्पी रोग से पीड़ित गौवंश की हिंगौनिया गौशाला में हालात बेहद अधिक दयनीय है। यहां महापौर व अफसर जब निरीक्षण करने जाते हैं तो उन्हें स्वस्थ अथवा कम बीमार गौवंश दिखाया जा रहा है, जबकि बाड़ों में गौवंश की हालत ज्यादा बदतर है। हालांकि समाजसेवी और गौ-प्रेमी अपनी टीम के साथ लम्पी ग्रसित गायों को आयुर्वेदिक दवाएं भी दे रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता नितेश खंडेलवाल अपनी टीम के साथ लंपी ग्रसित गायों को हिंगोनिया गौशाला में डॉक्टर द्वारा बताई विधि अनुसार प्रतिदिन 4000 से ज्यादा आयुर्वेदिक लड्डू पहुंचा रहे हैं।

'वनभूमि पर पट्टा जारी करने वाले अधिकारियों की जानकारी दें'

- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की भोपाल बेंच ने नाहरगढ़ वाइल्ड लाइफ सेंचुरी की वन भूमि पर पट्टा काटने के मामले में नाराजगी जताई है

जयपुर, (का.सं.)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की भोपाल बेंच ने नाहरगढ़ वाइल्ड लाइफ सेंचुरी की वन भूमि पर पट्टा काटने के मामले में नाराजगी जताई है। एनजीटी ने वन विभाग की भूमि के खसरा नंबर बांटने और पट्टा जारी करने वाले अधिकारियों की जांच कर उसकी जानकारी एनजीटी में पेश करने को कहा है। वहीं अधिकरण ने पट्टा ट्रांसफर के संबंध में सभी जानकारी एक माह में पेश करने को कहा है। अधिकरण ने पीसीसीफ, स्थानीय कलेक्टर और जेडीए आयुक्त को कहा है कि वे एक साथ मिलकर अतिक्रमण के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करें। अधिकरण ने यह आदेश राजेन्द्र तिवारी के प्रार्थना पत्र पर दिए।

सुनवाई के दौरान अधिकरण के आदेश की पालना में जेडीए आयुक्त और पीसीसीएफ वीसी के जरिए पेश हुए। जेडीसी ने माना कि नाहरगढ़ अभयारण्य की जमीन पर अतिक्रमण है और उस पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि नाहरगढ़ वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के खसरा नंबर 6445 पर स्थित पिलर नंबर 361 से 366 की भूमि पर बहुमंजिला होटल का निर्माण किया जा रहा है। वन विभाग ने भी 21 जुलाई 2021 को माना था कि वन भूमि पर अतिक्रमण कर निर्माण हो रहा है। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायिक सदस्य न्यायाधीश एसके सिंह और विशेषज्ञ सदस्य अरुण कुमार वर्मा की बेंच ने कहा कि भूमि से अतिक्रमण हटाने की नियमानुसार कार्रवाई के साथ बताया जाए कि आखिर कब किस अधिकारी के कार्यकाल में पूरी प्रक्रिया हुई है। इसी के साथ मामले में जवाब देने के लिए जेडीए सहित अन्य पक्षकारों ने एक माह का समय मांगा।

वन भूमि पर बसे अतिक्रमियों के पुनर्वास का कोई प्रावधान नहीं : हेमाराम चौधरी

- माइनिंग करने वाले या बड़े औद्योगिक प्लांट लगाने वाले लोग तो आसानी कन्वर्जन करवा लेते हैं, लेकिन आम आदमी ऐसा नहीं कर पा रहा है। ऐसे में सरकार को ही चाहिए कि वो पहल कर इस दिशा में कदम उठाए : अध्यक्ष
- इस पर मंत्री हेमाराम चौधरी ने कहा, ''अगर ग्राम पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम या फिर कोई ऐसी एजेंसी उन्हें लिखित शिकायत दे तभी वो इस दिशा में कुछ कर सकेंगे''

जयपुर (वि.सं.)। राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री हेमाराम चौधरी ने आज विधानसभा में कहा कि वन भूमि से अतिक्रमियों को हटाए जाने के बाद उनके पुनर्वास का वर्तमान में कोई प्रावधान नहीं है।

चौधरी ने प्रश्नकाल में विधायक बाबूलाल नागर के प्रश्न पर कहा कि पर वन भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। उन्होंने बताया कि राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 तथा वन्य जीव संरक्षण अधिनियम- 1972 के तहत अतिक्रमियों के खिलाफ कारावास और जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि वन भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के लिए पुनर्वास का कोई प्रावधान नहीं है। चौधरी ने कहा कि केवल जनजाति क्षेत्र में वन अधिकार अधिनियम के तहत पट्टे दिये जाने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि वन भूमि को किसी और उपयोग में काम नहीं लिया जा सकता है।

स्पीकर ने वन भूमि क्षेत्र में निवास करने वालों की समस्याओं पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि माइनिंग करने वाले या बड़े औद्योगिक प्लांट लगाने वाले लोग तो आसानी कन्वर्जन करवा लेते हैं, लेकिन आम आदमी ऐसा नहीं कर पा रहा है। ऐसे में सरकार को ही चाहिए कि वो पहल कर इस दिशा में कदम उठाए। इस पर मंत्री हेमाराम चौधरी ने कहा कि अगर ग्राम पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम या फिर कोई ऐसी एजेंसी उन्हें लिखित शिकायत दे तभी वो इस दिशा में कुछ कर सकेंगे।

'वेद अध्यापकों की नियमित भर्ती एक माह में शुरू होगी'

- मंत्री ने माना कि संस्कृत विवि.एवं संस्कृत कॉलेतों में वेदों का अध्यापन के लिए व्याख्याता व प्रोफेसर की नियमित भर्ती नहीं की गई है

जयपुर, (वि.सं.)) राजस्थान के संस्कृत शिक्षा मंत्री डॉ. बी डी कल्ला ने आज विधानसभा में आश्वस्त किया प्रदेश के संस्कृत महाविद्यालयों एवं जगदगुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में आगामी एक महीने में वेदों के अध्यापन के लिए वेद अध्यापकों के सेवा नियम तथा रोस्टर प्रणाली लागू कर नियमित भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी।

डॉ. कल्ला ने प्रश्नकाल में विधायकों के पूरक प्रश्नों के जवाब में कहा कि यह सही है कि संस्कृत विश्व विद्यालय एवं संस्कृत महाविद्यालयों में वेदों का अध्यापन कराने के लिए व्याख्याता, एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर एवं प्रोफेसर की नियमित भर्ती नहीं की गई है लेकिन संस्कृत शिक्षा एवं वेदों का अध्ययन प्रभावित नहीं हो इसके लिए हमने विद्या सम्बल योजना के तहत लेक्चरर को 20 हजार रूपये, एसोसिएट प्रोफेसर को 40 हजार रूपये एवं प्रोफेसर को 50 हजार रूपये मासिक दिये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह सही है कि संस्कृत शिक्षा एवं वेदों के अध्धयन के लिए सेवा नियम 1978 में बने थे, लेकिन उसके बाद आज तक इस क्षेत्र में कोई कार्य नहीं हुआ है।

डॉ. कल्ला ने कहा कि संस्कृत शिक्षा एवं वेदों का हमारे समाज में महत्वपूर्ण स्थान है और हम वेदों के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए हर सम्भव प्रयास सुनिश्चित करेंगें। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि संस्कृत महाविद्यालयों में रिक्त पदों को राजस्थान लोकसेवा आयोग के माध्यम से भरा जायेगा।

उन्होंने कहा कि संस्कृत महाविद्यालय सेवा नियम प्रक्रियाधीन है तथा सेवा नियम जारी होने पर महाविद्यालय के रिक्त पदों को भरा जा सकेगा।

ग्यारह आतंकियों के विरुद्ध आरोप पत्र पेश

जयपुर, (का.सं.)। एनआईए मामलों की विशेष अदालत में गुरुवार को एनआईए ने चितौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा में विस्फोटक बरामदगी के मामले में 11 आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्र पेश किया है। वहीं मामले में अग्रिम जांच भी जारी रखी गई है। एनआईए ने अपनी जांच में इमरान खान, आक्रिफ़, अमीन खान, मोहम्मद अमीन पटेल, सैफुल्ला खान, अल्तमश खान, जुबेर खान, मजहर खान, फिरोज खान, मोहम्मद यूनुस साकी और इमरान को आरोपी माना है।

जानकारी के अनुसार निम्बाहेड़ा में एक कार से विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ था। शुरुआत में निम्बाहेडा पुलिस थाने में मामला दर्ज हुआ था। वहीं बाद में इसे एनआईए को भेज दिया गया। जहां एनआईए ने प्रकरण फिर से दर्ज कर जांच आरंभ की। जांच में पता चला की मुख्य साजिशकर्ता इमरान खान व अन्य आरोपी सूफा आतंकवादी संगठन के सदस्य थे और उन्होंने आतंकी घटना को अंजाम देने के लिए साजिश रची थी। आरोपी आईएसआईएस के प्रेरित थे। एनआईए को अनुसंधान में पता चला कि आरोपी इमरान अपने खेत मे अन्य सह आरोपियों को आईईडी बनाने और असेम्बल करने की ट्रेनिंग देता था आरोपी इमरान के निर्देश पर ही अन्य आरोपी स्थानीय बाजार से रसायन और अन्य सामग्री खरीदकर लाते थे और विस्फोटक तैयार करते थे।

केसावत की जमानत अर्जी खारिज

जयपुर। शहर की निचली अदालत ने मारपीट और हत्या का प्रयास करने के आरोप में जेल में बंद पूर्व राज्यमंत्री गोपाल केसावत की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपी पर गंभीर प्रकृति का आरोप है। इस स्तर पर यह नहीं माना जा सकता कि उसे मामले में झूठा फंसाया गया है। ऐसे में आरोपी को जमानत पर रिहा करना उचित नहीं है। जमानत अर्जी में कहा गया था कि उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है। इसके अलावा वह काफी दिनों से जेल में बंद है। यदि वह लंबे समय तक जेल में रहा तो उसके परिवार पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

आईयूआरसी व ग्रेटर निगम में एमओयू

जयपुर। इंटरनेशनल अर्बन एंड रीजनल कार्पोरेशन (आईयूआरसी) के साथ नगर निगम ग्रेटर ने एमओयू किया है। इसके तहत चयनित शहरों को अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट में सपोर्ट किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त महेंद्र सोनी और आईयूआरसी के इंडियन कॉर्डिनेटर पेनगोयटिस ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान महापौर सौम्या गुर्जर भी मौजूद रही।

पूनिया ने आचार्य धर्मेन्द्र को श्रद्धांजलि दी

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने आज संतों की नगरी विराटनगर पहुंचकर आचार्य धर्मेन्द्र महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि, भगवान श्रीराम मंदिर से लेकर जनजागृति के लिए आचार्य धर्मेन्द्र के योगदान को कभी विस्मृत नहीं किया जा सकता, उनकी दिव्य प्रेरणा सदैव हमें मिलती रहेगी। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंचखण्ड पीठाधीश्वर आचार्य धर्मेन्द्र के निधन पर गहरा शोक जताते हुए उनके पुत्र भाजपा नेता प्रणवेन्द्र शर्मा को पत्र भेजकर संवेदनाएं व्यक्त की है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने शोक संदेश में कहा भगवान श्री राम में अटूट श्रद्धा रखने वाले श्रीमद् पंचखण्ड पीठाधीश्वर आचार्य धर्मेंद्र का जीवन समाज और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित रहा।

'जिस तरह सांड लाल कपड़े को देखकर आपा खो देता है, उसी प्रकार आप धारीवाल को देखकर खड़े हो जाते हैं'

स्पीकर डॉ.सी.पी.जोशी ने विधायक मदन दिलावर को जमकर फटकार लगाई

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में बीजेपी विधायक मदन दिलावर को अध्यक्ष सीपी जोशी ने लताड़ लगाई। स्पीकर ने कहा कि जिस तरह से सांड लाल कपड़े को देखकर अपना आपा खो देता है, ठीक वैसे ही आप भी मंत्री शांति धारीवाल को देखकर खड़े हो जाते हैं।

दरअसल, सदन में सिरोही में प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत आबूरोड में पेंडिंग कामों पर उठे सवाल का मंत्री शांति धारीवाल जवाब दे रहे थे। इसी बीच अचानक बीजेपी विधायक मदन दिलावर खड़े हो गए। इस पर स्पीकर जोशी नाराज हो गए और उन्होंने बीजेपी विधायक को जमकर फटकार लगाई। स्पीकर सीपी जोशी ने मदन दिलावर से कहा कि आप सार्वजनिक जीवन में किस तरह का उदाहरण पेश करना चाहते हैं। इसके बाद दिलावर बैठ गए। विधानसभा में मदन दिलावर उग्र तेवर अपनाते रहते हैं, स्पीकर पहले भी उन्हें फटकार लगा चुके हैं। लोढ़ा ने प्रशासन शहरों के संग अभियान में पट्टे बांटने में आबूरोड नगरपालिका की खराब प्रदर्शन को लेकर मंत्री और विभाग पर सवाल उठाए। इस दौरान लोढ़ा की स्पीकर से हल्की नोकझोंक भी हुई।

धारीवाल ने कहा कि सिरोही जिले में प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत 19 फरवरी तक 30559 प्रकरणों में से 26381 प्रकरणों का निस्तारण किया गया है। मात्र 4 हजार 188 प्रकरण शेष रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिरोही जिले में सात नगर पालिकाएं हैं। जिस भी नगरपालिका में अधिक संख्या में प्रकरण बाकी रह गए हैं, वहां विशेष टीम बनाकर भेजी जाएगी तथा अभियान चलाकर लम्बित प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। स्पीकर जोशी ने मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय के विभाग को लेकर भी सवाल किया। जिसका जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि डैम पंचायत राज विभाग में ट्रांसफर हो चुके हैं। इस पर स्पीकर ने कहा कि जब इरिगेशन विभाग ने ज्यादातर डैम पंचायती राज विभाग को ट्रांसफर कर दिए हैं तो फिर यह काम जानने वाले लोगों को भी ट्रांसफर करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि जब विभाग ने डैम ही ट्रांसफर कर दिया तो फिर विभाग को मैन पावर भी ट्रांसफर करनी चाहिए थी।

प्रदेश में 70 नए करोना संक्रमित मिले गुरूवार को

- इस बीच, राज्य में नए संक्रमितों के मुकाबले में दोगुना से ज्यादा मरीज ठीक हुए हैं।
- जयपुर जिले में पिछले चौबीस घंटों में 15 नए संक्रमित मिले हैं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में गुरूवार को नए करोना संक्रमितों की संख्या में और गिरावट आई है। इस दौरान केवल 70 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच दोगुना से ज्यादा मरीज ठीक होने से एक्टिव केस घटकर एक हजार से भी कम रह गए हैं।

प्रदेश में करोना संक्रमण का दायरा सिमटता जा रहा है। इसके चलते पिछले चौबीस घंटों में 16 जिलों में 70 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले बुधवार को इनकी संख्या 96 रही थी। इधर राजधानी जयपुर में आज 15 नए संकमित मिले हैं। इसके अलावा अलवर में 11, अजमेर में 8, उदयपुर में 6, टोंक, बीकानेर, चितौड़गढ़ व जोधपुर में 4-4, राजसमंद, कोटा व धौलपुर में 3-3 तथा सिरोही, सीकर, हनुमानगढ़, बूंदी व भरतपुर में एक-एक नया मरीज मिला। इस बीच राज्य में जांच के लिए 12 हजार 591 सैम्पल लिए गए हैं।

प्रदेश में गुरूवार को नए संक्रमितों के मुकाबले दोगुना से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान 177 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 938 रह गए हैं। जयपुर में भी आज 47 रोगियों के स्वस्थ होने से 218 मामले बाकी रह गए हैं। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक राज्य में इस बीमारी से 9637 लोगों की मौत हो चुकी है।

उधर, जयपुर में गुरूवार को 13 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें बस्सी और मानसरोवर में 2-2 तथा अजमेर रोड, आमेर, बनीपार्क, चौमूं, जगतपुरा, झोटवाड़ा, कालवाड़, रेलवे स्टेशन, सांगानेर और सोड़ाला में में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच एक संक्रमित का पता गलत मिला है।

सार-समाचार

छबड़ा की बेटी कौन बनेगा करोड़पति टीवी शो में पहुंची

छबड़ा (निसं)। शुक्रवार को रात 9 बजे सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाले कौन बनेगा करोडपति शो में छबडा की निवासी सिमरन गौरी पुत्री मकसुद अली का चयन होने पर कस्बे में खुशी का माहौल है। हर किसी का यही कहना है कि छबड़ा की बेटी ने कौन बनेगा करोड़पति में भाग लेकर कस्बे का नाम पूरे देश में रोशन कर दिया है। इस उपलब्धि के बारे में किसी को भी पता चल रहा है तो हर कोई सिमरन को बधाई दे रहा है। सिमरन बताया कि वे कई वर्षों से प्ले अलोन्ग खेलकर केबीसी के मंच तक जाने का प्रयास कर रही थी और इस वर्ष सीजन 14 में उन्हें यह अवसर प्राप्त हुआ है। सिमरन गौरी छबड्डा से दूसरी प्रतिभागी है जो केबीसी के मंच तक पहुंचने में सफल हुई है। सिमरन गौरी के बड्डे भाई तनवीर आलम ने बताया कि सोनी टीवी पर 23 सितंबर को प्रसारित होने वाले शो की शूटिंग के लिए केबीसी की टीम की तरफ से सिमरन को मुम्बई आमन्त्रित किया गया था, जिसमें वो भी सिमरन के साथ मुंबई गए थे वहां उन्हें भी अमिताभ बच्चन से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ। सिमरन की इस उपलब्धि पर छबड्डा में सभी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं और उनको बधाईयां मिल रही है। उनके शो का प्रसारण 23 सितंबर शुक्रवार को रात 9 बजे सोनी टीवी पर किया जाएगा।

पुरस्कार के लिए प्रस्ताव आमंत्रित

बून्दी, (निसं)। राज्य के सर्वश्रेष्ठ विशेष योग्यजनों एवं विशेष योग्यजनों के क्षेत्र में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्तियों, संस्थाओं को ' अर्न्तराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस' के अवसर पर 3 दिसंबर को राज्य स्तरीय विशेष योग्यजन पुरस्कार योजना में सम्मानित करने के लिए प्रस्तावित आमंत्रित किए गए है।सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि श्रेणी संख्या 1 पुरस्कार के लिए सर्वश्रेष्ठ विशेष योग्यजन व्यक्ति शामिल है, जो उत्कृष्ट कार्य कर अन्य विशेष योग्यजनों के लिए उदाहरण साबित हुए हो। उन्होंने बताया कि श्रेणी संख्या 2 पुरस्कार के लिए विशेष योग्यजन के क्षेत्र में कार्य करने वाले सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति,स्वंयसेवी संस्था, कार्यालय, ऐजेन्सियां जो विशेष योग्यजन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हो। उन्होंने बताया कि बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कार्यालय में संपर्क कर पात्रतानुसार निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन पत्र एवं समस्त दस्तावेज सहित 15 अक्टूबर तक प्रस्तुत कर सकेंगे। इसके बाद प्राप्त प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। योजना से संबंधित आवेदन पत्र का प्रारूप एवं जारी किया गया पत्र विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है।

पुनरीक्षण कार्यक्रम घोषित

झालावाड़, (निसं)। पंचायती राज संस्थाओं में 31 जुलाई 2022 तक रिक्त हुए पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, उपसरपंच, वार्ड पंच के पदों के लिए निर्वाचक नामावली तैयार करने के लिए पुनरीक्षण कार्यक्रम घोषित किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (अति. जिला कलेक्टर) राधेश्याम डेलू ने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत विशेष अभियान 25 सितम्बर रविवार, दावों एवं आक्षेपों को प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 27 सितम्बर मंगलवार, दावों एवं आक्षेपों के निस्तारण की अवधि 4 अक्टूबर मंगलवार तथा पूरक सूचियों की तैयारी की तिथि 10 अक्टूबर सोमवार निर्धारित की गई है। वहीं निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 13 अक्टूबर गुरूवार को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति पिड़ावा मुख्यालय सुनेल में वार्ड संख्या 16 के पंचायत समिति सदस्य, ग्राम पंचायत समरोल एवं पिपलोद में सरपंच, ग्राम पंचायत आंकखेड़ी के वार्ड 11 में उप सरपंच तथा कोल्वी उर्फ मण्डी राजेन्द्रपुर के वार्ड 4, क्यासरा के वार्ड 5, कोलूखेड़ी कला के वार्ड 6 व बनेठ के वार्ड 11 में वार्ड पंच के पद रिक्त है।

आभार जताया

छबड़ा, (निसं)। अभी हाल ही में राजस्थान वक्फ बोर्ड द्वारा बारां जिला वक्फ कमेटी व छबडा तहसील वक्फ कमेटी का गठन किया गया है। गुरुवार को पार्षद व एडवोकेट हस्सान खान ने उन्हें जिला कमेटी में सलाहकार व तहसील कमेटी में नायब सदर नियुक्त करने पर आदर्श नगर विधायक व अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष रफीक खान, राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ के चेयरमैन खानू खान बुधवाली, कैबिनेट मंत्री प्रमोद जैन भाया, पूर्व विधायक करणसिंह राठौड, पूर्व जिलाध्यक्ष निजामुद्दीन खान सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। खान ने कहा कि वो पूरी ईमानदारी से इस पद पर कार्य करते हुए शीर्ष नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास किया है, उस पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे। वही साजिद खान को छबडा औफाफ कमेटी के सदर की जिम्मेदारी दी हैं। जाहिर खान, वली अहमद को सरपरस्त, पार्शद उमर खान को नायब सदर, मुष्ताक मोहम्मद को सचिव, अब्दुल सलीम को कोशाध्यक्ष व साजिद हुसैन, आदिल हुसैन, एडवोकेट सईद फारूकी, अजमत अली, जहुर हाष्मी को सदस्य बनाया हैं।

संवाद कार्यक्रम का आयोजन

कोटा, (निसं)। जिला पुनर्वास केन्द्र के सभागार में जिला बाल संरक्षण ईकाई, बाल अधिकारिता विभाग द्वारा गुरूवार को पीएम केयर चिल्ड्रन योजनान्तर्गत लाभान्वित बच्चों व उनके अभिभावकों के साथ बच्चों को दिये जाने वाले परिलाभ, सुविधाओं के सम्बन्ध में संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला बाल संरक्षण ईकाई बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक डॉ. अजीत शर्मा ने बताया कि संवाद कार्यक्रम में कोविड-19 में प्रभावित बच्चों व उनके अभिभावकों के साथ बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, कैरियर काउन्सलिंग व आवास के सम्बन्ध में चर्चा की गई। अभिभावकों व बच्चों के साथ संवाद के दौरान राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा संचालित वर्तमान योजनाओं की प्रगति व परिलाभ प्राप्त करने के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गई व आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये।

तिलांजलि (तर्पण) कार्यक्रम 25 को

झालावाड़, (निसं)। श्री पीपा पीठ धाम झालावाड़ के पीठाधीश्वर झंकारेश्वराचार्य (त्यागी) महाराज ने बताया कि हमारी संस्कृति के अनुसार सभी के हमारे ऊपरा उपकार है। उस उपकार का बदला उनकी कृतज्ञता के रूप में श्रद्धापूर्वक नमन स्मरण करे। तीन ऋण देव ऋण, ऋषि ऋण व पितृ ऋण होते है। वर्तमान में श्राद्ध पक्ष चल रहा है इसमें पितरों को पूरे पखवाड़े श्रद्धा पूर्वक तिलांजलि देना चाहिए। इसी को देखते हुए सर्व पितृ अमावस्या दिनांक 25 सितम्बर को समेलजी पीपाधाम झालावाड में प्रात: 11:15 बजे नि:शुल्क पितरों का तर्पण करवाया जायेगा जिसके लिए श्वेत धोती एक उत्तरीयवस्त्र के रूप में अंगोछा व बैठने के लिए आसन तथा आचमन के लिए एक गिलास साथ में लेकर आना है। जिससे पितरों तर्पण आसानी से किया जा सकेगा।

भैंरूलाल मीणा अध्यक्ष बने

बून्दी (निसं)। अखिल राज राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के जिलाध्यक्ष अनीस अहमद ने तालेड़ा क्षेत्र में संघटन को मजबूती प्रदान करने के लिए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भूमा के खेडा के प्रबोधक शिक्षक भेरूलाल मीणा को कर्मचारी महासंघ एकीकृत उपशाखा तालेड़ा का ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति अगले निर्वाचन अथवा मनोनयन तक प्रभावी रहेगी। भेरूलाल की नियुक्ति से तालेड़ा उपखंड के कर्मचारियों में हर्ष की लहर है। उनकी नियुक्ति पर कर्मचारी महासंघ के जिला महामन्त्री अरुण शर्मा ,प्रबोधक संघ जिलाध्यक्ष नूतन तिवारी, घनश्याम शर्मा अटल, मनोज खटीक ,बलविंदर ढिल्लो, अशोक मन्दावत, वरुण शर्मा, रणजीत राजावत, जितेंद्र चंदेल, दुर्गाशंकर मीणा, कैलाश मीणा ने हर्ष व्यक्त किया है। यह जानकारी संघटन के जिला प्रवक्ता मुस्तकीम बेहलीम ने मीडिया को दी।

आज शाम 4 बजे तक दस्तावेज जमा होंगे

छबड़ा (निसं)। स्थानीय राजकीय महाविद्यालय में स्नातक भाग प्रथम वर्ष प्रवेश के दस्तावेज जमा किये जा रहे जो शुक्रवार को अंतिम दिन शाम 4 बजे तक जमा किए जायेंगे। राजकीय महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य कौशल किशोर ने बताया कि स्नातक भाग प्रथम वर्ष के दस्तावेज जमा कराने की अंतिम तिथि शाम 4 बजे तक है एवं जिन छात्राओं ने पिछले वर्ष देवनारायण स्कूटी योजना में फॉर्म भरा था, उनकी लिस्ट के दस्तावेज जमा कराने की अंतिम तिथि भी शाम 5 बजे तक उसके बाद आने वाले आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

तैयारी बैठक आज

कोटा, (निसं)। राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक के जिला स्तरीय कार्यक्रम के आयोजन की पूर्व तैयारी के लिए जिला कलक्टर ओपी बुनकर की अध्यक्षता में शुक्रवार 23 सितम्बर को प्रात: 11:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जायेगी।

अवैध देशी पिस्टल सहित आरोपी गिरफ्तार

बूंदी (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव ने अवैध हथियार तस्करी, अवैध मादक पदार्थ, अवैध गतिविधियों पर प्रभारी जिला विशेष टीम व समस्त थानाधिकारी गण को अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश पर कोतवाली थानाधिकारी सहदेव सिंह पु.नि. के नेतृत्व में थाना स्तर की टीम ने कार्रवाई करते हुये आरोपी सियाराम नागर से एक अवैध देशी पिस्टल जब्त करने में सफलता अर्जित की है। आरोपी से अनुसंधान जारी हैं।

थानाधिकारी सहदेव सिंह ने बताया कि जाब्ता के साथ दौराने गस्त नाकाबन्दी के देवली तिराहा से धानमंडी के ओर आती मोटरसाईकिल हीरो स्पलेण्डर प्लस नं. कर उसके चालक से नाम पता पूछा तो घबराते हुये उसने अपना नाम सियाराम नागर पुत्र देवलाल नागर धाकड़ (22) निवासी दौलाडा थाना सदर जिला बून्दी का होना बताया। संदिग्ध सियाराम नागर की नियमानुसार तलाशी ली तो एक देशी पिस्टल मिला जिसका कोई अनुज्ञापत्र नहीं होना बताया। आरोपी सियाराम का कृत्य धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत दण्डनीय अपराध होने से बाद मौके की कार्रवाई करते हुए मोटरसाईकिल हीरो स्पलेण्डर प्लस व मोबाईल जब्त कर गिरफ्तार कर लिया।

बूंदी में नाकाबंदी के दौरान देशी पिस्टल सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

चन्द्रभागा मेले के संबंध में बैठक हुई

झालावाड़, (निसं)। चन्द्रभागा मेला, झालरापाटन में 7 से 9 नवम्बर तक पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के संबंध में जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित की अध्यक्षता में गुरूवार को मिनी सचिवालय के सभागार में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि चन्द्रभागा पशु मेला कई वर्षों से बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया जाता रहा है। परन्तु इस वर्ष प्रदेश में फैल रही लम्पी स्कीन डिजीज के कारण पशु हॉट मेलों पर रोक लगाई गई है, जिसके मद्देनजर इस वर्ष झालरापाटन में भी पशु मेले को छोड़कर अन्य गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाने का निर्णय लिया गया है। जिला कलक्टर ने बताया कि चन्द्रभागा मेले में प्रति वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इसलिए चन्द्रभागा मेले के पुराने स्वरूप को सुरक्षित रखते हुए इस वर्ष विशेष आर्कषण के लिए नई गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं को सम्मिलित किया जाएगा।

'शुद्ध के लिए युद्ध' अभियान के तहत मुख्य बाजार का निरीक्षण किया

बूंदी (निसं)। 'शुद्ध के लिए युद्ध' अभियान के तहत सीएमएचओ ओपी सामर एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी संजय सिंह ने गुरुवार को बून्दी के बाजार का सर्वे किया। एवं खाद्य पदार्थों का निरीक्षण कर नमूने लिए सीएमएचओ ड्रॉ ओपी सामर साहब की उपस्थिति में खाद्य सुरक्षा टीम के संजय सिंह खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं मोजी लाल कुम्भकार खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं टीम ने मोके पर जाकर निरीक्षण किया और शिवम् ट्रेडर्स बून्दी से खाद्य पदार्थ का नमूना लिया तथा कृष्णा डेयरी एवं रोनक डेयरी से नमूने लिए।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने 'शुद्ध के लिए युद्ध' अभियान के तहत बाजार में नमूने लिये।

बुधवार को किसी आम नागरिक द्वारा कलर युक्त मटर बेचने के बारे में शिकायत प्राप्त हुई थी जिसके संदर्भ में भी आज डेयरी संस्थानों पर एवं बून्दी में स्थित सब्जी मण्डीयों में मटर का निरीक्षण किया। दौरान मेन मार्केट वाली सब्जी मण्डी में विक्रेता राकेश, नूरद्दीन आदि कई विक्रेताओं के मटर को मोके पर ही निरक्षण कर सभी विक्रेताओं को हिदायत दी गई एवं बहादूर सिंह सर्किल पर स्थित सब्जी मण्डी का निरीक्षण कर सभी विक्रेताओं को हरे रंग से रंगी हुई मटर को बेचने के लिए मना किया। एवं अपने आस पास साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए। डॉ ओपी सामर साहब अभिहित अधिकारी द्वारा उक्त हरा कलर लगा मटर पुन: बेचते हुए पाए जाने पर उचित कार्यवाई करने के निर्देश दिए। ताकि आम जनता को अशुद्ध खाद्य पदार्थ के सेवन करने से बचाया जा सकें। इस दौरान टीम सदस्य नरेश मेवाडा, करामत खान का विशेष सहयोग रहा।

सीएमएचओ डॉ. ओपी सामर ने चिरंजीवी चौपाल का निरीक्षण किया

बून्दी (निसं)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ ओपी सामर ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के व्यापक प्रचार प्रसार के अन्तर्गत गुढानाथावतान व हट्टीपुरा में चल रही चिरंजीवी चौपाल में पहुंचकर चिरंजीवी योजना की प्रगति की जानकारी ली साथ ही चौपाल में आये ग्रामीणों को पम्पलेट वितरण करवाकर चिरंजीवी योजना की जानकारी प्रदान की चौपाल के दौरान उन्होंने योजना से वंचित परिवारों का पंजीयन करने के लिए प्रति आशा व एएनएम को चौपाल के तहत् 10 परिवारों का पंजीयन करने के लिए निर्देशित किया।

गुढानाथावतान में जनकल्याणकारी योजना से ग्रामीणों से जोडने के लिए कई भामाशाह भी सामने आ रहे है। इसी क्रम में गुढानाथावतान पंचायत समिति के सदस्य दलवीर सिंह यादव ने 12 परिवारों के चिरंजीवी योजना में पंजीयन के लिए राशि दान की एवं 850 रूपये प्रति परिवार को जोडने के उद्देश्य से 6 परिवार ग्राम मंगाल व 6 परिवार ग्राम गुढानाथावतान को दिये। डॉ0 सामर ने चिरंजीवी चौपाल के बाद पीएचसी गुढानाथावतान का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सा अधिकारी प्रभारी को निर्देश देते हुए कहा कि समस्त स्टाफ समय पर चिकित्सा संस्थान पर आये यह सुनिश्चित करें तथा जो कर्मचारी समय पर नहीं आ रहे है, उन्हें समय पर आने के लिऐ पाबन्द किया जाये इस दौरान उन्होंने चिकित्सा अधिकारी से जानकारी ली कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में गुढानाथावतान में जिन लोगों का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है, उनका रजिस्ट्रेशन करवाया जाना सुनिश्चित करे। इस दौरान उन्होंने चिकित्सा संस्थानों पर साफ सफाई का विशेष ध्यान देने एवं आमजन को विभाग की योजनाओं का पूरा लाभ मिले यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

डॉ सामर ने मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस का निरीक्षण किया। पीएचसी निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौसमी बीमारी के प्रतिदिन बुखार के व्यक्तियों की ब्लड स्लाइड लेने के निर्देश देते हुऐ कहा कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरते। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के लाभार्थियों को मोटिवेशन करके इस योजना में चिरंजीवी चौपाल के तहत् पंजीकरण करवाने के निर्देश दिये।

पर्यटन विकास समिति की बैठक हुई

झालावाड़, (निसं)। जिला स्तरीय पर्यटन विकास समिति की बैठक गुरूवार को जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित की गई। जिला कलेक्टर ने गागरोन किले में उग रही जंगली घास एवं झाड़ियों की पूर्ण रूप से सफाई कराने तथा पर्यटकों के लिए कैफेटेरिया खुलवाने से संबंधित प्रस्ताव तैयार कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कोल्वी की गुफाओं पर आवश्यक सुविधाएं एवं साफ-सफाई, लाईट व्यवस्था आदि कार्य करवाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिला कलेक्टर ने गांवड़ी तालाब के किनारे प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए आरएसआरडीसी के अधिकारी को लाइटें लगवाने सहित अन्य कार्य पूर्ण कर नगर परिषद् को सौंपने के निर्देश दिए।

'हमारा स्वास्थ्य, हमारी जिम्मेदारी' अभियान 26 सितंबर से

बून्दी (निसं)। मानसून के बाद मलेरिया व डेंगू रोगियों की संख्या में बढ़ोतरी के चलते सभी विभाग मिलकर, आपसी समन्वय के जरिए इन मौसम व मच्छरजनित बीमारियों को रोकने का साझा प्रयास करेंगे। राज्य सरकार ने विगत वर्षों के आंकड़ों के आधार पर आशंका व्यक्त की है कि सितंबर आखिर व अक्टूबर माह में डेंगू केसेज में ज्यादा बढ़ोतरी होती है।

लिहाजा इस अवधि के दौरान मच्छरों की ट्रांसमिशन श्रृंखला को तोड़ने के लिए मच्छर रोधी गतिविधियां आवश्यक है, जिसके लिए 26 सितंबर से 21 अक्टूबर तक 'हमारा स्वास्थ्य, हमारी जिम्मेदारी अभियान' चलाया जाएगा।सीएमएचओ डॉ. सामर ने बताया कि अभियान के दौरान चिकित्स विभाग की ओर से आशा व एएनएम सर्वे करेंगी और एलएचवी व पीएचएन सुपरवाइजर होंगे। टीमें घर-घर बुखार के रोगियों का सर्वे व एंटीलार्वल गतिविधियां कर रिपोर्ट तैयार करेंगी और बुखार के रोगियों की रक्त पट्टिकाएं बनाएंगी। इसी तरह संबंधित एरिया के स्थानीय निकाय नालियों की नियमित सफाई, नालियों व गंदे पानी के स्त्रोतों में एमएलओ डालने, फोगिंग करने, सडक़ पर बने गड्ढों को भरने, घर के बाहर रखी टंकी व अन्य पानी के स्त्रोतों को साफ करवाने, जिन घरों में मच्छर के लार्वा पाए जाएं वहां चालान कार्रवाई करने, मुख्य जन निकायों की सफाई, यहां उगने वाली अनावश्यक वनस्पतियों की सफाई व कटाई व प्रचार-प्रसार गतिविधियां करेंगे। नागरिक सुरक्षा विभाग छत पर रखी पानी की टंकियों की सफाई करवाने व खुली टंकियों को ढकने के निर्देश देंगे। ईएसआई व रेलवे अस्पताल डेंगू की जांच कर प्रतिदिन रिपोर्ट सीएमएचओ व निदेशालय में भेजेंगे। अपने कैंपस व संबंधित इलाके में सोर्स रिडक्शन व एंटीलार्वल गतिविधि करेंगे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने मौसमी बीमारियां रोकने की शपथ दिलाई।

पशुपालन विभाग स्क्रब टायफस नियंत्रण व बचाव के लिए आवश्यक गतिविधयां करेंगे। आयुर्वेद विभाग सर्वे व सुपरविजन गतिविधियों में सहयोग देंगे। पंचायती राज विभाग डीडीटी स्प्रे संचालन के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की उपलब्धता व ग्रामीण क्षेत्रों में फोगिंग करवाएंगे। शहरी विकास विभाग, हाउसिंग बोर्ड व आवासन मंडल कॉलोनियों व मल्टी स्टोरी अपार्टमेंट एवं कन्सट्रक्शन साइट पर नियमित एंटीलार्वल व अन्य गतिविधियां करवाएंगे। नर्सिंग काउंसिल की ओर से नर्सिंग स्टूडेंट्स से सर्वे कार्य करवाएंगे। वहीं शिक्षा विभाग स्टूडेंट्स को प्रार्थना सभा में मौसमी बीमारियों व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेंगे और विद्यालय परिसर में एंटीलार्वल व सोर्स रिडक्शन गतिविधियां करेंगे। इसके साथ ही 22 सितंबर को सभी विभाग द्वारा मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए शपथ ली गई।

सार-समाचार

अतिक्रमण हटाने की मांग की

मांगरोल (निसं)। कस्बे में हिंदू समाज की आस्था का केंद्र रावण जी के ढोल स्थल पर चारदीवारी काम चल रहा है लेकिन ढोल के आसपास आ गए अतिक्रमण हटाने को लेकर हिंदू समाज की ओर से बुधवार को अतिक्रमण हटाने वह पैमाइश कराने को लेकर ज्ञापन दिया था जबकि रावण जी ढोल की जमीन 1985 के अनुसार रिकॉर्ड में 14 बीघा के करीब जमीन थी बीच में किसी अधिकारी द्वारा इस जमीन के साथ हेराफेरी कर नगर पालिका खाते में चढा दिया गया था लेकिन हिंदू समाज द्वारा जमीन को रावण जी के ढोल के नाम दर्ज करा कर अब वर्तमान में 1 पॉइंट 38 एकड़ भूमि रावण जी के ढोल के नाम दर्ज है करीबन 8:30 बीघा के ऊपर जमीन दर्ज है लेकिन रावण जी के ढोल के आसपास अति कर्मियों ने अवैध रूप से मकान बनाकर वह खिडकी दरवाजे निकाल लिए गए हैं इसलिए अतिक्रमण हटाने को लेकर सब हिंदू समाज की ओर से ज्ञापन दिया गया था इसमें पैमाइश करा कर अतिक्रमण हटाकर चारदीवारी का निर्माण किया जाए ऐसा नहीं किया गया तो हिंदू समाज जन आंदोलन करेगा इस विकट समस्या को देखते हुए उपखंड अधिकारी मांगरोल ने गुरुवार को एसडीएम कार्यालय में दोनों समुदायों के लोगों को बुलाकर मीटिंग ली गई जबकि मीटिंग हिंदू समाज की ओर कहां की रावण जी के ढोल के नाम जो जमीन जिओ 1 पॉइंट 38 सेक्टर भूमि है उसकी पैमाइश करवा कर ही निर्माण करवाया जाए मीटिंग में उपखंड अधिकारी मांगरोल रजत कुमार विजय, तहसीलदार मांगरोल ,नगर पालिका अध्यक्ष कौशल सुमन ,थानाधिकारी मांगरोल रामस्वरूप मीणा, नगर पालिका अधिशासी अधिकारी शुभम गुप्ता, नगर पालिका के सहायक अभियंता नारायण लाल मीणा ,हिंदू समाज की ओर से पूर्व पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ,कर्मवीर शर्मा, निरजन जैन , हरिओम शर्मा वह मुस्लिम समुदाय की ओर से जमील अहमद रफीक बाड़ी अन्य मुस्लिम के लोग मौजूद रहे।

किशोरी शैक्षिक उत्सव 2022 का आयोजन

इटावा (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सन्मानपुरा में गुरुवार को किशोरी शैक्षिक उत्सव 2022 का आयोजन किया गया। राज्य सरकार की गाइड लाइन के अनुसार कक्षा 6 से 8 व कक्षा 9 से 12 के अलग-अलग समूह बनाए गए। उत्सव में स्थानीय विद्यालय के अतिरिक्त अधीनस्थ विद्यालय यूपीएस बांगरोद व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बोरदा ने भी भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्य सुरेशचंद रावत व पूर्व प्रधानाध्यापक बालमुकुंद नागर व स्टाफ सदस्यों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। किशोरी शैक्षिक उत्सव प्रभारी रोशन मीणा ने बताया कि समूह 6 से 8 में अंग्रेजी में आर्टिकल मॉडल, विज्ञान में हृदय मॉडल व सामाजिक विज्ञान में चंद्रमा की कलांओ के मॉडल के साथ सन्मानपुरा विद्यालय विजेता रहा। इसके साथ ही समूह 9 से 12 में अंग्रेजी में प्रपोजिशन मॉडल, सामाजिक ज्ञान में वायु प्रदूषण मॉडल व गणित में बीजीय सर्वसमिकाएं के मॉडल के साथ सन्मानपुरा विद्यालय विजेता रहा। इस उत्सव में बोरदा, बांगरोद व सन्मानपुरा विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। प्रधानाचार्य सुरेश रावत ने सभी अतिथियों व विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और सफल उत्सव आयोजन के लिए समस्त टीम को बधाई दी।

उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया

मांगरोल (निसं)। महाविद्यालय की विभिन्न समस्याओं को लेकर गुरुवार को छात्रसंघ अध्यक्ष के नेतृत्व में छात्र छात्राओं ने राजकीय महाविद्यालय के बाहर धरना देकर नगर में जुलूस निकालकर उपखंड कार्यालय पहुंचकर नारेबाजी कर शिक्षा मंत्री के खिलाफ स्थानीय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की एवं अपनी जन समस्याओं को अधिकारी को अवगत कराया कहा कि हमारा महाविद्यालय मैं पढने वाले छात्र-छात्राएं 510 है विद्यालय में ना अध्यापक है ना स्टाफ पुरानी बिल्डिंग जर्जर भवन में महाविद्यालय चल रहा है बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता है ना शौचालय है ना सुविधा छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ता है जबकि इटावा रोड पर नवनिर्मित कॉलेज वह तरीके से बन चुका है इसलिए उच्च नए कॉलेज में हमारे लिए बैठने की व्यवस्था की जाए इसे पढकर अपना भविष्य बना सके क्या संघ अध्यक्ष राजेश गुर्जर ने बताया कि कि महाविद्यालय में 8 जनों का स्टाफ होना की संख्या है वर्तमान में 4 अध्यापक अध्यापिका है इसलिए छात्रों की पढाई नहीं हो पा रही और और शिक्षक लगाई जाए ज्ञापन देने में अंकिता प्रिया मोना राखी अंकित हजारों अन्य छात्राएं मौजूद है।

ग्राम समितियां गठित करने पर चर्चा

इटावा (निसं)। तहसील पीपल्दा एवं खातोली की भारतीय किसान संघ की संयुक्त बैठक गुरुवार को कृषि उपज मंडी इटावा में संपन्न हुई। जिसमें संगठन को मजबूत करने के लिए ग्राम समितियां गठित करने की बात पर जोर दिया गया जिसके तहत सभी ग्राम पंचायतों के प्रभारी नियुक्त कर कार्य विभाजन किया गया। प्रवक्ता उमाशंकर धाकड नीमसरा ने बताया कि जितेंद्र कुमार नागर को जिला युवा प्रमुख एवं मुकुट बिहारी मीणा को तहसील उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपने पर सदस्यों ने खुशी जताई।बैठक में संभाग अध्यक्ष विक्रम सिंह, प्रांत संगठन मंत्री परमानंद, जिलाध्यक्ष गिरिराज चौधरी, जिला कोषाध्यक्ष रूपनारायण यादव, तहसील अध्यक्ष अशोक जांगिड, रविंद्र योगी, प्रेमशंकर नागर, रमेश नागर,रामेश्वर मीणा ,रामदयाल मीणा,हरिशंकर नागर,गोपी लाल सुमन, प्रभुलाल मीणा आदि किसान मौजूद रहे। साथ ही नवीन दायित्व की घोषणा जिला अध्यक्ष गिरिराज चौधरी ने की।

पोषण संबंधी जानकारी दी

छबड़ा, (निसं)। आंगनबाडी केंद्र कडैयानोहर पर गुरूवार को पोषण माह का आयोजन किया गया, जिसमें पोषण संबंधी जानकारी दी। ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर हरीश कटारे ने बताया कि गर्भवती माताओं को सामान्य महिलाओं से अधिक भोजन की आवश्यकता होती है क्योंकि उनके भ्रूण में पल रहे बच्चे को भी भोजन मां के आहार से ही मिलता है। प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना तथा इंदिरा गांधी मातृत्व पोषण योजना के बारे में शर्तों को समझाते हुए सलाह दी कि योजना का लाभ लेने के लिए जनाधार से बैंक खाता लिंक करवाएं। इसी क्रम में आंगनबाडी केंद्र बिंदाराडी और भूलोन में प्रोग्राम मैनेजर अनुराधा सोनी द्वारा जानकारियां दी। यहां एएनएम मरियम्मा एवं सुरेश कुशवाहा, मोहम्मद इरफान, विजय शर्मा, सतीश नामा एवं चित्रा शर्मा ने भी पोषण संबंधी बिंदुओं पर चर्चा की।

इटावा में रामलीला का मंचन 24 से

इटावा (निसं)। इटावा नगर में आदर्श रामलीला संस्थान के तत्वावधान में इटावा नगर में रामलीला का मंचन शनिवार 24 सितम्बर से होगा। महामंत्री बलराम गर्ग ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्थानीय कलाकारों द्वारा ही मंचन किया जाएगा। नगर में हर वर्ष रामलीला का मंचन स्थानीय कलाकारों द्वारा किया जाता है। इस अवसर पर अध्यक्ष चैनसुख मित्तल, उपाध्यक्ष मूलचंद मीना, प्रमोद कोठारी, गिरधारी नागर, दुर्गाशंकर सोनी, हेमंत नागर, प्रदीप नागर, चेतन बंसल सहित कार्यकारणी के सदस्य मौजूद रहे।

शिक्षकों ने शिक्षा मंत्री से मुलाकात की

छबड़ा (निसं)। तृतीय श्रेणी शिक्षकों के ट्रांसफर की मांग को लेकर जयपुर में शिक्षक संघ युवा के प्रदेश अध्यक्ष आरसी जाखड नेतृत्व में किए गए धरना-प्रदर्शन में ब्लॉक अध्यक्ष अशोक कुमार मीणा के नेतृत्व में जिले के शिक्षक संघ पदाधिकारियों ने भाग लिया। यहां प्रतिनिधि मंडल ने शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर समस्या के समाधान की मांग की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष महेंद्र सिंह, भुवनेश मालव, धर्मेंद्र, हरिप्रकाश मेघवाल, पूरनमल गुर्जर सहित सैकडो शिक्षक मौजूद रहे।

शुक्रवार को नीलामी बंद

छबड़ा, (निसं)। कृषि उपज मंडी समिति में लहसुन की भारी आवक से हो रही अव्यवस्थाओं के चलते नीलामी प्रक्रिया षुक्रवार को बंद रहेगी। ग्रेन मर्चेंट एसोएिसशन के सचिव पुनीत गालव के अनुसार इन दिनों यहां लहसुन की आवक में बढोत्तरी होने से अव्यवस्थाएं होने लगी है। इस कारण षुक्रवार को नीलामी कार्य बंद रखने का निर्णय लिया हैं ताकि व्यवस्थाएं पुन: सुचारू की जा सके।

समीक्षा बैठक 30 सितम्बर को

झालावाड़, (निसं)। पन्द्रह सूत्रीय कार्यक्रम की तृतीय तिमाही जिला स्तरीय समिति की समीक्षा बैठक 30 सितम्बर को दोपहर 12 बजे जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित की जाएगी। यह जानकारी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी गजेन्द्र गौतम द्वारा दी गई।

मेरा मानना है कि दोनों भारतीय टीम में जगह के हकदार हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि दोनों विकेटकीपर हैं। उनकी बल्लेबाजी इतनी दमदार है। पंत मध्यक्रम में और कार्तिक फिनिशर के तौर पर काफी खतरनाक हो सकते हैं। - रिकी पोंटिंग

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ बजरंग पूनिया

ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया विश्व चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के जॉन माइकल दियाकोमिहालिस के खिलाफ मुकाबले के दौरान सिर की चोट के लिए चिकित्सकों के द्वार इस्तेमाल किये गये 'कठोर टेप' से नाराज है। विश्व कप में अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में लगे बजरंग को बेलग्रेड में अपने शुरुआती मुकाबले के पहले ही मिनट में क्यूबा के एलेजांद्रो एनरिक व्लादेस टोबियर के खिलाफ सिर में चोट के कारण खून निकलने लगा था। वहां मौजूद चिकित्सकों ने उनकी चोट के ऊपर 'कठोर टेप' लगाया था।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्बाब्वे के तातेदु ताएब ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टेस्ट कप्तान बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

डेथ ओवरों के सवाल का जवाब ढूंढेगा भारत

भारत-ऑस्ट्रेलिया में दूसरा टी-20 आज

नागपुर, 22 सितंबर। भारतीय टीम तीन मैचों की शृंखला में 0-1 से पिछड़ने के बाद शुक्रवार को दूसरे टी20 में जसप्रीत बुमराह की वापसी से डेथ ओवरों में अपनी गेंदबाजी सुधारना चाहेगी। भारत पहले मैच में 209 रन के विशाल लक्ष्य की रक्षा नहीं कर सका और उसे चार विकेट से हार मिली। ऑस्ट्रेलिया से पहले पाकिस्तान और श्रीलंका भी भुवनेश्वर कुमार के 19वें ओवर में जमकर रन बटोर चुके हैं, जो भारत के लिये चिंता का विषय है।

गेंदबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण दूसरे मैच में बुमराह के खेलने की उम्मीदें ज्यादा हैं, हालांकि उनके स्वास्थ्य पर अब भी संशय है। बुमराह पीठ की चोट के कारण इंग्लैंड दौरे के खत्म होने के बाद से ही खेल से बाहर है।

लगातार महंगे साबित हो रहे युजवेंद्र चहल की गेंदबाजी पर भी सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं, मानो उन्होंने बल्लेबाजों को परेशान करने की अपनी क्षमता खो दी हो। चोटग्रस्त रवींद्र जडेजा की जगह टीम में आये अक्षर पटेल ने हालांकि मोहाली में 17 रन के बदले तीन विकेट झटककर सीधे तौर पर अपनी काबिलियत साबित कर दी है। बल्लेबाजी में रोहित और विराट कोहली पिछले मैच में की गयी गलतियों को ठीक करना चाहेंगे। के एल राहुल, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या अपनी विस्फोटक फॉर्म को जारी रखने का प्रयास करेंगे। विश्व कप के करीब आने के साथ टीम प्रबंधन दिनेश कार्तिक या ऋषभ पंत को परख सकता है। कार्तिक को फिनिशर की भूमिका निभाने के लिये कई मौके नहीं मिले हैं, और अगर शुक्रवार को उन्हें मौका मिलता है तो वह अपना लोहा मनवाना चाहेंगे।

सिर्फ भारतीय ही नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी की स्थिति भी चिंताजनक रही है। नेथन एलिस के अलावा सभी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने सात से अधिक की इकॉनॉमी रेट से रन लुटाये। कैमरन ग्रीन और पैट कमिंस ने मोहाली में अंतिम पांच ओवरों में 67 रन दिए। बल्लेबाजी में हालांकि ऑस्ट्रेलिया डेविड वॉर्नर, मिचेल मार्श और मार्क्स स्टॉयनिस की अनुपस्थिति में भी बेहद मजबूत दिखी। ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन ने अपने दूसरे टी20 में ही वॉर्नर की कमी को पूरा किया और ओपनिंग करते हुए विस्फोटक अद्धर्शतक जड़ा।

मैथ्यू वेड ने अंत में ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाला और 21 गेंदों में नाबाद 45 रन की मैज जिताऊ पारी खेली। अनुभवी आरोन फिंच और ग्लेन मैक्सवेल की मौजूदगी ऑस्ट्रेलिया को और भी खतरनाक बना देती है। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने मोहाली में कुल 400 से अधिक रन बनाए थे, लेकिन विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन की पिच धीमी दिखती है। बुमराह की अगुवाई में भारतीय आक्रमण इसका इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करना चाहेगा। कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में भारतीय थिंक टैंक रविचंद्रन अश्विन को गेंदबाजों के अनुकूल ट्रैक पर आजमा सकता है। हर्षल पटेल शुक्रवार की भिड़ंत में विशेष योगदान दे सकते हैं।

बुमराह तैयार, चिंता की कोई बात नहीं : सूर्यकुमार

नागपुर, 22 सितंबर। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने जसप्रीत बुमराह की फिटनेस संबंधी चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि 'चिंता की कोई बात नहीं है' और यह तेज गेंदबाज पीठ की चोट से उबर कर मैदान पर उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार है। बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती टी20 अंतरराष्ट्रीय में अंतिम एकादश का हिस्सा नहीं थे। चोट से वापसी कर रहे इस गेंदबाज को टीम प्रबंधन ने थोड़ा और समय देने का फैसला किया था। बुमराह इंग्लैंड दौरे के बाद से भारतीय टीम का हिस्सा नहीं है। दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले सूर्यकुमार से ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में जब बुमराह की फिटनेस और टी20 टीम में उमेश यादव को लेकर योजना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, "मुझे किसी खिलाड़ी पर टीम की योजना को लेकर कोई जानकारी नहीं है। यह मेरा विभाग नहीं हैं। इस सवाल का जवाब फिजियो और टीम प्रबंधन दे सकता है।" उन्होंने कहा, "टीम में हालांकि माहौल अच्छा है और सभी खिलाड़ी फिट और दूसरे मैच के लिए तैयार हैं।" उन्होंने बुमराह के बारे में दोबारा पूछे जाने पर कहा, "वह पूरी तरह से तैयार है, चिंता की कोई बात नहीं।" बुमराह की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम 208 रन के लक्ष्य का बचाव करने में विफल रही थी। तेज गेंदबाजों ने 150 से अधिक रन लुटाये। सूर्यकुमार ने गेंदबाजों का बचाव करते हुए कहा, "वास्तव में पिछले मैच के बाद हमने कोई चर्चा नहीं की लेकिन मैदान में ओस थी। आपको ऑस्ट्रेलिया को श्रेय देना होगा, वे आक्रामक क्रिकेट खेले।"

भारत-ए ने न्यूज़ीलैंड-ए को 7 विकेट से हराया

चेन्नई, 22 सितंबर। भारतीय एकदिवसीय टीम के संभावित खिलाड़ियों से बनी भारत-ए ने न्यूजीलैंड-ए को पहले अनाधिकारिक वनडे में गुरुवार को सात विकेट से मात दी। न्यूजीलैंड-ए पहले बल्लेबाजी करते हुए 167 रन पर ऑलआउट हो गयी, जिसके बाद भारत-ए ने 168 रन का लक्ष्य 31.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर कीवी टीम को बल्लेबाजी के लिये बुलाया और गेंदबाजों ने उनके फैसले को सही साबित किया।

शार्दुल ठाकुर ने चैड बोवेस (10), डेन क्लीवर (04), और रॉबर्ट ओ डॉनेल (22) को आउट किया, जबकि कुलदीप सेन ने रचिन रविंद्र (10), जो कार्टर (01) और टॉम ब्रूस (शून्य) का विकेट लिया। कुलदीप यादव ने भी मौका मिलने पर लोगन वैन बीक को पवेलियन भेजा। न्यूजीलैंड-ए के 74 रन पर आठ विकेट गिरने के बाद माइकल रिपन ने जो वॉकर के साथ मोर्चा संभाला और 89 रन की बहुमूल्य साझेदारी की। रिपन ने 104 गेंदों पर चार चौके लगाते हुए 61 रन बनाये, जबकि जो वॉकर ने तीन चौकों और एक छक्के के साथ 49 गेंदों पर 36 रन बनाकर कीवी टीम को 40.2 ओवर में 167 रन तक पहुंचाया।

भारतीय टीम के लिये 168 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पृथ्वी शॉ और रुतुराज गायकवाड़ ने धीमी शुरुआत की। गायकवाड़ ने चौथे ओवर में अपने हाथ खोलते हुए सोलिया की गेंद पर छक्का जड़ा। शॉ हालांकि अपने आक्रामक रूप में नजर नहीं आये और सिर्फ एक छक्के के साथ 24 गेंदों पर 17 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। गायकवाड़ (41) और राहुल त्रिपाठी (31) ने दूसरे विकेट के लिये 56 रन की साझेदारी की।

कप्तान संजू सैमसन (29 नाबाद) और रजत पाटीदार (45 नाबाद) ने तीसरे विकेट के लिये 69 रन जोड़कर भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया।

भारत में आईपीएल खेलने का अनुभव काम आया : टिम डेविड

नागपुर, 22 सितंबर। सिंगापुर में जन्मे आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टिम डेविड ने बृहस्पतिवार को कहा कि आईपीएल के दौरान भारतीय हालात में खेलने के अनुभव से उन्हें पहले टी20 मैच में दबाव में संयम बनाये रखने में मदद मिली। डेविड ने पिछले साल चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिये आईपीएल में पदार्पण किया था। इसके बाद उन्हें मुंबई इंडियंस ने खरीद लिया जिसके लिये इस साल उन्होंने आठ मैच खेले।

डेविड ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, "मुझे लगता है कि भारत में पहले खेलने का अनुभव काफी काम आया। मुझे पता था कि हम वह रन बना लेंगे। डेविड ने अपने पदार्पण मैच में 14 गेंद में 18 रन बनाये और मैथ्यू वेड (45) के साथ 62 रन की साझेदारी करके आस्ट्रेलिया को चार विकेट से जीत दिलाई। उन्होंने कहा, "भारत में खेलने के अनुभव से हमें पिचों के बारे में और दबाव के बारे में अच्छा अनुमान हो गया।

भारतीय हालात में लक्ष्य का पीछा करना फायदेमंद होता है। आस्ट्रेलियाई टीम में अपनी भूमिका के बारे में उन्होंने कहा, "मेरा काम मध्यक्रम में बल्लेबाजी करना है यानी मैं बहुत ज्यादा गेंदों का सामना करने नहीं जा रहा। मेरी जिम्मेदारी फिनिशर की है और मैं अपने स्वाभाविक शॉट्स खेलूंगा।"

निशानेबाजी जूनियर विश्व चैम्पियनशिप : भारत की झोली खाली

ओसियेक (क्रोएशिया), 22 सितंबर। भारतीय जूनियर ट्रैप टीम यहां आईएसएसएफ विश्व शॉटगन चैम्पियनशिप में पदक नहीं जीत सकी। जूनियर पुरूष वर्ग में शपथ भारद्वाज और महिला वर्ग में भव्या त्रिपाठी ने सात भारतीय निशानेबाजों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। शपथ दो दिन क्वालीफाइंग दौर के 111 के स्कोर के साथ 15वें और भव्या 103 स्कोर के साथ 14वें स्थान पर रही। जूनियर पुरूष ट्रैप के आर्य वंश त्यागी और शारदुल विहान क्रमश: 32वें और 37वें स्थान पर रहे। जूनियर महिला वर्ग में सबीरा हैरिस 19वें, प्रीति रजक 22वें और आद्या त्रिपाठी 32वें स्थान पर रही।

सानिल शेट्टी उलटफेर से बचे, मिश्रित युगल में शीर्ष वरीय बाहर

सूरत, 22 सितंबर। पूर्व राष्ट्रीय चैम्पियन और तीसरी वरीयता प्राप्त सानिल शेट्टी उलटफेर का शिकार होने से बच गए जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त जी साथियान और दूसरी वरीयता प्राप्त अचंत शरत कमल अपने अपने मैच जीतकर 36वें राष्ट्रीय खेलों की टेबल टेनिस स्पर्धा में तीसरे दौर में पहुंच गए। स्थानीय मिश्रित युगल टीम मानव ठक्कर और फिलजाह फातिमा कादरी ने शीर्ष वरीयता प्राप्त महाराष्ट्र के सानिल शेट्टी और आर टेनिसन को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पुरूष एकल में शेट्टी उत्तर प्रदेश के दिव्यांश श्रीवास्तव से हार से बच गए। उन्होंने करीबी मुकाबले में 11.5, 7.11, 9.11, 77.8, 11.9, 7.11, 11.9 से जीत दर्ज की। साथियान ने हरियाणा के वेसले डो रोसेरियो को हराया जबकि शरत ने महाराष्ट्र के रविंद्र कोटियान पर जीत दर्ज की। मानव ठक्कर ने उत्तर प्रदेश के सार्थ मिश्रा को हराया जबकि हरमीत देसाई ने तेलंगाना के मोहम्मद अली को मात दी।

कपूर ने चीनी ताइपे में आठ अंडर के स्कोर के साथ बढ़त बनायी, संधू चौथे पायदान पर

लिंकोऊ, 22 सितंबर। भारतीय गोल्फर शिव कपूर यांगडर टीपीसी चैम्पियनशिप के पहले दिन गुरुवार को यहां आठ अंडर 64 के शानदार कार्ड के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गये। कपूर ने एक ईगल और आठ बर्डी लगाये। उन्होंने इस दौरान दो बोगी भी किये। कोविड-19 के कारण तीन साल तक स्थगित होने के बाद एशियाई टूर पर इस टूर्नामेंट की वापसी हुई है। एशियाई टूर पर चार बार के विजेता कपूर के पास दो शॉट की बढ़त है। अजितेश संधू ने यहां पांच अंडर 67 का कार्ड खेला और वह संयुक्त चौथे स्थान पर है। टूर्नामेंट में भाग ले रहे अन्य भारतीयों में राशिद खान (68) संयुक्त 11वें, आदिल बेदी (69) और एस चिक्कारंगप्पा (69) संयुक्त 19वें स्थान पर है। मनु गंडास, राहिल गंगजी, वीर अहलावत और अमन राज 70-70 के एक समान स्कोर के साथ संयुक्त 35वें पायदान पर है। उदयन माने और हनी बैसोया ने 71-71 के स्कोर से संयुक्त-51वें स्थान पर है। कट में जगह बनाने के लिए खलिन जोशी (73) संयुक्त 84वें के अलावा करणदीप कोचर (74), एम धर्मा (75), एसएसपी चौरसिया (75) और विराज मडप्पा (75) दूसरे दौर में काफी अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

मोईन का अर्द्धशतक, पाक के सामने 200 रन का लक्ष्य

कराची, 22 सितंबर। इंग्लैंड ने मोईन अली (55) बेन डकेट (43) और हैरी ब्रूक (31) की विस्फोटक पारियों की बदौलत पाकिस्तान के सामने दूसरे टी20 मैच में गुरुवार को 200 रन का लक्ष्य रखा। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए आक्रामक शुरुआत की और फिलिप सॉल्ट (26) एवं डेविड मलान (शून्य) का विकेट गंवाने के बावजूद पावरप्ले में 48 रन जोड़े। शाहनवाज दहानी ने हेल्स और मलान को लगातार दो गेंदों पर आउट करके इंग्लैंड की पारी पर लगाम लगानी चाही, लेकिन चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये डकेट ने ऐसा नहीं होने दिया। डकेट ने 22 गेंदें खेलकर सात चौकों के साथ 43 रन बनाये। उनका साथ देते हुए सलामी बल्लेबाज फिलिप सॉल्ट ने भी 30(27) रन जोड़े। इन दोनों के आउट होने के बाद हैरी ब्रूक और मोईन अली ने पांचवें विकेट के लिये 27 गेंदों पर 59 रन की साझेदारी की। ब्रूक 19 गेंदों पर 31 रन बनाकर पवेलियन लौट गये, लेकिन मोईन ने अपना अद्धर्शतक पूरा करते हुए 23 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों की बदौलत 55 रन बनाये।

आईसीसी अध्यक्ष पद मेरे हाथ में नहीं : सौरव गांगुली

कोलकाता, 22 सितंबर। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने आईसीसी का अध्यक्ष बनने की अटकलों पर विराम लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि आईसीसी अध्यक्ष पद उनके हाथ में नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने जुलाई में अगला अध्यक्ष नवंबर महीने में चुनने को मंजूरी दी थी। बर्मिंघम में हुई बैठक के बाद यह तय किया गया कि ग्रेग बार्कले का कार्यकाल इस साल खत्म होने के बाद चुनाव सामान्य बहुमत से कराये जायेंगे और अगले अध्यक्ष का कार्यकाल एक दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2024 के बीच होगा।

उसके बाद से गांगुली के नाम की अटकलें लगाई जा रही है। उनसे इस बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, "आईसीसी अध्यक्ष पद मेरे हाथ में नहीं है।" आईसीसी बोर्ड ने तय किया है कि अब अध्यक्ष के चुनाव के लिये दो तिहाई बहुमत की जरूरत नहीं है। नये सुझाव के तहत उम्मीदवार को 51 प्रतिशत मतों की जरूरत है। भारतीय टीम पिछले कुछ अर्से से फॉर्म में नहीं है और गांगुली ने स्वीकार किया कि बड़े टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, "रोहित शर्मा का जीत का प्रतिशत 80 के करीब है। भारत ने पिछले तीन चार मैच हारे हैं लेकिन उससे पहले 35.40 मैचों में से पांच या छह ही गंवाये।"

उन्होंने कहा, "मुझे यकीन है कि रोहित और राहुल द्रविड़ इसे लेकर चिंतित होंगे कि हमने बड़े टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। इस पर बात की जायेगी। विराट कोहली के शतक के बारे में उन्होंने कहा, "यह अच्छी बात है कि विराट ने एशिया कप में अच्छा खेला और उम्मीद है कि वह लय कायम रखेगा।"

महिला तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने जा रही है। गांगुली ने उन्हें 'लीजैंड' बताते हुए कहा, "झूलन लीजैंड है। बीसीसीआई अध्यक्ष के तौर पर पिछले तीन साल में हमारे बेहतरीन संबंध रहे हैं। उनका कैरियर शानदार रहा और वह महिला क्रिकेट में रोलमॉडल रहेंगी।"

पुराने प्रारूप में लौटेगा आईपीएल

मुंबई, 22 सितंबर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 2023 सीज़न अपने पुराने प्रारूप में खेला जायेगा, एक टीम लीग स्टेज के आधे मुकाबले घरेलू मैदान पर और बाकी मुकाबले विरोधी टीमों के मैदान पर होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने राज्य संघों को लिखे गये पत्र में यह खुलासा किया। ईएसपीएन ने गुरुवार को गांगुली के संदेश के हवाले से कहा, पुरुष आईपीएल का अगला सत्र होम और अवे प्रारूप में खेला जायेगा। सभी 10 टीमें अपने घरेलू मैच निर्दिष्ट स्थानों पर खेलेंगी। कोरोना महामारी के कारण आईपीएल 2020 संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में दुबई, शारजाह और अबू धाबी सहित तीन मैदानों पर आयोजित किया गया था।

न्यायालय ने आईओए संविधान में संशोधन के लिए पूर्व न्यायाधीश नागेश्वर राव को नियुक्त किया

नयी दिल्ली, 22 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय ओलंपिक संघ के संविधान में संशोधन और निर्वाचक मंडल तैयार करने के लिए गुरुवार को शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव को नियुक्त किया। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश राव देश में ओलंपिक के भविष्य को लेकर निष्पक्ष और विकास परक रवैया सुनिश्चित करेंगे। न्यायालय ने न्यायमूर्ति राव से कहा कि वह संविधान में संशोधन और 15 दिसंबर 2022 तक चुनाव कराने के लिए खाका तैयार करें। शीर्ष अदालत ने इसके साथ ही आईओए के मौजूदा महासचिव राजीव मेहता और उपाध्यक्ष आदिल सुमरिवाला को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की 27 सितंबर को होने वाली बैठक में भाग लेने की अनुमति भी प्रदान की।

पीठ ने कहा, "युवा मामले और खेल मंत्रालय के संयुक्त सचिव न्यायमूर्ति राव को तमाम व्यवस्था सुलभ कराएंगे जिस की प्रतिपूर्ति आईओए करेगा।" पीठ में न्यायमूर्ति हिमा कोहली भी शामिल थी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने आठ सितंबर को आईओए को अंतिम चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि वह शासन से जुड़े अपने मुद्दों को सुलझाए और दिसंबर तक चुनाव संपन्न करें। इनमें विफल होने पर विश्व संस्था भारत पर प्रतिबंध लगा देगी। आईओसी के कार्यकारी बोर्ड की स्विजरलैंड के लुसाने में हुई बैठक में नरिन्दर बत्रा के भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष पद से हटने के बाद किसी कार्यवाहक या अंतरिम अध्यक्ष को मान्यता नहीं देने का फैसला भी किया गया था। उसने कहा था कि वह किसी भी विषय पर बात करने के लिए महासचिव राजीव मेहता से संपर्क करेगा।

परगट सिंह ने मेलबर्न कप ट्रॉफी का अनावरण किया

मेलबर्न, 22 सितंबर। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान और विधायक ओलंपियन परगट सिंह ने गुरुवार को पहले मेलबर्न हॉकी कप की विजेता ट्रॉफी का अनावरण किया। इस अवसर पर पाकिस्तान हॉकी टीम के पूर्व कप्तान वसीम अहमद और 1980 के मास्को ओलंपिक खेलों में भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करने वाली ओलंपियन हरप्रीत शेरगिल विशेष रूप से उपस्थित थीं।

परगट सिंह ने मेलबर्न हॉकी कप के प्रायोजकों का शुक्रिया अदा किया और कहा कि उनके सहयोग के बिना ऑस्ट्रेलिया में इतना बड़ा टूर्नामेंट आयोजित करना संभव नहीं होता। वसीम अहमद ने कहा कि हॉकी पंजाबियों के खून में है इसलिए हॉकी प्रेमी एक साथ आगे आए हैं और वे सभी बधाई के पात्र हैं। ओलंपियन हरप्रीत शेरगिल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि लंबे समय के बाद उन्हें हॉकी परिवार का हिस्सा बनने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि वह हॉकी का मैदान छोड़ चुकी थीं लेकिन इस टूर्नामेंट ने उन्हें फिर से हॉकी से जोड़कर एक नया जीवन दिया है। मेलबर्न कप का आयोजन ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर के मेलबर्न स्पोर्ट्स सेंटर पार्कविले में 23 से 25 सितंबर तक किया जायेगा।

टी-20 टिकट बिक्री : भगदड़ में छह लोग घायल

हैदराबाद, 22 सितंबर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच उप्पल के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को होने वाले तीसरे टी20 मैच की टिकटों की बिक्री के दौरान गुरुवार को जिमखाना मैदान में भगदड़ हुई, जिसमें दो महिलाओं सहित कम से कम छह प्रशंसक मामूली रूप से घायल हो गए।

पुलिस ने यहां बताया कि घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि हैदराबाद क्रिकेट एसोसियेशन (एचसीए) को टिकटों की बिक्री के लिये आठ से 10 काउंटर लगाने थे, लेकिन उन्होंने सिर्फ दो काउंटर खोले।

पुलिस ने यह भी कहा कि हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के कुप्रबंधन के कारण जिमखाना मैदान में भगदड़ की घटना हुई। तेलंगाना के खेल मंत्री वी श्रीनिवास गौड़ ने इस घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी कि टी20 के लिए कालाबाजारी में टिकट बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने मैच की व्यवस्था को लेकर एसोसिएशन के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। साथ ही उन्होंने टिकटों की बिक्री एवं स्टेडियम में दर्शकों के इंतजाम संबंधी रिपोर्ट तलब की।

इससे पहले एचसीए ने एक विज्ञिप्त जारी कर कहा था कि 22 सितंबर को जिमखाना ग्राउंड में टिकट ऑफलाइन खरीदारी के लिए पूर्वाह्न 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक उपलब्ध होंगे। लोग आज सुबह से ही टिकट खरीदने के लिए कतार में लग गए हैं। पेटीएम ऐप के जरिए 15 सितंबर को ऑनलाइन टिकटों की बिक्री मिनटों में ही खत्म हो गयी थी।

खिताब और वाटिका के बीच बस एक मैच, रेंजर्स परास्त

नयी दिल्ली, 22 सितंबर। वाटिका एफसी ने गुरुवार को प्रीमियर लीग के 19वें मैच में में रेंजर्स क्लब को 2-0 से परास्त किया और अब वह खिताब से बस एक मैच दूर है। लगातार बारिश के बीच नेहरू स्टेडियम में खेले गए मैच का पहला हाफ तेज गति से खेला गया। पहला गोल मैन ऑफ द मैच विजोय गुसाईं ने लंबी दूरी के नपे तुले शॉट से चौथे मिनट में किया। 40वें मिनट में नाइजीरियन फ्रांसिस ओकेचुकू ने स्कोर 2-0 किया।

इंद्रजीत का शतक, दक्षिण ने बनायी बढ़त

कोयंबटुर, 22 सितंबर। दक्षिण क्षेत्र ने बाबा इंद्रजीत (118) के शानदार शतक और रविश्रीनिवासन साई किशोर (86/5) के पंजे की बदौलत पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ दलीप ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन गुरुवार को 48 रन की बढ़त बना ली।

दक्षिण ने दिन का खेल शुरू होते ही पश्चिम को 270 रन पर ऑलआउट कर दिया, और स्टंप्स तक सात विकेट के नुकसान पर 318 रन बनाये। साई किशोर ने हेत पटेल के रूप में दिन का पहला विकेट लिया जो अपना शतक बनाने से चूके और 98 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। पटेल ने 198 गेंदों की पारी में छह चौके और एक छक्का लगाया। साई किशोर ने कुछ देर बाद चिंतन गज (10) के रूप में अपना पांचवां विकेट लेकर पश्चिम को ऑलआउट किया, जबकि उनडकट 47 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण ने 270 रन के जवाब में मयंक अग्रवाल (09), रोहन कुन्नुमल (31) और कप्तान हनुमा विहारी (25) के विकेट 101 रन पर गंवा दिये। इसके बाद इंद्रजीत ने मनीष पांडे (48) के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिये 105 रन की साझेदारी की। पांडे ने 69 गेंदें खेलते हुए चार चौके और दो छक्के भी जड़े।

दूसरी ओर, इंद्रजीत ने गेंदबाजों के लिये मददगार विकेट पर पारंपरिक शॉट लगाते हुए आक्रामक पारी खेली। 112 गेंदों पर शतक पूरा करने वाले इंद्रजीत ने आउट होने से पहले 125 गेंदें खेलकर 14 चौकों के साथ 118 रन बनाये। उन्होंने और मनीष ने दूसरे सत्र में स्पिन गेंदबाजों पर खुलकर रन बटोरे। पांडे ने तनुष कोटियान को पहले दो लगातार चौके जड़े, जिसके बाद उन्होंने ऑफ-स्पिनर को कवर पर एक चौका और एक छक्का लगाया। इंद्रजीत ने भी अपनी बाहें खोलते हुए शम्स मुलानी की गेंदों पर दो चौके जमाए। कोटियान और मुलानी ने दूसरे सत्र में 19 ओवर फेंककर 109 रन दिये।

तीसरे सत्र के पहले ओवर में इंद्रजीत का विकेट गिरने के बाद पश्चिम क्षेत्र की कुछ उम्मीदें जगी थीं, लेकिन कृष्णप्पा गौतम ने 55 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की बदौलत 43 रन की पारी खेलकर दक्षिण के लिये 48 रन की बढ़त सुनिश्चित की। दिन का खेल खत्म होने तक दक्षिण ने 318 रन बनाये और टी रवि तेजा (26) और साई किशोर (06) क्रीज पर मौजूद हैं।

लावेर कप में युगल में साथ खेलेंगे फेडरर और नडाल

लंदन, 22 सितंबर। रोजर फेडरर और रफेल नडाल लावेर कप में शुक्रवार को युगल मुकाबला साथ खेलेंगे और यह फेडरर के सुनहरे कैरियर का आखिरी मैच भी होगा। बीस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन फेडरर और लंबे समय से कोर्ट पर उनके प्रतिद्वंद्वी रहे 22 ग्रैंडस्लैम विजेता नडाल टीम यूरोप के लिये टीम विश्व के फ्रांसिस टियाफो और जैक सॉक के खिलाफ खेलेंगे। फेडरर की प्रबंधन कंपनी ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। एकल मैचों में कैस्पर रूड का सामना सॉक से, स्टेफानोस सिटसिपास का सामना डिएगो श्वार्त्जमैन से और एंडी मर्रे की टक्कर एलेक्स डि मिनाउर से होगी।

भारत ने 23 साल बाद इंग्लैंड में जीती एकदिवसीय श्रृंखला

कैंटरबरी, 22 सितंबर। भारत ने हरमनप्रीत कौर (143 नाबाद) के विशाल शतक के बाद रेणुका सिंह ठाकुर (57/4) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड को दूसरे महिला वनडे में 88 रन से हराकर 23 साल बाद ब्रिटिश सरजमीन पर एकदिवसीय शृंखला जीती। भारत ने बुधवार को खेले गये मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 333 रन बनाये, जिसके जवाब में इंग्लैंड 245 रन ही बना सकी।

इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की और 1999 के बाद पहली बार इंग्लैंड में एकदिवसीय सीरीज जीती। हरमनप्रीत ने भारत के लिये कप्तानी पारी खेलते हुए 111 गेंदों पर 18 चौकों और चार छक्कों की बदौलत 143 रन बनाये। उनका साथ देते हुए हरलीन देओल ने भी 58 रन जोड़े।

इंग्लैंड की ओर से डेनियल वायट ने 58 गेंदों पर छह चौकों के साथ 65 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन रेणुका की गेंद पर उनका विकेट गिरने के साथ ही इंग्लैंड की उम्मीदों पर पूर्ण विराम लग गया। रेणुका ने अपनी घातक गेंदबाजी की बदौलत 10 में 57 रन देकर चार विकेट चटकाये। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने के लिये बुलाये जाने पर भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (08) एक बार फिर जल्दी पवेलियन लौट गयीं। स्मृति मंधाना ने अपनी शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए 51 गेंदों पर 40 रन बनाये और यस्तिका भाटिया (26) के साथ दूसरे विकेट के लिये 54 रन की साझेदारी की। स्मृति और यस्तिका के आउट होने के बाद हरमनप्रीत ने मोर्चा संभाला और हरलीन के साथ चौथे विकेट के लिये 113 रन की विशाल साझेदारी की। हरलीन ने अपना पहला एकदिवसीय अद्धर्शतक जड़ते हुए 72 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों के साथ 58 रन बनाये।

हरलीन के पवेलियन लौटने के बाद हरमनप्रीत ने पारी की रफ्तार बदली और अपना पांचवां एकदिवसीय शतक पूरा किया। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने अंतिम पांच ओवरों में 80 रन जोड़े और 50 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 333 रन बनाये। पूजा वस्त्राकर ने 18(16) और दीप्ती शर्मा ने 15(09) रन का योगदान दिया।

इंग्लैंड की ओर से लौरेन बेल, केट क्रॉस, फ्रेया कैंप, शारलोट डीन और सोफी एकलेस्टन ने एक-एक विकेट निकाला। कैंप (10 ओवर, 82 रन) और बेल (10 ओवर, 79 रन) इंग्लैंड के लिये महंगी साबित हुईं।

इंग्लैंड ने 334 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए आवश्यक रनगति बनाये रखी लेकिन लगातार विकेट भी गंवाये। सलामी बल्लेबाज टैमी बोमॉन्ट (06) रन चुराने के प्रयास में हरमनप्रीत के थ्रो का शिकार हो गयीं। रेणुका ने सोफिया डंकली को एक रन के स्कोर पर बोल्ड किया, जबकि एमा लैंब (15) को पगबाधा करके पवेलियन लौटाया। एलिस कैपसी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सकीं और 36 गेंदों पर छह चौकों के साथ 39 रन बनाकर आउट हो गयीं।

इंग्लैंड के 102 रन पर चार विकेट गिरने के बाद वायट और कप्तान एमी जोन्स ने 65 रन की बहुमूल्य साझेदारी की, लेकिन 30वें ओवर में वायट के आउट होते ही मैच इंग्लैंड की पकड़ से दूर हो गया। कुछ देर बाद जोन्स भी 39(51) रन बनाकर आउट हो गयीं। आखिरी दो विकेटों के लिये 62 रन जोड़ने के बाद भी इंग्लैंड को 88 रन के विशाल अंतर से हार मिली। रेणुका के चार विकेटों के अलावा भारत के लिये दयालन हेमलता ने दो विकेट लिये, जबकि शफाली वर्मा और दीप्ती शर्मा को एक-एक विकेट हासिल हुआ।

नदबई में बारिश बनी आफत

- भारी बारिश से ज्वार व बाजरे की फसल बर्बाद हो गई।
- गगवाना के सरपंच हरस्वरूप शर्मा ने सरकार से फसल खराबे के मुआवजे की मांग की।

नदबई, 22 सितम्बर (निस)। प्रदेश में गुरुवार को शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में हुई तेज अंधड़ व बारिश किसानों के लिए आफत बन गई।

ग्रामीण क्षेत्र के अधिकांश गांवों में बारिश होने से किसानों के खेत में रखी ज्वार व बाजरे की फसल नष्ट हो गई है। तेज बारिश से फसल बर्बाद होने की स्थिति में किसानों के चेहरे मायूस नजर आए।

ग्राम पंचायत गगवाना के गांव चैनपुरा, बसईया, गगवाना के किसानों की फसलें बारिश की वजह से पूरी तरह नष्ट हो गई। ग्राम पंचायत गगवाना के सरपंच हरस्वरूप शर्मा ने सरकार से किसानों की खराब हुई फसल का सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने की मांग की है।

ज्वार व बाजरा की फसल खराब होने की स्थिति में किसानों को पशुओं के चारे को लेकर भी चिंता सताने लगी। बारिश से पहले जहां किसान फसल को देखते हुए अपनी खुशी जता रहे थे, वहीं अब बारिश में फसल खराब होने पर मायूस बने हुए है।

दूसरी ओर तकनीकी शिक्षा एवं आयुर्वेद राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हो रही वर्षा के कारण खरीफ की फसलों को हुए नुकसान की विशेष गिरदावरी कराने के निर्देश जिला कलेक्टर को दिये हैं। इसी प्रकार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कृषि मंत्री लालचन्द कटारिया एवं आपदा प्रबंधन व सहायता मंत्री गोविन्दराम मेघवाल को भी अलग-अलग पत्र लिखकर अतिवृष्टि के कारण खरीफ की फसलों के हुये नुकसान की किसानों को क्षतिपूर्ति के लिए आर्थिक सहायता स्वीकृत करने की भी मांग की है।

डॉ. गर्ग ने जिला कलक्टर आलोक रंजन को निर्देश दिये कि, वर्षा के कारण खरीफ की खेतों में खड़ी अथवा कटी हुई फसलों को हुए नुकसान के लिए तत्काल विशेष गिरदावरी शुरु करायें ताकि फसल खराबे वाले किसानों को नियमानुसार मुआवजा मिल सके।

नदबई में अचानक तेज बारिश के कारण खेत में सूखने के लिए पड़ी बाजरे की फसल भीग गई। ज्वार व बाजरे की फसल को हुये नुकसान के चलते किसानों के चेहरों पर भारी मायूसी नज़र आई।

'रूस की मिसाइलें सीधे लंदन में जाकर गिरेंगीं'

रूस के राष्ट्रपति पुतिन के पूर्व सलाहकार सेरगेई मारकोव ने ब्रिटेन को यह बड़ी धमकी दी

मॉस्को, 22 सितम्बर। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पूर्व सलाहकार सेरगेई मारकोव ने यूक्रेन युद्ध में दखल के चलते ब्रिटेन को बड़ी धमकी दी है। मारकोव ने कहा कि यदि युनाइटेड किंगडम का ऐसा ही आक्रामक रवैया जारी रहा तो फिर मिसाइलों का निशाना लंदन हो सकता है। बुधवार को बी.बी.सी. के एक कार्यक्रम में मारकोव ने यह बात कही। उन्होंने ब्रिटेन को चेतावनी देते हुए कहा कि तुम्हारे शहरों को निशाना बनाय जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सुबह सबके लिए अच्छी नहीं है। फिलहाल मारकोव मॉस्को यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल रिलेशंस के प्रोफेसर हैं। एक दौर में वह व्लादिमीर पुतिन के सलाहकार रहे हैं।

सेरगेई मारकोव ने कहा कि व्लादिमीर पुतिन ने आपको बता दिया है कि वे पश्चिमी देशों के खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने के लिए तैयार हैं। इसमें ग्रेट ब्रिटेन भी शामिल है। मारकोव ने कहा, यदि रूस के खिलाफ ब्रिटेन ने अपना आक्रमणकारी रवैया जारी रखा तो फिर ऐसा हो सकता है। यदि ब्रिटिश पी.एम. लिज ट्रस ने रूस को बर्बाद करने का अपना प्लान बंद नहीं किया तो फिर लंदन की जनता को समझना चाहिए कि वे भी परमाणु हथियारों की जद में हैं। पुतिन के पूर्व सलाहकार की इस चेतावनी को गंभीरता से लिया जा रहा है।

पश्चिमी देशों पर यूक्रेन को बड़े पैमाने पर हथियार देने के आरोप लगाते हुए मारकोव ने कहा कि यह युद्ध जो बाइडेन, ब्रिटेन के पूर्व पी.एम. बोरिस जॉनसन और मौजूदा प्रधानमंत्री लिज ट्रस की सनक के चलते हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन देशों ने ही यूक्रेन को हथियार दिए हैं और उसे युद्ध के लिए उकसाया है।

बता दें कि यूक्रेन और रूस के बीच बीते 7 महीनों से जंग चल रही है। इस बीच रूस ने इस युद्ध को और आगे बढ़ाने के संकेत दिए हैं। पुतिन ने मंगलवार को ही 20 लाख की रिजर्व सेना में से 3 लाख सैनिकों को यूक्रेन भेजने का ऐलान किया था। इससे माना जा रहा है कि रूस की ओर से यूक्रेन पर हमलों को तेज किया जा सकता है।

उदयपुर से भी दो संदिग्ध गिरफ्तार

उदयपुर, 22 सितम्बर (कासं)। नैशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी की टीम ने देश भर में पी.एफ.आई. के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान इस संगठन से जुड़े उदयपुर के दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। एन.आई.ए. ने अभियान के दौरान उदयपुर के खांजीपीर

- एन.आई.ए. ने शहर के खांजीपीर क्षेत्र से ये गिरफ्तारियां की हैं।
- एन.आई.ए. को पता चला है कि, ये दोनों व्यक्ति टैरर फंडिंग व टैरर ट्रेनिंग में लिप्त रहे हैं।

क्षेत्र से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। संदिग्धों की पहचान मोहम्मद इरफान व मोहम्मद सलीम के रुप में उजागर की गई है। सूत्रों से पता चला कि, एनआई को टैरर फंडिग व कैंप लगा कर बच्चों को टैरर ट्रैनिंग देने के इनपुट भी मिले हैं। इस अभियान में एनआईए के साथ साथ इन्फोर्समेड डायरेक्ट्रेट (ई.डी.) की टीम भी शामिल है। जो प्रदेश के जयपुर, कोटा, बारा, उदयपुर सहित विभिन्न स्थानों पर पीएफआई से जुड़े स्थानों पर दबीश दे रही है।

जयपुर में पीएफआई के कार्यालय पर एनआईए ने छापा मारा

- पुलिस सूत्रों के अनुसार, लाल कोठी के पास स्थित कार्यालय से सर्च के दौरान कई संदिग्ध दस्तावेज व अन्य सामान जब्त किया।

जयपुर, 22 सितम्बर। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पी.एफ.आई.) और इससे जुड़े लोगों, संस्थानों पर पूरे देश में एक साथ छापेमारी की कार्रवाई की जा रही हैं। इसी के तहत जयपुर में बुधवार देर रात को जयपुर में लाल कोठी के पास पी.एफ.आई. कार्यालय में सर्च किया गया।

इस दौरान कई संदिग्ध दस्तावेज व अन्य सामान जब्त किये गये हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार राज्य के पांच शहरों में भी एन.आई.ए. से बुधवार देर रात से सुबह तक सर्च ऑपरेशन की कार्रवाई की है। इस दौरान जयपुर में एमडी रोड पर स्थित प्रदेश स्तरीय कार्यालय पर भी एन.आई.ए. ने रेड डाली।

सुबह नौ बजे तक चली रेड में संदिग्ध दस्तावेज, हार्ड डिस्क, झंडे, प्रतिबंधित साहित्य और किताबें मिली हैं। बताया जा रहा है कि, इस रेड में ईडी के अफसर भी साथ हैं। इस कार्रवाई से स्थानीय पुलिस को दूर रखा गया है। सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ ही यह रेड की गई है। जयपुर पुलिस को इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। जयपुर में अभी 3 जगहों पर कार्रवाई की जा रही है।

गौरतलब है कि, दो साल पहले भी ईडी ने जयपुर में पी.एफ.आई. के दफ्तर पर छापा मारा था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पी.एफ.आई. के खिलाफ टेरर फंडिग और कैम्प चलाने के इनपुट को मिले हैं। उसी के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। सूत्रों के अनुसार दो दिन से एन.आई.ए. की टीमें राजस्थान के कोटा, बारां, उदयपुर, अजमेर और जयपुर में कार्रवाई करने में जुटी है।

उधर एन.आई.ए. की कार्रवाई के विरोध में जयपुर समेत कई शहरों में प्रदर्शन किया जा रहा है। हालांकि इस बीच संगठन से जुड़े कई बड़े नेता भूमिगत हो गए हैं। उनकी सर्च के लिए एनआईए लगातार प्रयासरत है।

शिंज़ो आबे

नई दिल्ली, 22 सिंतबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए 27 सितंबर को जापान की एक दिन की यात्रा पर जाएंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यहां नियमित ब्रीफिंग में संवाददाताओं को यह जानकारी दी और कहा कि मोदी जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा से भी मुलाकात करेंगे। आबे की आठ जुलाई को जापान के नारा शहर में उनके प्रचार भाषण के दौरान एक 41 वर्षीय शख्से ने बहुत नज़दीक से गोली मार कर हत्या कर दी थी। वह

- शिंज़ो आबे की अंत्येष्टि में शामिल होने जापान जायेंगे प्र.मंत्री मोदी।

दो बार जापान के प्रधानमंत्री रहे।

आबे को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार देश में असाधारण घटना के रूप में देखा जा रहा है। इसमें कई विदेशी राजनेता भी शामिल होंगे जिनमें मोदी एवं श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी की श्रीलंका के राष्ट्रपति से मुलाकात की संभावना के बारे में पूछे जाने पर प्रवक्ता ने कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी। चूंकि मोदी की यात्रा एक दिन की होगी और समय की कमी होगी।

एन.आई.ए ने आधी रात के बाद 11 राज्यों में एक साथ पी.एफ.आई. के ठिकानों पर छापे मारे

मुख्य रूप से पी.एफ.आई. को विदेशी सहायता प्राप्त होने के प्रमाण के आधार पर ये छापे डाले गये

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पी.एफ.आई.) के खिलाफ नैशनल इन्वैस्टिगेशन एजेंसी (एन.आई.ए.) ने देश के 11 राज्यों में एक साथ छापे मारे। पूरे देश भर में 106 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। इस बीच एन.आई.ए. के ऑपरेशन को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। इस ऑपरेशन के लिए गृह मंत्रालय में कमांड सेंटर बनाया गया था। 6 कंट्रोल रूम के जरिए इस पूरे ऑपरेशन की निगरानी की गई। यह पूरा ऑपरेशन सुबह 1 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक चला। इस दौरान एन.आई.ए. के सभी बड़े अधिकारी मौजूद थे।

छापेमारी की इस पूरी कार्रवाई को पूरी तरह से गुप्त रखा गया। इस पूरे ऑपरेशन में एन.आई.ए. के 200 स्टाफ शामिल थे। के 4 आईजी, 1 ए.डी.जी. और 16 एस.पी. इस पूरे ऑपरेशन में शामिल रहे। इसका कमांड कंट्रोल संटेर गृह मंत्रालय में था। पी.एफ.आई. से जुड़े संदिग्धों के सभी डोजियर छापे वाली

- देश भर में 106 लोगों की गिरफ्तारी हुई, ऑपरेशन के लिए गृह मंत्रालय को कमाण्ड सैंटर बनाया गया।
- यह पूरा ऑपरेशन रात 1 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक चला। इस दौरान एन.आई.ए. के सभी बड़े अधिकारी मौजूद थे। छापेमारी की इस पूरी कार्रवाई को पूरी तरह से गुप्त रखा गया। इस पूरे ऑपरेशन में एन.आई.ए. के 200 स्टाफ शामिल थे।
- पी.एफ.आई. की केरल इकाई ने इन छापों के खिलाफ आज शुक्रवार को बंद एवं विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है।

टीम को दिए गए। सभी संदिग्धों की रेकी पिछले एक सप्ताह से ज्यादा समय से की जा रही थी। छापे में 200 से अधिक मोबाइल, 100 से अधिक लैपटॉप जब्त किए गए। इसके साथ ही कई आपत्तिजनक दस्तावेज, विजन दस्तावेज, नामांकन फॉर्म, बैंक डिटेल्स भी जब्त किए गए हैं।

पी. एफ.आई. ने नेताओं के घरों और अन्य परिसरों में छापेमारी के विरोध में 23 सितंबर को हड़ताल का आह्वान किया है। ये छापेमारी देश में आतंकी गतिविधियों का कथित तौर पर समर्थन करने के लिए की गई थी। भाजपा की प्रदेश इकाई ने हालांकि इस प्रस्तावित हड़ताल को "अनावश्यक" बताया और राज्य सरकार से इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया।

भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रमुख के. सुरेंद्रन ने आरोप लगाया कि पी.एफ.आई. द्वारा पूर्व में आहूत सभी हड़ताल में दंगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के प्राधिकारियों को लोगों के जीवन और संपत्ति की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पी.एफ.आई. बाहुबल के जरिये आतंकवाद के मामलों से निपटने की कोशिश कर रहा है और उसके नेतृत्व से यह ध्यान रखने को कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है न कि एक धार्मिक राष्ट्र। सुरेंद्रन ने एक बयान में कहा कि अनावश्यक हड़ताल के खिलाफ उच्च न्यायालय के कड़े रूख के बावजूद राज्य में वामपंथी सरकार वोट बैंक पर नजर रखते हुए पी.एफ.आई. के प्रति नरम रुख दिखा रही है।

ओडिशा में कार से एक क्विंटल चांदी की ईटें व कैश मिला

कटक, 22 सितम्बर (वार्ता)। ओडिशा के कटक में आबकारी अधिकारियों की टीम ने टांगी टोल गेट के पास एक कार से 100 किलोग्राम से ज्यादा वजन की 47 चांदी की ईंटें, 19 पैकेट में चांदी के गहने और 14 लाख रुपये नकद जब्त किए।

आबकारी विभाग के सूत्रों ने बताया कि प्रतिबंधित गांजा की तस्करी की सूचना के आधार पर कार को रोका गया। तलाशी के दौरान उसमें छुपाकर रखी गयी चांदी की ईंटें, गहने, कुछ दस्तावेज और नकदी बरामद किये गये। चांदी की ईंटें कागज में लपेटकर रखी गई थीं। आबकारी अधिकारियों ने वाहन चालक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है और पूछताछ की। उन्होंने आशंका जतायी है कि इस वाहन को सोने और चांदी की तस्करी करने के लिए डिजाइन किया गया है तथा संभवत: इसका उपयोग पहले भी तस्करी में किया गया होगा।

ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइज़ेशन के प्रमुख से मुलाकात की मोहन भागवत ने

मुलाकात के बाद भागवत अचानक पास में ही चलने वाले एक मदरसे में पहुंच गये और वहां बच्चों से मुलाकात की

- कहा जा रहा है कि, मुस्लिम समुदाय से संपर्क साधने के अभियान के तहत मोहन भागवत का यह दौरा हुआ है। मोहन भागवत ने इमाम से करीब एक घंटे तक मुलाकात की। भागवत के साथ संघ के वरिष्ठ नेता कृष्ण गोपाल, राम लाल और इंद्रेश कुमार भी थे।

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के मुखिया मोहन भागवत गुरुवार को अचानक दिल्ली की कस्तूरबा गांधी मार्ग मस्जिद में पहुंचे तो हर कोई हैरान रह गया। इस दौरान उन्होंने ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख उमर अहमद इलियासी से मुलाकात की। यही नहीं इसके बाद मोहन भागवत मस्जिद के पास ही चलने वाले मदरसे में भी पहुंच गए और छात्रों से बात की। कहा जा रहा है कि मुस्लिम समुदाय से संपर्क साधने के अभियान के तहत मोहन भागवत का यह दौरा हुआ। इस दौरान मोहन भागवत ने इमाम से करीब एक घंटे तक मुलाकात की। मोहन भागवत के साथ संघ के वरिष्ठ नेता कृष्ण गोपाल, राम लाल और इंद्रेश कुमार भी थे।

मीटिंग के बाद इमाम उमर अहमद इलियासी ने तो मोहन भागवत को राष्ट्रपिता बता दिया और कहा कि आर.एस.एस. चीफ उनके निमंत्रण पर मदरसा तजवीदुल कुरान में आए थे। इस दौरान उन्होंने मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों से बात भी की। इंद्रेश कुमार ने बताया कि मोहन भागवत से बच्चों की क्या बात हुई। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत ने बच्चों से पूछा कि आखिर वे क्या पढ़ते हैं और जिंदगी में क्या बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ज्यादातर बच्चों ने बताया कि वे डॉक्टर या इंजीनियर बनना चाहते हैं। इस दौरान इमाम उमर अहमद इलियासी ने भागवत को बताया कि बच्चों को यहां मजहबी शिक्षा देने के अलावा आधुनिक विषयों की पढ़ाई भी कराई जाती है।

आर.एस.एस. चीफ से मुलाकात के दौरान मदरसे के छात्रों ने जय हिंद और वंदे मातरम के नारे भी लगाए। मदरसे में पढ़ाने वाले महमूद हसन ने कहा कि बेहद सौहार्दपूर्ण माहौल में मोहन भागवत से बच्चों की मुलाकात हुई। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत ने बच्चों से कहा कि वे इस्लामिक विषयों के अलावा कंप्यूटर के बारे में भी जानकारी हासिल करें।

एक हिजाब पर दो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और अब तमिलनाडु के रामनाथपुरम में पिछले दिन वही हिजाब मुद्दा सामने आया, जहां स्कूल की प्रधानाध्यापिका ने दो बालिकाओं द्वारा हिजाब पहने जाने पर आपत्ति जताई तथा हिजाब पहनने वाली छात्राओं से कह दिया कि कक्षा-कक्षों में प्रवेश करने से पहले, वे अपने स्कॉर्फ (हिजाब) को उतार कर अपने-अपने बैगों में रख लिया करें।

अगर यह घटना दक्षिण में हिन्दुत्व की प्रयोगशाला में, यानी कर्नाटक में हुई होती तो अधिकारियों ने प्रधानाध्यापिका का समर्थन किया होता। लेकिन तमिलनाडु में ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि वहां हिजाब पर रोक नहीं है।

यह मुद्दा तुरंत ही समाप्त कर दिया गया। राज्य के शिक्षा विभाग ने संस्था प्रधानों तथा गलती करने वाली स्कूल प्रधानाध्यापिका को स्पष्ट कर दिया कि हिजाब पहनने तथा नहीं पहनने का चुनाव पूरी तरह से छात्राओं की मर्जी है। विभाग ने यह स्पष्ट घोषणा कर दी कि विद्यालय-प्रशासन ऐसे मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

दो पड़ोसी राज्यों-तमिलनाडु तथा कर्नाटक की सरकारों की इस मुद्दे पर सोच एवं संबंधित प्राथमिकताओं का विरोध पूरी तरह तथा साफ दिखाई दे रहा है। अगर हम इन दोनों सरकारों को बिल्कुल ताजा कदमों और पहलों पर नजर डालें तो हम पायेंगे कि तमिलनाडु ने जहां समाज के कमजोर वर्गों के स्कूली बच्चों को नि:शुल्क नाश्ता उपलब्ध कराने का कदम उठाया है, वहीं कर्नाटक सरकार अपनी ऊर्जा धर्मान्तरण विरोधी विधेयक पेश करने में खर्च कर रही है क्योंकि उसकी नजरें संभवत: आगामी विधानसभा चुनाव पर हैं।

'द तिरूमला...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमीर धर्मस्थल की व्यवस्था देखता है। वैटिकन के लिए कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर की मदद लेना शुरु कर दिया था। देश भर के विभिन्न मंदिरों में अब कमोबेश यह तकनीक इस्तेमाल हो रही है। रोजमर्रा के काम काज को आसान बनाने और आम समस्याओं के हल के लिए टैक्नॉलजी के इस्तेमाल के प्रति रुझान के चलते टी.टी.डी. ने एक मोबाइल ऐप्लीकेशन तैयार की है जो देश भर से आने वाले अलग-अलग भाषा वाले व्यक्तियों को भाषा की समस्या दूर कर देगी। सोमवार और मंगलवार को इस ऐप का सफल ट्रायल हुआ।

ऐप का नाम है "द तिरुमला गाइड" जो यहां आने वाले भक्तों के लिए फायदेमंद है। इसमें भक्तों की समस्त आवश्यक जानकारी, जैसे गैस्ट हाउस, लड्डू, काउंटर, वैकुण्ठम क्यू कॉम्प्लैक्स, सतर्कता ऑफिस, हॉस्पीटल, म्यूजियम, पुलिस, प्रशासन व अन्य सेवाओं की जानकारी दी गई है। टी.टी.डी. को भरोसा है यह सभी के लिए मददगार होगी।

'निर्धन सवर्णों को दिया गया...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टी. का आरक्षण आठवें दशक में प्रवेश कर चुका है, जबकि ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण जनरल कैटेगरी के कमजोर तबके में आर्थिक मजबूती आने और उनके लिविंग स्टैण्डर्ड्स में सुधार आने के साथ ही कमज़ोर पड़ जाएगा। इस प्रकार से उन्होंने सुझाया कि ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण चिरस्थायी रहने वाला नहीं है।

इस तर्क का जवाब देते हुए ई.डब्ल्यु.एस. के 10 प्रतिशत आरक्षण में एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को भी शामिल किया जाना चाहिए था अटॉर्नी जनरल वेणुगोपाल ने कहा कि इस प्रकार की समझ एक ऐसी स्थिति की ओर ले जाती, जहां एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी. और जनरल कैटेगरी के इकोनॉमिकली वीकर सैक्शन, चारों वर्गों को ई.डब्ल्यु.एस. के 10 प्रतिशत आरक्षण में से 2.5 प्रतिशत आरक्षण मिलता।

अटॉर्नी जनरल ने कहा कि इस प्रकार की स्थिति से एस.सी./एस.टी. तथा ओ.बी.सी. को दिये जा रहे 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा का अतिक्रमण हो जायेगा, जिसे 1992 में इन्द्रा साहनी फैसले में सर्वोच्च न्यायालय की नौ जजों की बैंच ने शुरु किया था।

यह दलील देते हुये कि असमानों को समान नहीं माना जा सकता, अटॉर्नी जनरल ने उन जबरदस्त लाभों का उल्लेख किया, जो एस.सी./एस.टी. को मिलते हैं। उन्होंने पंचायत, स्थानीय नियाय, राज्य-विधायिका तथा लोकसभा में इन्हें मिल रहे आरक्षण का उल्लेख किया।

अटॉर्नी जनरल ने कहा कि जहां तक ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण का प्रश्न है यह सिर्फ शिक्षा व सरकारी नौकरी में ही लागू होगा तथा गरीब आबादी की आर्थिक स्थिति सुधरने पर वे इस आरक्षण के दायरे से बाहर आ जाएंगे।

उन्होंने कहा कि ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण एक सकारात्मक कार्यवाही या और कुछ बताया जा सकता है लेकिन यह आरक्षण संसद की समझ में लाया गया था तथा इस बारे में सांख्यिकीय आँकड़े नहीं दिये गये थे।

एक और...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रदेश को कवर किया जाएगा।

उन्होंने कहा वर्तमान यात्रा यू.पी. में सिर्फ दो दिन रहेगी इसलिए एक पृथक यात्रा आयोजित की जाएगी जिसमें पूरे राज्य को कवर किया जाएगा।

वर्तमान यात्रा दक्षिण से उत्तर में कश्मीर तक की है। उन्होंने कहा पर इसका अर्थ यह नहीं है कि पूर्वी राज्यों, गुजरात और पूर्वोत्तर राज्यों को छोड़ दिया जाएगा।

'मैं किसी के नाम की न चर्चा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाने के फार्मूले पर भी बात हो रही है और यदि ऐसा हुआ तो इस दौड़ में सबसे आगे गोविंद सिंह डोटासरा और शांति धारीवाल का नाम बताया जाता है। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि, प्रदेश अध्यक्ष पद पर किसी ब्राह्मण चेहरे को मौका दिया जाएगा इसके लिए महेश जोशी का नाम लिया जा रहा है। हालांकि, कांग्रेस में जब तक फैसला होकर लागू नहीं हो जाए तब तक नामों की चर्चाओं के कयास लगते रहते हैं।

इससे पहले राहुल गांधी ने मीडिया से कहा, "कांग्रेस अध्यक्ष सिर्फ एक संगठनात्मक पद नहीं है, यह एक वैचारिक पद और एक विश्वास प्रणाली है। जो भी कांग्रेस अध्यक्ष बनते हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि वे एक ऐतिहासिक स्थान ले रहे हैं। एक ऐसा स्थान जो भारत के एक विशेष दृष्टिकोण को परिभाषित करता है। कांग्रेस अध्यक्ष को विचारों के एक समूह, एक विश्वास प्रणाली और भारत के एक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करना होगा।"

मीडिया की ओर से, पायलट को मुख्यमंत्री बनाने के सवाल पर अशोक गहलोत ने कहा कि, जो हालात राजस्थान के अंदर हैं, हाईकमान उसकी स्टडी करेगा और देखेगा कि विधायकों की क्या भावना है। यह ध्यान रखना होगा कि, हम अगला चुनाव जीतें, क्योंकि अब कांग्रेस के पास बड़ा राज्य राजस्थान ही है। हमारे लिए यह फैसला बहुत नाजुक फैसला भी होगा और बहुत सोच-समझकर लेना पड़ेगा"। इसी के साथ मुख्यमंत्री गहलोत ने यह भी कहा कि, आज तक इतिहास में कोई कांग्रेस अध्यक्ष मुख्यमंत्री नहीं रहा है, इसलिए स्वाभाविक है कि जो प्रश्न उठते हैं, उसी आधार पर हम लोग भी फैसला करेंगे।

गहलोत ने कहा कि, राष्ट्रीय स्तर पर मुख्य विपक्षी पार्टी की भूमिका में कांग्रेस में फिर से जान डालने के लिए काम करना है, फिर आप दो पद कैसे रख सकते हैं। अब सवाल आता है कि एक व्यक्ति एक पद लागू नहीं होता, फिर भी अध्यक्ष बनने वाले को सोचना होगा कि वह दो पद कैसे रखेगा, वह अध्यक्ष पद को जस्टिफाई नहीं कर पाएगा।

'जो फैसला...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बसपा छोड़कर दूसरी बार कांग्रेस के साथ आने वाले ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि हाईकमान जिसे सीएम बनाए वह मंजूर है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी जिसे भी मुख्यमंत्री बना दें, हम उस फैसले के साथ हैं। अगर भरोसीलाल जाटव को भी सीएम बनाएंगे तब भी हम साथ हैं।

बसपा से कांग्रेस में आने वाले राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि कांग्रेस में जो भी फैसले होते हैं, उसमें हाईकमान का फैसला मान्य होता है। कम से कम हम छह विधायक जो ग्रुप सिक्स में हैं, उनकी गारंटी है कि वह सभी हाईकमान के साथ हैं।

आखिर ऊंट पहाड़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं, ने दिल्ली पहुँचने के बाद कहा कि सचिन के राजस्थान के मुख्यमंत्री बनने की संभावना है।

कल दिग्विजय सिंह ने कहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिये नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले, अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ेगा।

यही बात आज राहुल ने दोहराई थी। कल सोनिया गांधी के साथ हुई मीटिंग में, सोनिया गांधी ने अशोक गहलोत से कह दिया था कि उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटना ही होगा तथा इस बात का निर्णय नेतृत्व ही करेगा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा।

कल सुबह गहलोत शिरडी रवाना हो जायेंगे। रोचक बात यह है कि इस "गेम ऑफ थ्रोन्स" में सचिन पायलट, अशोक गहलोत के कुछ कदम आगे ही दिखाई दे रहे हैं।

बताया जाता है कि राहुल गांधी से मिलने के लिये केरल जाने से पहले, सचिन सोनिया गांधी से मिले थे उनके साथ सारी स्थिति पर चर्चा की थी। केरल पहुँचने के बाद, वे पूरे दिन राहुल के साथ पद यात्रा करते रहे तथा उनके साथ चर्चा करते रहे।

अशोक गहलोत, जो जयपुर में अपने विधायकों से कह रहे थे कि इस साल का बजट वे ही पेश करेंगे, सोनिया गांधी से मिलने एक दिन देर से पहुँचे थे तथा राहुल गांधी से मिलने में भी उनसे एक बार पुन: देर हो गई थी।

और गहलोत के इस झाँसे की असलियत भी सामने आ गई है कि सरकार गिर जायेगी।

दरअसल, बसपा नेता राजेन्द्र गुढ़ा ने कह दिया है कि जो भी राजस्थान का मुख्यमंत्री बनेगा, वे उस का समर्थन करेंगे।

गहलोत ने नेतृत्व को एक प्रकार की धमकी दे दी थी कि अगर वे हटाये जाते हैं तो निर्दलियों तथा बसपा द्वारा समर्थन वापस ले लिये जाने से सरकार गिर जायेगी।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908